

नं0 44]

नई दिल्बा, शनिवार, अक्तूबर 30, 1982 (कार्तिक 8, 1904)

No. 44]

NEW DELHI. SATURDAY, OCTOBER 30, 1982 (KARTIKA 8, 1904)

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग Ш—खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक ेवा स्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 सितम्बर 1982 सं ए 19013/2/82-प्रशा I :--राष्ट्रपति द्वारा श्री एस० के० सिंघल, आई० ग्रार० एस० (डी० एण्ड सी० ई०) को 8 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

> य० रा० गांधी, ग्रवर सचिव (प्रशाº) संघलोक सेवा आर

दर्शाई गई तिथि से ग्रगले ग्रादेश तक के लिये केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियक्त करते हैं।

स्रधिकारी का नाम एवं वर्तमान पदस्थापना का स्थान ।

राज्य जहां के हैं। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उपाधीक्षक <del>ं रूप में</del> मियुक्ति

ो तिथि।

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली, दिनाक 8 ग्रक्तूबर, 1982

सं० 🍂० 22013/2/82-प्रशा० 5:---निदेशक, केन्द्री भ्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापन एतद्द्वारा निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों को प्रत्येक के स

		,, -	~ _	· /-
1 2		3		4,
3. जी० ग्राह	—— — रै० दीक्षिष्ठा,		_	
कन्द्रीय ग्र	न्वेषण ब्यूरो			
श्रहमदाब	ाद ।	गुजरात		24-7-1982
4. डी० भूयन	न, केन्द्रीय			
श्रन्वेषण र	यूरो, शिलाग	श्रासाम		26-7-1982
5 डी० कृष्ण	ान, केन्द्रीय			
श्चन्त्रोषण व	यूरो, सा०			
श्रु०स्कल्ध	ो, मद्रास ।	तमिलनाडु		24-7-1982

म्रार० एस. नागपाल, प्रणासनिक म्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रस्वेषण ब्यूरो

# महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 मितम्बर, 1982 मं० ग्रो० दो० 1767/८2-स्थापना.—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर चन्द्र प्रकाश श्रार्य को 30 श्रगस्त 1982 के पूर्वाङ्ग से केवल तीन माह के लिये श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमे जो भी पहले हो, उस नारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल मे किनष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर पर तदर्थ रूप मे नियुक्त किया है।

# दिनाक 1 ग्रक्तूबर, 1982

मं० स्रो० दो 7/76-स्थापना:—श्री जे० प्रम० कुरेशी. भारतीय पुलिस सेवा श्रिधिकारी ने मध्य प्रदेश राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप दिनाक 2-9-82 को पूर्वाह्म से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप निर्देशक (प्रणासन) महा निर्देशालय, के० रि. पु० बल० नई दिल्ली के पद का कार्य भार छोडा।

इनको 59 दिन का श्राजित श्रवकाण दिनांक 2-9-82 में 30-10-82 साथ में 31-10-82 श्रीर 1-11-82 की सरकारी छुट्टिया की परखाधीन भी दी गई है। उनको कहा गया कि छुट्टी के बाद वह महानिरीक्षक, मध्य प्रदेश, भोषाल को रिपोर्ट करेंगे।

नियुक्ति के कारण वे दिनांक 15-9-82 ग्रपराह्म को श्रपना कार्यभार से विमक्त हो गये है।

> ए० के० सूरी, ाहायक निदेणक (स्थापना)

भारत के महापजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनाक 6 श्रक्तूबर, 1982

सं० 11/72/80-प्रशा० 1 — राष्ट्रपति, निम्नलिखित उप निदेशकों को उनके समक्ष दिश्यित जनगणना कार्यालयों में तदर्थ श्राधार पर श्रौर श्रम्थाई तौर पर तारीख 16 श्रगस्त, 1982 तक की ग्रौर ग्रविध के लिये संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्ननि द्वारा सहर्ष नियुक्त करते हैं —

				मुख्यालय
नाग	म	<del>ਨੈ</del>		· ·
A-A			, <del></del>	

- श्री बी० टी० पिल्लई निदेशक, जनगणना कार्य त्रिवेन्द्रम केरल, विवेन्द्रम
- 2. श्री श्रब्दुल गनी निदेशक, जनगणना कार्य, श्रीनगर जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर
- 3 श्री एस० सिन्हा निदेशक, जनगणना कार्य कलकला पश्चिम बंगाल, कलकला
- 4. श्री श्रर्दमान सिंह निदेशक जनगणना कार्य चण्डीगढ संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़
- श्री ए० डब्ल्यू० महात्मे निदेशक, जनगणना वम्बई कार्य महाराष्ट्र, बम्बई

मं० 10/19/82-प्रणा० I — राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 10 ज्ञ, 1982 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के अनुक्रम में नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में श्री वाई० एस० राव की उप निदेशक भौर सर्वश्री एम० बी० राव तथा बी० एस० वर्मा की अनुसन्धान श्रिधकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि को 31 जुलाई, 1983 तक की श्रीर श्रवधि के लिये या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाये, इनमें जो भी श्रवधि कम हो, सहर्ष वढाने हैं।

सर्वश्री बाई० एस० राव. एम० वी० राव श्रीर वी० एस० वर्मा का मुख्यालय नई दिल्ली मे होगा।

पी० पदमनाभ,

म्रायोंग में 700---1300/--- रुपये के वेसनमान में प्रनु-मन्धान ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

स० वि० आ० 2(21)-ए/82:—योजना श्रायांग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर श्री एस० पी० रस्तोगी, अनुसन्धान श्रधिकारी को आठवें विन्न श्रायोग में 25 मितम्बर 1982 के पूर्वीह्न में सगला आदेण होने तक 1100/— 1600/— रुपये के वेतनमान में उप निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

— स० वि० म्रा० 2(22)-ए०/82:—-योजना म्रायोग, नई दिल्ली में स्थानान्तरण होने पर भारतीय भ्रार्थिक सेवा के ग्रेड III म्रधिकारी तथा वरिष्ठ म्रनुसन्धान म्रधिकारी श्री एन० म्राई० ब्यास को ग्राठवे विन म्रायोग में 25 स्तिस्वर, 1982 के म्रपरा**क्ष** से म्रगला म्रादेण होने तक 1300/— 1800-/— स्पये के वेतनमान में विणेप कार्य भ्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

एस० एल० माथुर, ग्रवर मचिव (प्रणा०)

वित्त मंत्रालय,

श्रार्थिक कार्य विभाग

बैक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) देवास, दिनाक 3 श्रक्तूबर 1982

ा. बी० एन० पी/मी/5/82:—बस्ती सं० वी० एन० पी०/सी/5/82:—इस विभाग की समसंख्यक ग्रिश्चसूचना दिनाक 1-7-82 के श्रनुकप में श्री ग्रार० के० घोषाल की तकनीकी ग्रिधकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर की गई नियुवित की ग्रविध वर्तमान भनौं पर दिनांक 1-10-82 से तीन माह के लिये या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, श्रीर बढाई जाती है।

मु० वै० चार, महाप्रबन्धक,

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

भ्राईनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700016, दिनाक 7 स्रक्तूबर 1982

मं० 45/जी/8.—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर. श्री ए० के० दे सरकार स्थानापन्न महायक कार्यालय प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरमैंन) दिनांक 31 जुलाई, 1982 (श्रपराह्न) मे मेवा निवृत्त हुए ।

> बी० कें. मेह्रता, निदेशक,

#### वाणिच्य मंत्रालय

मुख्य नियस्नक, श्रायात निर्यान का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982 श्रायात एव निर्यात व्यापार नियंद्रण (स्थापना)

मं० 6/940/71-प्रणा० (जी०)/6471:—राष्ट्रपति, सेवा निवृत्ति की ग्राय होने के बाद भी श्री जे० के० माथुर केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ष I में स्थानापन्न ग्रिधिकारी ग्रीर मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप मुख्य नियंत्रक, को 1 जुनाई, 1982 से 31 ग्रगस्त, 1982 तक सेवा में वृद्धि प्रदान करते हैं।

2. राष्ट्रपित श्री जे के० माथुर को 31 श्रगस्त, 1982 के दोपहर बाद में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की भी श्रनुमित देते हैं।

> ए. एस कौल, उप मुख्य नियंस्नक क्रायःस-निर्यास कृते मुख्य नियंस्नक श्रायात-निर्यात

वाणिज्यिकः जानकारी तथा श्रंकसकलन महानिदेशालय, (वाणिज्य विभाग)

कलकत्ता, 700001 दिनाक 4 ग्रक्तूबर 1982

मं० एस्ट-1/1(5)82/5641—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय के कार्यालय जापन सं० 12015/1/80—155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982 के श्रनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी सेवा के एक चतुर्थ स्तरीय परिषीक्षाधीन, श्री मुद्रत कुमार दास (भा० सां० से०-श्रें०-4)ने, इस कार्यालय में सहनिदेशक का पदभार, 17-9-82 के पूर्वात्र से, ग्रहण कर लिया है।

सं० एस्ट-1/1(4) 82/5648—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय, के कार्यालय ज्ञापन सं० ए०—12015/1/80—155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982, के ग्रनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी मेवा के एक चतुर्थ स्तरीय परिवीक्षाधीन श्री विमल कुमार गिरि, (भा० मां० से०—श्रे०—4)ने, इस कार्यालय में, सहिनिदेशक का पदभार, 17-9-82 के पूर्वाह्म से, ग्रहण कर लिया है।

मं० एस्ट-1/1(6) 82/5654—सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० ए०-12015/1/80-155, दिनांक 14 सितम्बर, 1982 के अनुसरण में, भारतीय सांख्यिकी सेवा के एक चतुर्थ स्नरीय परिवीक्षाधीन श्री गुरूचरण मन्ना, (भा० सां० से०-श्रे०-4), ने, इस कार्यालय में सहनिदेशक का पदभार, 20-9-82 के पूर्वाह्न से, ग्रहण कर लिया है।

डी० सी० वसा महामिवेशक

### उद्योग मंत्रालय

# श्रौद्योगिक विकास विभाग

विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रगस्त 1982

सं० 12 (532)/66-प्रशा० (राज०)/खण्ड-2-राष्ट्रपति, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास के सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (सामान्य प्रशा० प्रभाग), श्री के० ए० लिंगम को, सेवा-निवृत्ति की ग्रायु प्राप्त करने पर, सरकारी सेवा से 31-7-82 के श्रपराह्न से सेवा-निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

सी० सी० राय उप-निदेशक (प्रशासन)

### भारतीय संग्रहालय

### भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकसा-16, दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1982

सं० 4-186/82/स्था०--निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान, सर्वेक्षण, ने श्री सुनील कुमार विश्वास, कार्यालय अधीक्षक को इस सर्वेक्षण के दक्षिण क्षेत्र, मैसूर में कनिष्ठ प्रशासनिक श्रधि-कारी (धर्ग-ख-राजपन्नित) के पद पर रु० 650-1200/- के वेतनमान में स्थानापन्न रूप मे 14 सितम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से श्रगले आदेश होने तक नियुक्त किया है।

एम० एस० राजगोपालन वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

### भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

### कलकत्ता-12, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1982

सं० एफ० 92-172/80-स्थापना/25449—डा० सुपदा गोविंद पाटिल को फेसवाटर बाइग्रलाजिकल स्टेशन, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, हैदराबाद में सहायक प्राणि विज्ञानी (समूह 'ख' 650-1200 ६० वेतनमान में) के पद पर 10 ग्रगस्त, 1982 (पूर्वाह्म) मे, ग्रगले ग्रादेश तक, ग्रस्थायी रूप में नियुक्त किया गया है।

ए० के० मंडल वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

### श्राकाशवाणी महानिवेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्तूबर 1982

सं० 6 (104)/63-एस०-एक—निवर्तन की श्रायु प्राप्त करने पर श्रीमती ई० एन० खरकोगर, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाश-वाणी, शिलांग 31 जुलाई, 1982 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गईं।

सं॰ 4(53)/75-एस॰-एक- संगीत नाटक श्रकादमी में, सहात्रक मिष्य के पद पर नियुक्ति होने पर श्री भारत रस्त भार्गव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नई दिल्ली को संगीत नाटक श्रकादमी, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यग्रहण करने के लिए 16 श्रगस्त, 1982 की श्रपराह्म से उनके कार्यभार मे मुक्त कर दिया गया था।

> हरीण चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

# सूचना भ्रौर प्रसारण मंत्रालय

### फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1982

सं० 17/64/49-ई०-I---कुमारी एस० सेन स्थाना-पन्न, शाखा प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को पी० एस० रावतेल, शाखा प्रबन्धक को विस्तारित छुट्टियों की मंजूरी दिये जाने की स्थिति में सक्षम प्राधिकारी ने दिनांक 9 जुलाई, 1982 से 13 ग्रगस्त, 1982 तक, उमी पद पर बने रहने के लिए कहा है।

वी० श्रार०ं पसवानी महा० प्रशासकीय श्रधिकारी कृते मुख्य निर्माता

# ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1982

सं० ए० 19025/6/82—प्र० तृ० — संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुसार श्री दिलीप कुमार सिन्हा को इस नियेशालय के श्रधीन नागपुर में दिनांक 30-8-82 (पूर्वाह्न) से श्रगल श्रादेश होने तक स्थानापन्न श्राधार पर महायक विपणन श्रिधकारी (वर्ग-I) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

# दिनांक 4 अक्तूबर 1982

सं० ए० -12018/8/79-प्र०-I---विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय में उप निदेशक (प्रशीतन) (सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग -अ) जिसका वेतनमान रु० 1100-50-1600 है, का पद तत्काल से वरिष्ठ विषणन विकास अधिकारी (शीतागार प्रशीतन) के रूप में पूनः पदनामित किया जाता है।

(श्रधिकार पत्न-ग्रामीण विकास मंत्रालय, पत्न सं $\circ-1-1/82$ -ए $\circ$  एम $\circ$  दिनांक -4-9/1982)

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु <mark>अन</mark>ुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 29 सितम्बर 1982

सं॰ पी॰ ए॰/79(4)/80-प्रार॰III---- िमयंत्रक, भाषा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री गोविन्द विष्णु मांडके, स्थानापन्न सहायक लेखाकार को सहायक लेखा म्रधिकारी पद पर कार्य करने हेतु इस मनुसंधान केन्द्र में 22-7-1982 (पूर्वाह्न) रे 31-8-1982 (भ्रपराह्म) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 4 अक्तूबर 1982

मं० पी० ए०/79(4)/80-ग्रार० III--नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री श्रब्दुल करीम मोहिउद्दीन नाइक, सहायक लेखाकार को सहायक लेखा ग्रधिकारी (रुपये 650-960) पद पर कार्य करने हेतु इस ग्रनुसंधान केन्द्र मे 23-8-82 (पूर्वाह्न) से 22-9-82 (ग्रपराह्न) नक की समयावधि के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग बम्बई, दिनाक 16 सितम्बर 1982

सं० पी० पी० ई० डी०/4(851)/80-प्रशासन/12908--इस प्रभाग के वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता-ग्रेड एस० बी० श्री एन० पद्मनाभन ने अपना त्यागपत्न देने के बाद इस प्रभाग से 30 जनवरी, 1982 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> बी० वी० थट्टे प्रशासन स्रंधिकारी

# नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

ब्लन्दशहर, दिनाक 7 श्रक्तूबर 1982

क्र० सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1(103)/82-एस०/
11931—सेवा निवृति की ग्रायु होने पर, स्थायी अधीक्षक तथा
ग्रस्थाई महायक कार्मिक अधिकारी एव नरौरा परमाणु विद्युत
परियोजना में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न प्रणासन ग्रिधिकारी-II
श्री प्रेम प्रकाश सितम्बर 30, 1982 के ग्रपराह्म से, सरकारी
सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

श्चार० के० बाली प्रशासन श्रधिकारी-III

# ऋय ग्रीर भंडार निदेशालय बम्बई, दिनांक 24 सितम्बर 1982

सं० कम नि० |21|1 (2)|78-स्थापना|20699--परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निदेशालय के निदेशक
ने स्थायी कय सहायक श्री एस० एन० देणमुख को रुपये 650-30-740-35-810--द० रो०-35-880--40--1000द० रो०-40-1200 के वेलनमान में 29-4-1982 (पूर्वाह्र)
से 31-8-1982 (प्रपराह्म) नक के लिये तदर्थ ग्राधार पर

स्थानापन्त रूप में भ्रौर 1-9-1982 (पूर्वाह्न) में भ्रगले भ्रादेशों तक के लिए इसी निदेशालय में निरमित क्षमता में गहायक ऋय भ्रक्षिकारी नियुक्त किया है।

### दिनांक 29 सितम्बर 1982

मं० क्रम नि० /23/5/79-स्थापना/30032—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय श्रिधकारी श्री वी० एस० रामास्वामी की क्रय श्रिधकारी के रूप में पदोन्नित हो जाने पर स्थायी कनिष्ठ क्रय सहायक श्रीर स्थानापन्न क्रय महायक श्री कन्नम्परा ध्रवी लक्ष्मणन् को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 मई, 1982 (पूर्वाह्र) में 12 जून, 1982 (ग्रपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक क्रय श्रिधकारी नियक्त किया है।

### दिनाक 30 सितम्बर 1982

सं० कम नि०/23/4/82-स्थापना /30077-परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक महायक क्रय अधिकारी श्री एस० एस० प्रधान की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी क्रय सहायक श्री कृष्ण लाल श्राहलूबालिया को रुपये 650-30-740-35-810-द०, रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 10 अगस्त, 1982 (पूर्वाह्म) मे 10 मितस्बर, 1982 (प्रपराह्म) तक के लिए इसी निदेशालय मे तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप मे सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० कम नि०/23/3/82-स्थापना/30081--परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने सहायक भंडार प्रधिकारी श्री ग्राई० पी० मेनन की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थायी भंडारी श्री एम० सी० राय को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 3 मई, 1982 (पूर्वाह्न) से 2 जून 1982 (ग्रपराह्न) तक के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक भंडार ग्रिधकारी नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ प्रशासन अधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1982

मं० ए० 32013/13/82-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० लाकड़ा, उपनिदेशक, बम्बई एयरपोर्ट को दिनांक 1-10-1982 से श्रीर श्रान्य श्रादेश होने तक क्षेत्रीय विमान क्षेत्र नियन्त्रक, बम्बई एयरपोर्ट के पद पर नियुक्त किया है।

श्रा० पी० जैन सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

### नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1982

सं० ए० 32013/4/80-ई० I—इस कार्यालय की दिनाक 15-5-82 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/80-ई०-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई अवधि तक निदेशक संचार के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है :--

ऋ सं०	नीम	ग्रवधि		तैनाती स्टेशन
	,	से	तक	-
1. श्री प कृष्ण	·———— एम०एस० ान	1-1-82	31-10-83	2 मद्रीस
2. श्री <sup>हे</sup> टेक	के० वन्दानी	1-1-82	31-10-8	2 पालम
				—————————————————————————————————————

स्रो०पी० जैन असहायक निदेशक

# नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1982

सं० ए०-38013/6/82-ई० सी०-नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के स्थित निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता के कार्यालय के श्री बी० पी० प्रमाणिक, महायक मचार प्रधिकारी ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फल-स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनाक 31-8-82 (ग्रपराह्म) से ग्रपने पर का कार्यभार त्याग दिया है।

### दिनांक 5 म्रक्तूबर 1982

मं० ए० 32014/2/82-ई० मी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० दास, संचार सहायक को दिनांक 29 अप्रैल, 1982 में ६० 650—1200 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन कलकता में नैनात किया है।

प्रेम चन्द सहायक निदेशक प्रशासन

# नई विल्ली, दिनांक 1 अन्तूबर 1982

सं० ए०-12025/1/80-ई० डब्ल्यू०--संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति ने श्री परामू राजेन्द्रन को नागर विमानन विभाग में दिनोक 16-9-1982 (पूर्वाह्र) से और ग्रन्य श्रादेश होने तक रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में विद्युत एवं यात्रिक ग्रिधकारी के पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त किया है।

श्री पराम् राजेन्द्रन को विद्युत एवं यांत्रिक वर्कशाप, सफदर-जंग एयरपोर्ट नई दिल्ली में तैनात किया गया है ।

> ठा**कुर दत्त** सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1982

स० ए.० 32013/3/80-ई० ए.स०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित चार प्रिधिकारियों को दिनांक 19-2-1982 से नागर विमानन विभाग मे उपनिदेशक/नियवक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में नियमित रूप में निय्क्त किया है —

- 1. श्री एस० रंजन
- 2. श्री बी० डी० मेठी
- 3 श्री टी० सी० ग्रहलुवालिया
- 4. श्री मी० वी० स्वामीनाथन

# दिनांक 8 श्रक्तूबर 1982

सं० ए० 31013/5/81-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित चार अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से विमान सुरक्षा श्रधिकारी (इंजी०) के ग्रेड में स्थायी रूप मे नियुक्त किया है:——

 1. श्री एल० एन० लाल
 -- 5-9-1981

 2. श्री एम० एल० नागर
 -- 5-9-1981

 3. श्री बी० के० श्रीवास्तव
 5-9-1981

 4. श्री जयवीर सिंह
 -- 11-9-1981

जें० सी० गर्ग सहायक निदेशक प्रशासन

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यं विभाग)

### कम्पनी विधि बोर्ड

कम्यनियों के "जिस्ट्रार का कार्यालय चण्डीगढ़, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1982

सं० जी०/स्टेट 156/ 5742—यतः बिशन सिंह जसवन्त सिंह कम्पती प्राइवेट लिमिटेड जिसका रिजस्ट्रीकृत कार्यालय दुर्गा किला, पटियाला में है, का परिसमापन किया जा रहा है।

श्रीर यतः श्रधोहस्ताक्षरकर्ता के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नही कर रहा है। श्रीर यह कि कम्पनी के कार्यालय का पूर्णतया परिसमापन हो गया है। समापक द्वारा दी जाने वाली श्रपेक्षित विवरणियां (विवरणियां —) छ अमत्रती मास की श्रवधि नही दी गई है।

अतः श्रव कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 560 की उप-धारा (4) के उपबन्धों के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना की तारीख में तीन मास का श्रवसान होने पर विश्वन सिंह जसवन्त सिंह कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशान की विघटिन कर दिया जायेगा।

बी० <mark>एम० ज</mark>ैन कम्पनी रजिस्ट्रार कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर नीरजा इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेडिंग काणनी प्राइबेट लिसिटेड के विषय में.

ग्वालियर, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1982

मं० क्रमांक 1227/मी० पी० 2485- — कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्- द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर मे० नीरजा इन्वेस्टमेंट एण्ड ट्रेंडिंग कम्पनी प्राद्देवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जावेगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जावेगी।

सुरेन्द्र कुमार मक्सेना कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, ग्वालियर ।

श्राय-कर अपीलीय श्रधिकरण बम्बई-400020, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1982

क० एफ०-48-ए०डी०/ए०टी०/82-1--श्री एन० सी० चतुर्वेदी, स्थाई हिन्दी अनुवादक, आय-कर अपील अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, इलाहाबाद जिन्हें इस कार्यालय की अधिस्वना क्रमांक एफ०-48-एडी०/एटी०(82 दिनांक 15 मई, 1982 द्वारा दिनांक 16 मई, 1982 से 3 माह की अवधि के लिए अस्थाई हैसियन में तदर्थ आधार पर आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था, को दिनांक 16-8-1982 से 22-8-1982 (अपराह्म) तक दिल्ली न्यायपीठ नई दिल्ली में तथा दिनांक 23-8-1982 से 15-11-1982 तक अथवा उक्त पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, आय-कर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में सहायक पंजीकार की उसी हैसियत में बने रहने की अनुसति प्रदान की जातों है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इससे श्री एन० मी० चतुर्वेदी को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का ग्रिधिकार प्राप्त नहीं होगा। उनके द्वारा तदर्थ द्याधार पर की गई सेवा की गणना वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये अथवा भ्रगले उच्च वर्ग में पदोक्षति हेतु पास्नता के लिये नहीं की जायेगी।

क्र० एफ०/48-ए०डी०/ए०टी०/82-2-श्री सुरेन्द्र प्रसाद, स्थाई हिन्दी अनुवादक बम्बई न्यायपीठ, बम्बई जिन्हें इस कार्यालय की श्रिधिसूचना क्रमांक एफ० : 48/ एडी०/एटी/ 82 दिनांक 15 मई, 1982 द्वारा दिनांक 16 मई, 1982 से 3 माह के लिए अस्थाई है।स्थित में तदर्थ आधार पर श्राय-कर अपील श्रिधिकरण, बैंगलोर न्यायपीठ, बैंगलोर में सहायक पंजीकार के पद पर स्थानापन्न रूप से जारी रखा गया था को, दिनांक 16 ग्रगस्त. 1982 में 15-11-1982 तक श्रयवा उथत पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, श्राय-कर अपील श्रधिकरण, बैंगलोर न्यायपीठ, बैंगलोर में महायक पंजीकार की उसी हैसियत में बने रहने की श्रनुमित प्रदान की जाती है।

उपरोक्त नियुक्ति तदर्थ है तथा इसमे श्री एस० प्रसाद को उक्त श्रेणी में नियमित नियुक्ति का श्रीधकार प्राप्त नहीं होगा, उनके द्वारा इस श्रेणी में तदर्थ आधार पर की गई सेवा की गणना वरिष्ठता के उद्देश्य के लिये श्रथवा श्रगळ उच्च वर्ग में पदोन्नति हेनू पालना के लिए नहीं की जायगी।

टी० डी० शुग्ला श्रध्यक्ष

# शुद्धि-पत्र

- (क) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित नांटिम एल. मी. मं. 569 के अनुमूची (अंग्रंजी और हिन्दी दोनों में) 'पत्तनित्टा विल्लेज के सर्व सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान'' के स्थान पर ''उप-रिजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनित्टा के दस्तावेज सं. 2459 में संलग्न अनुमूची के अनुमार 2.75 सेन्ट भूमि और मकान का भाग' पढ़ा जायेगा।
- (स) विनांक 26-6-82 के राजपत्र में प्रकाशित गोटिस एल सी. सं. 570 के अनुसूची (अंग्रंजी और हिन्दी दोनों में) ''पत्तनंतिट्टा विल्लंज के सर्वों सं. 216/1ए में 11 सन्द भूमि के साथ मकान'' के स्थान पर ''उप-रिजस्ट्री कार्यालय, पत्तनंतिट्टा के दस्तावेज सं. 2477 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 गेन्ट भूमि और मकान का भाग'' पढ़ा जायेगा।
- (ग) दिनांक 26-6-82 के राजपन्न में प्रकाशित नोटिस एल. सी. सं. 571 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में) ''पत्तनंतिट्टा विल्लेज के सर्वें सं. 216/1ए में 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान'' के स्थान पर ''उप-रिजस्ट्री कार्यालय, पत्तनंतिट्टा के दस्तावेज सं. 2494 में संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 सेन्ट भिम और मकान का भाग'' पढ़ा जायेगा।
- (घ) दिनांक 26-6-82 के राजपत्र मो प्रकाशित नाटिस एत . सी . संख्या 572 के अनुसूची (अंग्रेजी और हिन्दी बानों मों) 'पित्तनंतिस्टा विल्लेज के सर्वे सं . 216/1ए मों 11 सेन्ट भूमि के साथ मकान'' के स्थान पर ''उप-रजिस्ट्री कार्यालय, पत्तनंतिस्टा के दस्तावेज सं . 2503 मो संलग्न अनुसूची के अनुसार 2.75 मोन्ट भूमि और मकान का भाग'' पढ़ा जायंगा।

पी. जे. तोमसक्ट्टी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण), अर्जन रजे, प्रणाक्तम प्ररूप आदर्र. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यार्लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनां क 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 4/जन०/82—यत:, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० टि० एस० मं० 1968/1ए हैं, तथा जो पिल्लवासललेन, मुबरमिनयपुरम, मदुरै में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेंट सं० 395/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1982

को पृतांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ह भारतीय आप्रकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रिधों के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सिकन्धर खान ग्रीर भ्रम्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हरून गुलजार बेगम

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस। गया है।

### अनुसूची

भूमि सरवे सं० 1968/1ए, पिल्लिबामल लेन, सुबरमिनयपुरम, महुरै (डाकुमेंट सं० 395/82) । ी

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारी**ख** 17-9-1982 मोहर: प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) प्रजीन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 5/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 2 है तथा जो पहिलवासल लेन, सुबरमियपुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मदुरै (डाकुमेंट सं० 278/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लितिवत में वास्त्विक रूप किश्त नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म् की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, न्धीत् :---

1. श्री सिकन्दर खान और ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हरून गुलजार बेगम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुपा ह<sup>6</sup>।

# अनुसूची

भूमि झौर निर्माण 2, पल्लिबासल लेन, सुबरमनियपुरम; मदुरै---टि॰ एस॰ सं॰ 1968/1ए (डाकुमेंट सं॰ 278/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∎, मद्रास

तारीख: 17-9-1982

प्ररूप आई , टी., पुनु, एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

1. श्री तियागराजन

(भ्रन्तरक)

2. श्री कनकराजन

(ग्रन्तरिती)

#### भारत तरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

कार्याल्य, सहायक आयकर् आयुक्त् (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० 13/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 159/4 पार्ट ग्रीर 7 पार्ट, है तथा जो तल्लाकुलम, महुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वेणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (डाकुमेंट सं० 222/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में काहि भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित- बढ़ाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्ज्जी

भूमि श्रार० एस० सं० 159/4 पार्ट और 7 पार्ट, प्लाट सं० 418 तल्लाकुलम, मदुरै (डाकुमेंट सं० 222/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

तारीख : 17-9-1982

प्ररूप आर्ह् ुटी ु एन ु एस .-----

श्री त्यागराजन

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

2. श्री कनकराजन

(भ्रन्तरिती)

### भारत सुरकार

कार्याल्य, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज I,

मद्रास, विनांक 17 सितम्बर, 1982

निवेश सं 14/जन 0/82-पतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रु. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 159/4 पार्ट श्रौर 7 पार्ट है,तथा जो तल्लाकुलम, मदुरै में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध **अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी** के कार्यालय, तल्लाकुलम (डाकुमेंट सं० 223/82) में राजस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संगत्ति का जिल्ल नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रनिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उत्दोरम से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई। किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-यु की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यापितयों, अर्थात् ः ---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जनु के लिए कार्यवाही शुरू करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बुब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रार० एस० सं० 159/4 पाटे ग्रीर 7 पारट प्लाट सं० 418, तल्लाकुलम, मधुरै (डाकुमेंट सं० 223/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

ताऱीख.: 17-9-1982

मोहरु 🗵

# शुक्त आहोत होत हुन्त पुत्र व्यापन

आयुक्ट अधिनियम्, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-मु (1) के मधीन सुन्ता

### माइव सहकार

कार्याल्य,, स्हायक आयुक्त आयुक्त (निर्देशण) धर्जन रेंज I,

मब्रास, विनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं० 18/जन०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 55 है तथा जो मुल्ला साहिब स्ट्रीट, सौकारपट, मद्रास-1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुपूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सौकारपट (डाकुमेंट सं० 36/82) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1982

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से, ऐसे दियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बायुक्ती बावत, उच्छ विभिनियम के जधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उससे ब्यने में सुनिधा के निए; ब्रोड/बा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर मृधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था छिपाने में सृद्धिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री पदमावती श्रौर धभ्य

(ग्रन्सरक)

2. श्री पुकराज जैन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृत्राँक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त बुम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ड==

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विज् के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास सिबित में किए जा सकेंगे।

# जन्स्यो

भूमि घौर निर्माण 55, मुल्ला साहिब स्ट्रीट, सौकारपट, मद्रास-1 (डाकुमेंट सं० 36/82)।

> एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 18-9-1982

# प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

# आवकर प्रक्षितियम, 1981 (1981 का 43) की घार। 289 व (1) के ग्रंबीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंजा,

मद्रास, विनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश स० 51/जन०/82—यत:, मुझे, एस० लहरी, ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस हे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सन्नम न्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मृह्य 25,000/- घपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 1 स्रौर 2 है तथा जो उनफानरी रोष्ठ, बैल्लूर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय वेल्लूर (डाकुमेट सं० 51/82) में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जनवरी, 1982 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छांचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छहेय से उनल अन्तरण लिखिन मे वास्नविक कर से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या बन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए ;

जतः ब्रंड, उन्त अधिनियमं, की धाडा 269-ग के बनुसरण को, मीं, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधाण (1) के स्भीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अ्थीत् ध— 1 श्री गनेस चेट्टियार और अस्य

(प्रन्तरक)

2 श्री समपत ग्रौर ग्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवादियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ! --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर धक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास विवित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणा---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# पनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 1 श्रीर 2 उनफानरी रोड, बेल्लूर (डाकु-मेट सं० 51/82) ।

> एस० ल**हरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, मद्रास

ता**रीख:** 19-9-1982

प्ररूप आहर्ी, टी. एन. एस. - - - - --

श्री ज्ञान प्रकासमम्

(ग्रन्सरक)

2. चेननैयन श्रीर भ्रन्य

(अन्सरिती)

अपयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1.

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० 52/जन०/82-यतः, मुझे, एस० लहरी, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सर्वे सं० 266/1 है तथा जो मेनसी पोस्ट, श्रर ताल्लुक में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबिरेड्डीपट्टी (डाकुममेंट सं० 81/82) मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वाक्रित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ववेष्यों से उक्त अन्तरुण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

को यह स्चना जारीं करके प्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई 📭

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में आहे भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जे भी अवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### असूची

भूमि सर्वे सं० 266/1, मेनसी ग्राम (डाकुमेंट सं० 81/82

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) क्षे अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीखाः 18-9-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन्. एस. ----

1 श्री सुन्दरमूर्ती

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना 2. चिन्सम्माल

(भ्रन्सरिती)

भारत सरकार

कार्येलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I

मद्रास, विशांक 18 सितुम्बर 1982

निदेश सं० 53/जम०/82—यतः, मुझे, एस० लहरी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सर्वे सं० 266/1 है तथा जो मेनरी पोस्ट, ग्ररूर तास्लुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूजी में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, बाबिरेडडीपट्टी (डाक कुमेंट सं० 82/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यवेषों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ क्र करिती हों।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विनुके भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भगुलुकी

भूमि सर्वे सं $\circ$  266/1 , मेनसी ग्राम (डाकुमेंट सं $\circ$  82/82) ।

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मद्रास

अत्: अब् उक्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—-

तारीच : 18-9-1982

# प्ररूप बाई • ही • एन • एत •-----

# भागकर अ**विनियम; 1961 (1961 का 48) की धारा** 269-व (1) के भवीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1,

श्रष्टमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1982

निदेश सं० पी०आर० नं० 2088/23-I/82-83----यतः मुझे, धार० श्रार० शाह,

प्रायं अर्थ अर्थ अर्थ कार्य, आयं कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम शिक्कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- द्वये से धिक है और जिसकी सं० सूचक सदन, वार्ड नं० 6, शीट नं० 142 है तथा जो राजपुक्षपरा, बोर्ड नं० 6, किकेटर अमरसिंह जी रोड़ के नजदीक स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विमांक 28-1-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की मानत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी थन अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, क्यांत्— 1. श्रीमती सुभिन्नाबेन प्रधानभाई सुचक की भोर से एल० श्रार० श्री दिलीप जयन्ती लाल ठक्फर 111-ए, महात्मा गांधी रोड, फोर्ट, बोम्बे ।

(भन्तरक)

 मनसुखलाल पानाचन्द श्रौर भ्रन्य द्वारा : बिपिनकुमार जयन्ती लाल, दानापीठ, राजकोट ।

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना बारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के भजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उश्र प्रशति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी मान्नेप: --

- (क) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समास्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास किखिल में किए जा सकेंगें।

स्पव्दीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त शिक्षियम के भव्याय 20-क में परिधादित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है !

### अनुसूची

मिस्कियस जिस बिल्डिंग सूचक सदन, नाम से प्रचलित है जो बार्ड नं० 6, राजपुतपरा में स्थित है तथा सब-राजिस्ट्रार, राजकोट, राजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 568/28-1-82 है।

> श्रार० श्रार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-I, ग्रहमदाबाव

तारीख: 13-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 18 स्तिम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० /7/82-83--यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्ब 25,000/- रत. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० 8-2-681/ए/6 है, जो बाजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरता-बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1982

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269- म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

 मोहम्मद साखवान आली, और भ्रन्य 11-3-946, न्यू महन्द्रेपहली, हेदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहम्मद जमीत मोहीनुदीत वितामोहम्मद सलीम मोहीनुहीन, श्रीमती सनमा रहमान पनि एम० ग्रहनाझ . **ग्रर रहमान, 11-5-559, रेड ही**न्स, हैदराबाद (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शरू कारता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन' की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सुचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सम्मना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोष्ठस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थ**क्टीकरण:—**–इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अभूस्ची

**बर** नं० 8-2-681/ए/6, रोड, नं० 12, बंबारा हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1100 चौ० गज०, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 89/82, रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी खैरताबाद ।

> एम् जेगन मोहन मक्षम प्रधिकारी महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**य** 18-9-1982 मोहार:

3-306G1/82

# त्रकृप जाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### धारत सरकार

कार्यालय सक्षायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 172/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 1-8-191- से 200 है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके खब्यान प्रतिफल से, एसे खब्यान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियभ के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन्या अन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं अक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री नक्शा नोशीर जैन वाला श्रीर रजी केकी दादाभाई, ए-17, मोसी बाग, न्यू दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रासनदास श्रासानन्द दहलानी, ग्रैंदरञ्प्राली श्राजीज जझीवा, सददीन कारा, श्रशोक कुमार सागरमल मलहारा, मैसर्स जोगानी इंटरप्राइजेस, न० 210, गूंडेचा चांबर, 4 था बाम्बे-400023

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकांगे।

स्वकटीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति 1-8-191 से 1-8-200 पेंदरघास्ट रोड, सिकन्दराबाद (143/बी, मसीनटायर रोड, , विस्तीर्ण 543, . 50 चौ० गज० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सिकन्दराबाद ।

एम० जेगन मोहन मक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, हैदराबाद

तारी**ख** 18-9-1982 मोहर ; प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

# सायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) स्ती भारा 269-म (1) के संभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० /173/82-83—ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8-2-33 असबी, है जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया चाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के लिए;

मतः सम, उनत अधिनियम की भारा 269-स के, अनुसरक में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री नाझरिक्षवान हासने पिता श्री मोहम्मव ग्रब्बुल हासन पार्टनर मैंसर्स ग्रांध्र प्रदेश, कंस्ट्रकशन, को०, 10-3-304/12, हुंमायूं नगर, हैदराबाद।

(भन्तरक)

- 2. (1) श्री मोहम्मद स्नामर पिता मोहम्मद स्रब्बास 11-5-566, रेड हील्स, हैदराबाद।
  - (2) श्री मोहम्मद ऊष्मान ग्रदील पिता मोहम्मद श्रब्बास 11-5-566, रेड हील्स, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस कुम्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

भाग धर नं० 8-2-333/बी, रोड, नं० 3, बंजारा हीत्स, गोकपेट, हैवराबाद विस्तीर्ण 183, चौ गज० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 511/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** 18-9-1982 मोहर: प्ररूप आइ°. टी. एन. एसं.------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के भन्नीम सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका छिलत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० प्लाट है, जो जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरग ये हुई किसी आय की बाबत खकत अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घत या श्रम्य श्रास्तियों की, जिम्हे भारतीय श्रायकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधित्यम या धनकर श्रीवित्यम या धनकर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ----  नागार्जुना को०-श्रापरेटिक हाउसिंग सोसायटी, बाई० श्रार० व्ही० एस० राजू, 6-3-354/8/5, हिन्दी नगर, कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री प्राई० रामकृष्णा राजू, पाइपर्स (ब्रह्मया),
 टी०पी० गुंडम, वेस्ट गोदावरी, जिला,।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्केंगे।

स्वक्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विष्या गया है।

### मनसूची

प्लाट नं० 77, विस्तीर्ण  $870^{5}$  चौ० गज०, पंजागूंट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 468/82, रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम स्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख** 18-9-1982 मोहर : प्ररूप आहे. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निदेश म० ग्रार० ए० सी० नं० 175/82-83—श्रतः मुक्को एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है जो बाहादुरपल्ली गाव, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्ता श्रितकारी के कार्यालय में डचल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आग की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती जी० कमला तायरम्मा पति जी० राधाक्वष्णाराव नामपल्ली, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती ए० सीता रामा लक्ष्मी पति ए० मुख्बाराजू, कोमपल्ली, गांव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पक्षों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अम्सूची

भूमि बहादूरपल्ली, 26 एकर, 12 गुंढे, रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 591/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मेडचल।

> एम० जेगन मोहन सक्षम म्रधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 18-9-1982 मोहर:

# प्ररूप बाद् .टी.एन्.एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 176/82-83—श्रतः एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम्' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो कांचन बाग में स्थित है, (भौर इससे उपाबक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्री पी० वयाकर रेड्डी,
 3-5-926/15, हीमायत नगर,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स भारत रत्ना डिफेन्स लेबरोटरी, एम्पलाइज को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग, सोसायटी लि० केम्रर म्राफ: डी० म्रार० एल० पी० म्रो० कांचन बाग, हैवराबाद-500 258

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त श्रुक्त श्रुक्त और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नम्सूची

भूमि वार्ड नं० 18, ब्लाक नं० 8, विस्तीर्ण 7 एकर, 12 गुंठे, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 58/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी प्रश्नमपुरा।

एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नुतिसित व्यक्तियां, अधीत् :--

तारीख 18-9-1982 मो**हरु** ३

# पस्य नाइ. टी. एन. एस.-

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबध, दिनांक 18 सितम्बर, 1982 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 177/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो बंजाराहिल्स हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री कृष्णा नारम,
 रोड, नं० 2, बंजाराहील्स, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2 कुमारी डी० हेममालया कुमारी,टी० नगर, मद्रास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के समान्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोतृस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसुची

खुली जमीन विस्तीर्ण 597.3 घौ० गज० रोड, नं० 2, बंजाराहिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 215/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारी**ख** 18-9-1982 मोहर: प्रकृत प्रार्द्ध की व एतक एतक चनज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-घ(1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश सं० द्वार० ए० सी० नं०/178/82-83---- प्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि है जो बंजाराहिन्ह, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे जपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य मे कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है घोर मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिघत प्रविक है घौर धन्तरिक (धन्तरिकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोतनार्यं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया आना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुलिचित् स्थित्यों, वर्षात् ः— श्रीमती कृष्णा नारम,
 रोड गं० 2, वंत्रारा हील्ना,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 कुमारी द्वी० हिमालया, कुमारी टी० नगर, मद्रास ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूबना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य अपिन द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पवडी हरण: → -इननें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिक नियम के अव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी भर्ष होगा, जो उन प्रकाय में दिया गया है।

# वन्त्वी

खुली जमीन विस्तीर्ण 597.5 चौ० गज्ञ०, रोड नं० 2, बंजाराहील्म, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 208/82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रिधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख 18-9-1982 मोहरु: प्रकृप आई. टी. एन. एस, -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंपराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० / 179 / 82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है, जो सइदाबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूभ्ने यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—- श्री एम० विकृतग पिता एम० सतस्या,
 जी० पी० डा० जे० रासम्बर राव,
 106/बी, मंतीशनगर, कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

 मैसर्स वनी को-ग्रापरिटय हाऊसिग सोमायटी बाइ० डी० सत्यनारायणा ,
 8-105, शांती नगर, कालोनी,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक 45 दिन के भीतर उक्त स्वाप्र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेशे।

स्मष्टीकरण: — इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 202 से 205 तिस्तीर्ण 30 गूढे, सङदाबाद, रिजस्ट्रीकृत वलेख नं० 114/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद ।

एम० <mark>जेगन मोहन</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकर अप्यतल (रिजीक्षण) स्राप्ति रेज, हैदराबाद

तारीखा 18-9-1982 मोहर:

4-306GI/82

प्रकष आई, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

हैदराबाद, दिनाक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० म्रार०ये०सी०नं०180/82-83 यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट है, जो बंजाराहील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के तारीख जनवरी 1982

को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का जिनत बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, ग 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चीहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

त्रतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, मिम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) कुमारी शेहला हसन पिता रइझात हुसन,
 8-2-697/10, रोष्ठ नं० 12, बंजाराहील्स,
 हैदराबाद-500034।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती खतीजा पित मंसूर कुली खान, ग्रारोती रोड, नागपुर जी० पी० य० ममूद कुलीखान, 8-2-697/10 रोड, नं० 12, बंजारा-हील्स, हैदराबाद-500034।

(अप्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सं में धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया हैं।

### अन्सूची

प्लाट का भाग, प्लाट नं० 9, रोड नं०12, बंजाराहील्स, हैदरावाद-34, विस्तीर्ण 179.58 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०84/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी रहायक आग्रकर आयक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

प्ररूप आइंटी. एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० आ।र० ये० सी० नं० /81/82-83 अतः मृक्षे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो वंजाराहील्म, हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुभूची में ग्रीर पूर्णत: रूप से ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 19 जनवरी 1982

1908 (1908 की 16) के अधान 19 जनवरी 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोक एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, आर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कुमारी श्रयाय्स हुणन,
 8-2-697/10 रोड नं० 12,
 बंजाराहील्स, हैदराबाद -34 ।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रीमती खतीजा बाई, जी०पी०ए० मसूद कुली खान, 8-2-697/10, रोड नं० 12, बंजाराहील्स, हैदराबाद-34।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पॉरभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूचीं

प्लाट नं० 9 का भाग, रोड नं० 12, बंजाराहील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 611.38 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 83/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन माहन सक्षम प्राधिककारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

प्ररूप आर्द्घ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निर्देश स० भार० ये० सी० न०182/82-83 एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु स अधिक है

श्रौर जिसकी मरु प्ताट है तथा को श्रमीर गेट, हैंदराबाद मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद मे, रिजिस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 19 जनवरी 1982।

को पूर्वोंक्त सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कस के रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफन से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरित्ती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269म की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्री भार० एम० भीष्मा पिता स्वर्गीय भार० व्ही० मार्थन, 2/3, हिन्दुस्तान स्टाफ क्वार्ट्स, जी० बी० एस० मार्ग, विकोली, बाम्बे ।

(प्रन्तरक)

(2) श्री टी॰ सतोष कुमार पिता टी॰ शिवलिंगम, बी/101, गाधीनगर सिकन्दराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्बो और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित गया है।

# भ्रनुसूची

भू भाग, विस्तीर्ण 92037 चौ० गज (न० 8) सर्वे सर्वे न० 198, ग्रमीरपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 74/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकार हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 18-9-1982

प्ररूप आइ. टी. एन, एस, -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्दण सं० श्रार० ये० सी० न० 183/82-83 श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, जनवरी 1982

को धूथों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक सूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्या के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के शिए;

(1) श्री एम० राजम्मा पति एम० चन्द्रय्य, घर नं० 1-97, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला। हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स इमेंजेस, बाई श्रीमती सी० एच० रामादेवी पित श्री रामाजी राव । इनाडू कम्पाउन्ड, सोजाजीगृडा, . हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

. स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं ||]

### अवस्त्री

भूमि ब्लाक नं० 1, विस्तीर्ण 734 चौ० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4/82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 18-9-1982

मोष्टर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982 सं० म्रार० ये० सी० नं० 184/82—83—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है. जो कुकटपल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षित्रमम के ध्यीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिथियों को जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयाजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नितियित व्यक्तियों. अर्थात :—— (1) श्री एम॰ नरसीमलू पिता एम॰ चन्द्रया, घर नं॰ 3-107, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स इमेजेंस बाई श्रीमती सी० एच० रामावेबी, पति श्री रामजी राव, ईनाडु कम्पाऊण्ड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 734, चौ० गज सर्वे नं० 832, कुकट-पल्ली, राजेन्द्र नगर तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी रंगारेड्डी जिला, हैसराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; हैवराबाव

दिनांक : 18-9-1982

प्रस्य प्राई० दी० एन० एस●—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा १६९-च (1) के उपीट असाना

भारता सारकार

कार्यालय, सप्टायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निदेश मं० ग्रार० ये० मी० नं० 185/82-83 श्रत मुझे, एम० जेगन मोहन पायकर धिमिनियम, 1961 (१९६1 का 43) (जिसे इस में इसके पश्चात 'उक्त मिश्वित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० म अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रगारेड्डी जिला, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिये जतिरत की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण कि कि यथापूर्वोक्त मम्पित की उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से प्रिक्षित के और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक के निम्तिति त उद्देश्य म उचत अन्तरण जिखित में वास्तविक सूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के जिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थित —— (1) श्री एम० लीगाराव पिता एम० चेन्द्रया, घर न० 3-87, कुकटपल्ली, रगारेड्डी जिला, हैदराबाद । हैदराबाद ।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स इमेजेस द्वारा श्रीमती सी० एच०, रामा देवी पति रामोजी राव, ईनाड्ड कम्पाउण्ड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह भूवना जारी करके पूर्वीकन सम्पक्ति के प्रभैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- स्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिपित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# वन्स्ची

भूमि ब्लाक त० 3, विस्तीर्ण 734 चौ० गज, कुकटपल्ली' रजिस्ट्रीकर्ता चिरोख न० 6/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, रगारेड्डी जिला, हैदशबाद ।

एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 18-9-1982 मोहर.

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० श्रार० ए० सी० 186/82-83---श्रतः मुझे, ए० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि मेंश्वर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी 1982

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औड़/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को अन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्तिका के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री एम० कृष्णा राव पिता एम० चन्द्रया, घर नं० 1-97, कुकटपल्ली, रंगारेड्डी जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स इमेंजेस द्वारा श्रीमती सी० एच० रामादेवी पति श्री रामोजी राव, इनाडू कम्पाउण्ड, सोजाजीगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

भूमि ब्लाक नं० 4, विस्तीर्ण 734 चौ० गज कुकटपल्ली रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 7-82, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 18-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

हैदराबाद, दिनांक 18 जनवरी 1982

निदेश सं० म्रार० ए० मी० 1/87/82-83—म्ब्रत:मुझे एम० जेगन मोहन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो कुकटपल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कुकटपल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय. या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० जनार्दन राव पिता एम० चन्द्रस्या, 3-111, कृकटपल्ली, रगारेड्डी जिला । (श्रन्तरक)

(2) मैससं इमजेस, द्वारा श्रीमती सी० एच० रामादेवी, पति श्री रामूजी राव, ईनाडु कम्पाउण्ड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद ।

(श्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके प्वक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख गं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूचीं

भूमि ब्लाक नं० 5, विस्तीर्ण 734 चौ० गज. कुकट-पल्ली, **हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत** विलेख नं० 8/82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी; रंगारेड्डी<mark>,</mark> जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रप्तेन रेंग्र. हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

मोहार 🕄

प्रकल नाई. टी. एन. एस.------

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाव, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० भार० ए० सी०1/88/82-83—भतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीज पेट, हैदराबाद में में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित गें बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किमी श्राय की बाबन, उक्त मिश्व-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में युविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या भ्रम्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्राय-कर घिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिष्ठनियम या घन-कर पिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्मिशी होटा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अमित्रसों, अर्थातः :——

- (1) श्रीमती निमुनिसा बेगम, जीव पीव एव एव नरेन्द्र ग्रौर एमव इलीयास 23-6-431, गवलीपुरा, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स हिन्दुस्तान भारोनैटिक इम्लाइज को-भापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, हैदराबाद ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भवेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना, की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

क्ष्मकीश्वरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धांध-नियम, के प्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही अब होगा जो उस प्रव्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि, सर्वे नं० 77, विस्तीर्ण 2 एकड़, हाफीपेट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 264/82 रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रा**यकर् श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

<sup>°</sup>दिनांक : 18-9- 1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० 189/82-83---ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन्त सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीजपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण ऋप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, नियमितिक्ति व्यामिनयों, अभीतः :--

- (1) श्रीमती हाफीजूनीसा बेगम, जीव पीव एव श्रारव नरेन्दर श्रौर एमव इलीयास, 23-6-431, गवलीपुरा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स हिन्दुस्सान धारोनैटिक इम्पलाइज को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे दिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

## भग्स्ची

भूमि सर्वे सं० 77, विस्तीर्ण 2 एकड़, हाफीज पेट, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 265/82 रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

एम० जेगन मोहन सक्ष्म प्राधिकारों सहाबक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18<del>-</del>9-1982

महिन् :

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. - - - - -

# जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982 निदेश सं० श्रार० ए० सी०/190/82-83—श्रनः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, जो हाफीज पेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रंगारेड्डी जिला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक हम के सिए त से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारे में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अन्मरण में, भें, उपन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा . (1) के अधीन निम्नण्यित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- (1) श्री एम• हामीहुब्दीन जी॰ पी॰ ए॰ एम॰ श्रार० एलप्पा, सलतान शाही, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्म हिन्दुस्तान भारोनैटिक इम्पलाइज, को-श्रापरेटिव हार्जसंग सोसाइटी, सेकेटरी श्री भार० एम० सूरी, हैवराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

# वक्त सम्पत्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 77, विस्तीर्ण 2 एकड़ हाफीज पेट, बिस्तीर्णं रंगारेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 266/82 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक . 18-9-1982

अरूप बाई० टी॰ एन•एख•------

# आपकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के धमीन सूचना

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982 निदेश सं० ग्रार० ए० सी०/191/82-83—-ग्रतः मुझे एम० जेगन मोहन

श्रायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इन के पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सभन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति जिसका उचित बाजार मूहय 25,000/- द॰ से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० 5-6-510 है, जो निजामाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमा श्राय का बाबन, उक्का श्रीख-त्रियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या प्रश्वसे बचने में वृतिषा के लिए; और/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तिओं को जिन्हें भारतीय धायकर धिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधितियम, या धन-कर धिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया ववा या या किया जाना चाहिए ना, खिपाने में मुबिधा के चिए;

श्रतः सब, उदन मित्रिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदत पिश्वनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्मलिकत व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री नरसिंग राव कुलकर्णी, नालेश्वर गांव, निजामाबाद जिला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रनुमूयः बाई पति जी० लक्ष्मी नारायण, 5--6--10/4, पोचम्मागल्ली, निजामाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाब्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>8</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

घर नं० 5-6-510, शाहालेन, निजामाबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 148/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, निजामाबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० म्रार० ए० सी०/192/82-83—म्रातः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, जो कल्जूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कर्नूल में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रनिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जम्तरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, ख्रिपाने में संविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मनिवित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री एस० चन्द्रशेखरप्पा,8/163, बी-पेटा, कर्नृल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गंगा गौरी को-म्रापरेटिव हाउस विल्डिग सोसाइटी, टी० शेशन्ना पिता रमना, श्रजंता होटल, कर्नल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 155 से 157, विस्तीर्ण 4 एकड़, 50 सेण्ट्स, कल्लूर गांव, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 416/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कर्नूल ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 18-9-1982

# प्रक्ष धाई। टी। एन। एक।---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पुणे

पुणे-411004, दिनांक 23 सितम्बर 1982

निदेश सं० सी० ए० 5/एस० श्रार० हवेली <math>II/753/82-83-यत:, मुझे, शशिकांस कुलकर्णी, **अधिनियम, 19**61 **(196**1 का **43**) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बातार मृत्य 25.090/- र० से मधिक ग्रौर जिसकी सं० ग्रपार्टमेंट नं० 1 मनाली श्रपार्टमेंट 421/बी, सि० स० नं० 1071 है तथा जो गोखले रोड, शिवाजीनगर, पूना-16 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबंधक हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 22 जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार पुरुष से कम के दृश्यमान प्रति-कत के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का छनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत पधिक है प्रीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) जीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरम मे हुई किसी आय की बाबत खक्त अधिनियमः के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या किसी अन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया का या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अवः उत्त मिलियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त मिलियम की धारा 269-ध की उपन्नारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1.(1) के० विष्ठल राव, 10, विश्वामवाग मोसाइटी, सेनापित वापट रोड, पूने-16 ।
  - (2) श्रीमती टी० एव० पूनावाला, 931, बुधवार पेठ, पूना-2 ।

(भ्रन्तरक)

- 2.(1) एफ० एफ० फर्नीचर वाला,
  - (2) एन० एफ० फर्नीचर वाला,
  - (3) एस० एफ० फर्नीचर देंाला, 1 मनाली श्रपार्टमेंट, 421/बी, सि० सं० नं० 1071, गोखले रोड, शिवाजीनगर, पूना-16।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्वेवाहियां शुरु करता हूं।

उन्त सन्दर्भि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में सितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिबात में किए जा सकेंगे।

स्वश्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिचालित है, वही अर्च होगा, जो छस अब्याय में विया गया है।

# जन्सूची

श्रपार्टमेंट नं० 1, मनाली श्रपार्टमेंट प्लाट नं० 421-बी, सि० सं० नं० 1071, शिक्षाजीनगर, पूना-16। जिसका क्षेत्र 118.30 स्क्वेयर मीटर हैं। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 6925 जो 22-1-82 को दुय्यम निबंधक, हवेली-II, पूना के दफ्तर में लिखा है।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

दिनांक: 23-9-1982

त्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के घडीन सूचना

#### भ'रत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

पटना, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० III 580/श्रर्जन/82-83----श्रतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे,

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके तस्त्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 267 के अधीन सतम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका खबित बाजार मूख्य 25,000/- रु० में अधिक है

श्रौर जिसकी स० होल्डिंग सं० 208/476 (नया) 714/554, 715/554, ए०, 716/554 बी०), सर्किल सं० 13, मर्वे प्लाट है तथा जो सं० 610, सीट सं० 54, वार्ड सं० 5 (पुराना) कदमकुंग्रां, थाना कदमकुंग्रां, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटना मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-1-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जम्नरण ने हुई किसी जाय की बावत उक्त अधि-नियम, के मधीन कर देने के सम्परक के वाशित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आर पा किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर प्रिक्षित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः **उन**त विधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण मो, मों, उक्त अभिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रसुन कुमार समावार, वल्द श्री मुरेन्द्र नाथ समादार सा० कदमकुंग्रा, पो० कदमकुंग्रां, जिला पटना ।

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्स नीरज न्यूज पेपर्स एसोशिएनन प्रा० लि० द्वारा निदेशक श्री विश्वनाथ सर्राफ, निवासी : नोगछोया, पोस्ट एव थाना नोगछोया, जिला भागलपर ।

(अन्तरिती)

- (1) मौजूदा भवन के निचला मजिना के ब्राधा हिस्सा एवं परती जभीन अंतरिनी के कब्जे में है।
- (2) (1) निचला मिजिल के स्राधा हिस्सा बेसमेट मैसर्स राम नारायण बद्री दास क कब्जे मे हैं।
  - (2) भवन का पहला श्रौर दूसरा मजिल मैसर्म रामनारायण बद्री दास के द्वारा सब-टेनेन्ट—प्रजापिना ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय चरित्र निर्भाण संग्रहालय के श्रधीन है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त संपर्तित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख सं 45 दिन की वनिधंगा तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्नारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय कें दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन मय तीन मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 9 कटरा । धुर एवं 5 धुरकी है तथा जो कदमकुंग्रां थाना कदमकुंग्रां, जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्णत रूप से बिसका सं० 759 दिनांक 22-1-1982 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पटना द्वारा संपन्न हुन्ना है ।

> पबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, पटना, बिहार

दिनांक 16-9-1982

प्ररूप आई. टी, एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69-ध (1) के अभीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश मं० बल्लभगढ़/479/81-82--यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 7 पर बना मकान, सैक्टर 25 है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिंग्वत उद्वेष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सृष्टिया के लिये; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन भी अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशि व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) य० अस्तू सम राम किशन
288क-2886, याजार खिरकोशाला, दिल्ली-6
वर्जारिये सर्वश्री राम किशान गुन्ता पृत्र भरतु
मल गुन्ता, बृज मोहन गुन्ता, मन मोहन गुन्ता,
प्रमोद कुमार, प्रदीप कुमार पृतान श्री राम किशान
गुन्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारदा घई पत्नी बाई० के० घई, अजय घई पुत्र वाई० के० घई, विजय घई पुत्र वाई० के० घई, नि० म० न० 366-67, नेहरू ग्राऊंड, एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियां पर म्मना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

### जनसंची

सम्पति प्लाट नम्बर 7 पर बना मकान सैक्टर 25 फरोदाबाद में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 13910 दिनांक 28-1-1982 पर दिया है।

> आरं० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाभण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निद्देण सं० बहादुरगढ़/30/81-82—यत:, मुझे, स्नार० के० भयाना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 4 कनाल है तथा जो जाखौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बहादुर-गढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री सुरेन्द्र सिंह पुत्र ध्रोम प्रकाश पुत्र श्री करतार सिंह गांव व डा० जाखौदा

(अन्तरक)

(2) मैं वन्सल ग्रेन एण्ड सीड ट्रेडिंग कप्पनी प्रा० लिमिटेड, 11, शिव ठाकुर लेन, कलकसा । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जम्सू जी

सम्पत्ति भूमि 4 कनाल गांव जाखौदा में स्थित है जिसका प्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहाबुरनढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 2366 दिनांक 15-1-82 पर दिया है ।

> यार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

अत:, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण ने. के, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपपारा (1) के अधीन, निम्नितिखर व्यक्तियों, अर्थास् :---

नारीख : 17-9-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेज, रोहतक
रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० बहादुरगढ़/31/81-82---यसः, मुझे, आर० के० भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 26 कनाल ह तथा जो जाखाँचा मे स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बहादुर-गढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, िपनितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् '-- (1) सर्वश्री सुल्तान सिंह पुत्र गंगाराम पुत्र जय राम गांव व डा० जाखौदा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं बन्सल ग्रेन व सीड्स ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लिमिटेड, 11 शिष ठाकुर लेन, कलकत्ता, । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों 'पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>र</sup>।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 26 कनाल, गांव आखौदा में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुर-गढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 2367 विनांक 15-1-82 पर दिया है ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

सारी**ख** : 17-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदंश सं० बहादुरगढ़/32-81-82—यतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि 29 कनाल 13 मरले है तथा जो जाखौदा में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, बहादुरगढ़ में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित स्यक्तियो, अर्थात् :--

- (1) श्री सुल्तान सिंह पुक्त श्री गंगा राम पुत्र श्री अयराम, नि० गांव जाखौदा । (श्रन्तरक)
- (2) मैं० कानपुर गैली ट्रेडर्स, 51/56, शंकर पट्टी, सीताराम मार्केट, कानपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में कियो जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

सम्पत्ति 29 कनाल 13 मरले गांव जाखीदा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बहादुर-गढ़ में रजिस्ट्री संख्या 2368 दिनाक 15-1-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोहतक

नारीख: 17-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 17 मितम्बर 1982

निदेश स० गृडगावा/263/81-82--यत<sup>-</sup>, मुझे, ग्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा यया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि 120 कनाल है तथा तथा जो खुरमपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एंसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-चिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण स हुई किसी जाय को बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिये, और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री भारा राम पुत्र बासन्दा राम नि० मालवीय नगर, देहली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिव तेज सिह, मुरेन्द्र कुमार, मुरेश कुमार पुत्रान श्री बलवीर सिह, निवासी जवालाहेडी (देहली)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदीं का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### प्रमुखी

सम्पत्ति भूमि 120 कनाल खुरमपुर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावां में रजिस्ट्री सख्या 3745 दिनांक 11-1-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन<sub>ू</sub>रेज, रोहतक

नारीख : 17-9-1982

प्ररूप आई<sup>\*</sup>.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० गुड़गावां/262/81-82—-म्रत : मुक्षे, स्रार० के भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 340 कनाल 1 मरला है तथा जो खुरमपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गावां में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किशा ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थान कि (1) श्री भारा राम पुत्र वासन्दा राम मालबीय नगर नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विशान सिंह पुत्र पीरु मल, मुकेश, विनोद पुत्रान विशान सिंह, कमलेश विधवा रणधीर सिंह 403, हैंदर कुली, गांधी चौक, नई दिल्ली। श्री शिवताज सिंह, मुरेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार पुतान बलवीर सिंह, नि० जवाला हेडी (दिल्ली)। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, जा भी अवधि, जा मी अवधि, जा मी समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताए;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक कैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्था है।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 340 कनाल 1 मरला गांव खुरमपुर में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावां में, रजिस्ट्री संख्या 3744 दिनांक 11-1-82 पर विया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982 निर्देश सं० गुड़गावां /266/81-82---श्रतः मुझे, झार० के० भयाना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान-कम-फ्लैंट नं० 6 है तथा जी न्यू कालोनी, गुड़गावां में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, गुड़गावां में रिजस्ट्रीकरेण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982

कां प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बामत उक्त अभिनियम के अभीन कर वोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में मृविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुनरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, नर्भात्:--- (1) श्री गरेन्द्र देव कालझा पुत्र ठाकुर दास. 26 न्यू जिलोनी, गुड़गावा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी ग्राणा नन्द गेरा, दुक्षान-कम-फ्लैट नं० 6, न्यू कालोनी, गुड़गावां

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति बुकान कम फ्लैंट नं० 6, न्यू कालोनी गुड़गाबां, में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्री संख्या 3779 दिनांक 14-1-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारी**ख**ं 18-9-1982 मोहर अरूप प्राह°टी एन.एस - ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) हे अभीत स्चरा

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोह्तक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/92/81-82—स्रत : मुझे, श्रार० के० भयाना,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 2 बीघे है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजि-स्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रग्रीन तारीख जनवरी, 1982 ।

को पूर्वोक्स सम्मिक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्मलिखित सदृष्ट्रक्य में पान अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्मलिखित सदृष्ट्रक्य में पान अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक्कल में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पृथी पान सिंह पृत रघडीर सिंह श्रीमती श्रमित कौर पत्नी श्री पृथीपाल सिंह श्री सितन्दर पाल सिंह पुत्र पृथी पाल सिंह, नि० 159 एल० माइल टाउन, करनाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती अवतार कौर पत्नी दयाल सिंह, श्रीमती राजेन्द्र कौर पत्नी प्रीतम सिंह, श्रीमती बलजीत कौर पत्नी महेन्द्र सिंह, श्री प्रजीत सिंह पुत्र प्यारा सिंह, नि० 18-354 चार चमन, करनाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया-शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधीत्रशाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

सम्पति भूमि 2 बीघे करनाल में स्थित है जिसका प्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ला के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री-संख्या 5257 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

> ग्राग्य केव भयाना पक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकण श्रायुक्त (निराक्षण) श्रयीन रेंज, रोहतक

ना**रीख** : 17—9—82

प्ररूप भाद .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/93/81-82--- श्रन : मुझे, श्रार० के०

आयकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भागीन अक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- द • से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं० म० नं० \$ (50)/4, मुघला मोहल्ला है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनु-सुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला ग्रिध-कारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से पधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के निए तय पाया गया

प्रतिफल, निभनलिखिन उद्देश्य से उस्त भ्रन्तरण लिखिन

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अधि**-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्ध्या ---

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)

(1) श्री दयाला राम पुत्र काला राम श्रीमती कीशल्ला देवी पत्नी दयाल सिंह, म० नं० **ई**0/150/4, मधला मोहल्ला, करनाल ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भोजा राम पुत्र विशाखा राम म० नं एफ०/100, मीरा घाटी, करनाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों क्स न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

सम्पत्ति म० नं० ई०-150/4 भुगला मोहल्ला, करनाल में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 5215 दिनांक 27-1-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त निरीक्षण धर्जन रेंज, रोहतक

तारीख :18-9-1982

मोहर

7-306GI/82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आय्<del>यत</del> (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 6 सिनम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/103/81-82--श्रत : मुझे, ग्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० म० नं० 288, हाउसिंग बोर्ड कालोनी है तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1008 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी/ आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अ्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ज़िलोक नाथ कपूर पुत्र नायुराम नि० जीर्०टी० रोड करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रीराम श्राहजा पुत्र टाकुरदास म०नं० 288, एम० श्राई० जी, हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करनाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

सम्पति म० नं० 288, हाउसिंग बोर्ड कालोनी में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 4955 दिनांक 13-1-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रंज रोहतक

तारी**ख** : 6-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निर्देश सं० करनाल/104/81-82---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० भूमि 20 करनाल 19 मरले हैं तथा जो घरौड़ा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप्भारा (1) के अधीन निम्नलिसित न्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सतवन्त सिह पुत्र करतार सिह नि० घरौन्डा त० करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सोहनलाल पुत्र रूलिया राम श्रीमती लघा रानी पत्नी सोहनलाल श्री बूजलाल, बृजेश कुमार, सुभाष चन्द, राजेश, कुमार पुत्रान भानी प्रकाश नि० घरौंडा त० करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक इस किमी अन्य व्यक्ति इनारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिन्यमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 20 करनाल 19 मरले घरौड़ा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीसंख्या 4876 दिनांक 8-1-1982 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-1982

# प्रक्ष आहाँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्भाना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 3 बीघें 10 बिस्वे है तथा जो करनाल में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

(1) सर्वश्री राज सिंह, राजबीर सिंह, पुत्रान राम सिंह श्रीमती राज दुलारी पुत्री शाम सिंह पुत्र श्रमर सिंह नि० मोहल्ला जाटान, करनाल ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री चांद भूर्ति, किशोर लाल पुत्नान राम लाल शर्मा, श्री बलदेव राज पुत्न देश राज श्री श्रमर सिंह पुत्न पन्ना लाल पुत्न रामानन्द नि० शिव कालोनी, करनाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियो पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुस्ची

सम्पति भूमि 3 बीघे 10 बिस्बे करनाल में स्थित हैं जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, करनाल मे, रजिस्ट्री संख्या 4746 दिनांक 1-1-1982 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय<del>ुक्</del>त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 17-9-1982

प्ररूप आहाँ.टी.एन एस.-----

यायकर पत्रितियन, 196! (1961 का 43) नी भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज रोहनक

रोहनक, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निर्देश म० जगाधरी/83/81-82--श्रत मुझे, श्रार० के० भयाना

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इभके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

ग्रौर जिसकी म० भूमि 10 बीघा 10 बिस्बे है तथा जो मुण्डा माजरा में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रन्मूची में में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वी का सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से हम के दृष्यमान प्रति-फन है नियं अन्तरित की गई है भीर मूर्त यह विश्वाम करने गा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत सं प्राचिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर मन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐमें मन्तरण के लिये तथ याया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उनत सम्नरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की वाबम, **उन्स** अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के किए। भौर/या
- (ख) रेमो किसो आय गा कियो धन या प्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री फूल सिंह पुत्र विष्णा नि॰ मुण्डा माजरा । (ग्रन्तरक)
- (2) मैं जाला रामधारी मल ब्रात्माराम रादौर रोड, यमुना नगर त० जगाधरी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी छात्रीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघाहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगें।

हनक्डी हरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उकत भिक्षित नियम के धश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 10 बीघे 10 बिम्बे गांव मुण्डा माजरा मे स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्शा के कार्यालय जगाधरी मे, रजिस्ट्री संख्या 6046 दिनाक 12-1-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख 18-9-82 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.----ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की भारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मितम्बर 1982

निर्देश सं० जगाधरी/84/81-82--म्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

श्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 263-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पून्य 25,000/- कार्य में अधिक है। श्रीर जिसकी मं० भूमि 100 व०ग० है तथा जो यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्र ौरणं क्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम,).के 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान श्रीतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का उच्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं। क्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में की करने या उसके, बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किमी आय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री थशपाल पुत्र श्री सिया नन्द लाल नि० गोबिन्द पुरी त० जगाधरी ।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्री धर्म सिंह पुत्र लक्षमन सिंह, सेवक सिंह, धनवन्त सिंह पुत्रान धर्म सिंह मार्फत, न्यू जनता मिल्स, यमुनानगर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>के पृवांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रंबिघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रंबिध, जो भी ग्रंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सर्केंगे!

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रय होगा, जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति भूमि 1000 व० ग० यमुनानगर में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 6024 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-82

मोहर∵

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहनक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982 निर्देश सं० जगाधरी/97/81—82----ग्रत : मुझे,ग्रार० के०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/ रा. संअधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 1 करनाल 13/1/2 मरले हैं तथा जो जगाधरी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्यूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 198।

को पृशांकित संपरित के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त मिश्रियम, के मुधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मुक्ता सिंह पुत्र नसीब सिंह पुत्र माम राज नि० राजपूताना हनुमान गेंट, जगाधरी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ईन्दर लाल गम्भीर पुत्र बैणाखी राम नि० सरगोधा कालोनी गीता भवन के निकट, जगाधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 1 करनाल  $13\ 1/2$  मरले गांव जगाधरी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय. जगाधरी में, रिजस्ट्री संख्या 6391 विनांक 28-1-1982 पर दिया है ।

श्रार० कें० भयाना सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेज रोहतक

तारी**व** . 18-9-1982 मोहर: प्रकृत नाइ.टी.एन.एस.-----

# यायकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व(1) के स्वीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहामक आयक्तर आमृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा वया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं० भूमि 16 1/2 बिस्बे हैं तथा जो गोबिन्द-पुरा जगाधरी में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय जगाधरी में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिशत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उनत निधिनियम की धारा 269-ग के, जनुसरण में, में उनल जिधिनियम की धारा 269-ण की उपभाश (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, न्थातः--- (1) सर्व श्री नरेश कुमार, ग्रशोक कुमार दलीप कुमार पुवान नर सिह, नि० गोविन्द पुरा, त० जगाधरी

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 श्री मुरेन्द्र पाल पुत्र मनोहर लाल 236 एल० मांडल टाउन, यमुनानगर
  - 2. श्री बीरेन्द्र कुमार पुत्न बेद प्रकाश नि०-236 एल, माडल टाउन, यमुनानगर

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि  $16\ 1/2$  मरले गोबिन्दपुरा त० जगाधरी में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 6426 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

भार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी [सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण ्य्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-1982

प्ररूप बाइ⁴. टी. एन. एस.-- -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्ष्ण) भर्जन रेंज, रोहतक

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त प्राविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 25,000/-स्पर्य से प्रशिक्ष है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मल्लूवाड़ा जोहड़ के निकट, भिवानी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भिवानी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोशन मंगित का उनित्र बाजार मूला उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अति कल का पन्द्रह् अतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा अविकल, निम्नानिखन उद्देश्य में उन्त अन्तरण निखित में वास्त-विक क्ष से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई कियो भाग की बाबत जन प्रक्रिक नियम के भागीन कर देने के प्रशासक के बायस्य क कपी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौरांगा
- (ख) ऐसी किसे प्राप्त माहिती जन या अन्य पास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम, या अनकर घीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविजा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्ह अधिनियम के आरा 26% म की अपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अयिक्ति में, भ्रयीत्:— 8—306GI/82 (1) श्रीमती नीलम गुप्ता पत्नी नरेश गुप्ता स्ट्रीट चीरमारान, भिवानो,

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्री टोडर मल केजरीवाल रतन कुमार केजरीवाल पुत्रान चन्द्र लाल केजरीलाल नि० भिवानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्य वाहीयां करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमृस्ची

सम्पत्ति भकान, मल्लूवाड़ा जोहुड के निकट, भिवानी में स्थित हैं जिसका ऋबिक विश्वरण रजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, भिश्रानी में, रजिस्ट्रोकरण संख्या 2722 दिनांक 13-1-82 पर दिया है।

> भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-82

प्ररूप आइ'. टा एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26प-ध (1) के अधन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिन जिल्ला जीवत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 10 मरले है तथा जो भिवानी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

का पूर्णों क्त संपित्त के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का किम्निलिखत उदृश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

भ्रतः भवः उत्त प्राधिनियम, की घारा 269-व के मन् सरक में, भी, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री सत्यनारायण पुत्र रामेश्वरदास नि० भिवानी प्रहलाद राम, शाम सुरवर, राम चन्दर, श्रोराम, श्रीमती लक्ष्मीबाई, नर्वदा पुत्री बशोबर पुत्र हरी बक्स नि० भिवानी

(श्रन्तरक)

(2) श्री निरन्जन लाल पुत्र राम कुमार आदि नि० भिवानी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वाकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा हैं।

### वन्स्वी

सम्मत्ति भूमि 5 कनाल 10 मरले भिवानी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भिवानी में रजिस्ट्रीसंख्या 2839 दिनांक 25-1-82 पर विया है।

> म्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का **फारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बा**जार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 58 कनाल 8 मरले है तथा जो धारुहेडा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रेवाड़ी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) भ्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती 'अंत'रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल कि निम्मीलिक उद्धार्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविभा के लिये और/या
- (का) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जा जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः सद, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री दीना मंगत राम पुत्र कुन्दन दत्तक पुत्र राम दास निवासी घारहेडा ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह सेठी पुन श्री सोहन सिंह सेठी मकान नं० 16/9, कालका जी, देहली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के इर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरहाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त रुख्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-न में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पति भूमि 58 कनाल 8 मरले धारूहेडा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्त्ता के कार्यालय रेव ड़ी में रिजस्ट्री संख्या 2735 दिनांक 4-1-82 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रर्जन रेंज, रोहतक

सारी**ख**: 17-9-82

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० एस०सी०एफ० 95, है तथा जो न्यू राज गुरु मार्केट, हिसार में स्थित है (भौर इससे उपाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, तारीख जनवरी, 1982

कर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, तारीख जनवरी, 1982 को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी भरने या उससे अच्चने में सुविधा के खिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री रामगरण पुत्र नन्द लाल कमला नगर हिसार, क्लाथ मर्चेन्ट, गांधी मार्केट, हिसार,

(भन्तरक)

(2) श्रीह महेग मोहन पुत्र हरी चन्व निवासी सचदेवा भवन, निकट जहाजपुल हिसार (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृष्टित स्थानित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिंध-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

सम्पति दुकान नं एस०पी०एफ० 95, न्यू राज-गुरु मार्केट, हिसार में स्थित हैं जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रिजस्ट्रीकरण संख्या 4743 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षक, ग्रजैन, रेंज रोहतक

तारीख: 18-9-82

# प्रकप आई• टी• एव• एस०----

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० रोहतक/66/81-82--अतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अप को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3, क्षेत्र 364 व० ग० है तथा जो हरि नगर, रोहतक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त कथि-नियम के बंधीन कर दोने के बन्तरक के धायित्य में कमी- करने या उस्से बच्ने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूबिधा के निए;

कतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के मुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधृति :-- (1) श्री सुरेश घन्द्र पुत्र मानन्द स्वरूप पुत्र श्री विशन स्वरूप म० नं० 115 वार्ड नं० 5, पुरण मोहल्ला, रोहतक

(भन्तरक)

(2) श्री राम स्वरूप पुत्र कर्म चन्द श्रीमती राम दिसी पत्नी रामस्वरूप म०नं० 430, वार्ड नं० 2 तेजू कालोनी, रोहतक

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना आरी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीन।

स्यख्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 3, क्षेत्र० 364 व० ग० हरीनगर रोहतक में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीसंख्या 5288 दिनांक 12—1—82 पर दिया है ।

> मार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्वेश सं० देहली/147/81-82-अतः मुझं, ग्रार० के० भयाना,

बायकर ज्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० सी० 160, डी० एल० एफ० माडल टाउन है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देहली में र्राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1008 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थातः—

(1) श्री भ्रशोक कुमार कक्कट ई०-20, ग्रेटर केलाश इत्क्लेब-2, नई दिल्ली ।

(धन्तरक)

(2) श्री नारायण सिंह, सी०132, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली,

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्स में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० सी०-160, डी०एल०एफ० माडल टाउन, फरीदाबाद मे स्थित है जिसका घिषक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीसंख्या 67 दिनांक 15-1-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम ग्रिधकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक\*

तारीख: 16-9-1982

प्रस्थ बाइ. टो. एव. एह. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के अधीन सृचता

लामिलय, महायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निर्देश सं० बल्लभगढ़/450/81-82-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 70 क्षेत्र० 514-2 व० ग० है तथा जो मांडल टाउन, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या जमसे बचने में सुविधा के निए; बॉर/वा
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः जब, सकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म् की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः——

- (1) श्री प्रशान्त जैन पुत्र कें पी जैन एम श्राई० जी० पलैट नं 11-ए, स्ट्रीट, राजौरी गाईन, एक्स्टन, नई ल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री विलोक सिंह पुत्र जीत सिंह, नि०ई०-174, कालका जी, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्यवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थावतयों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हित-सद्य किसो अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 71, मांडल टाउन, फरीवाबाद के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीसंख्या 13661 दिनांक 8-1-1982 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 16-9-1982

श्रुक्त आहे. एक एक एस -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

धर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं॰ पानीपत/151/81-82-म्प्रतः मुझे, म्रार० के॰ भयानाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्रौद्योगिक क्षेत्र, पानीपत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, जनवरी, 1982

का प्यांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बें दास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः बज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिन्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री राम चन्दर पुत्र भोजाराम बाघला, नि॰ पानीपत

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वे श्री भ्रोमप्रकाश, वीर श्रजुंन, ध्रशोक कुमार, पुतान श्री प्यारे लाल नि० कंवाल त० जनसथ जिला मुजफ्फर नगर (उ० प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

सम्पत्ति मकान भौदाोगिक क्षेत्र, पानीपत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 6397 दिनांक 21-1-1982 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-9-1982

प्ररूप आहू<sup>4</sup>. टा. एन. एस.\_----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज रोहनक

रोहतक, दिनाक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/163/81—82—श्रत मुझे श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० दुकान है तथा जो सुखदेव नगर मार्केट पानीपत मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुइ "कसी जाय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; औड़/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9—306GI/82

(1) श्री नारायण सिंह पुत्र बोम्बे लाल नि॰ पानीपन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत काँर पत्नी कर्नेल शिव सिह, म० न० 1294 सैंक्टर 34—सी, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी धें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान, सुखदेव नगर मार्केट, पानीपत में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, पानीपत मे, रजिस्ट्रीसख्या 5747 दिनाक 1-1-1982 पर दिया है ।

> श्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रोह्नतक

नारीख 15-9-1982 मोहर: परूप आई .टो.एन.एस.-- ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज, रोहतक

रोहाक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० पानीपत/157/81-82 यतः, मुझे, भ्रा $\sigma$ ० के० भयाना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमो इसके पटचान 'उक्त अधिनियम' तहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं मकान हैं तथा जो पानीपत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमभूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उबस अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उमर्थ बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, शा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा को निए:

- .(।) श्रीगती भांती देशे पत्नी विद्याप्तर म० न० 562/ग्रार माइल टाऊन, पानीपत (श्रन्तरक)
  - (2) श्रीसती रिमलू ज्ञानी पत्नी श्री डी० पी० एस० ज्ञानी पुत्र एच० एस० ज्ञानी, नि० 1/2, सफदरजर डवलपमेट, एरिया नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह मुचना आरो करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की जबीं भें या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसुधी

ृसम्पत्ति मकान न० 562/ध्रार, माडलटाउन, पानीपत में स्थित है जिसका- ध्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, पानीपत, में, रजिस्ट्री संख्या 5870 दिनांक 6–1–82 पर दिया है।

न्नार० के० भयाना, मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहनक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की स्पधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्-

नारीख: 15-9-1982

प्ररूप आहूँ.टी.एन.एस.------

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज रोहनक

रोहतक, दिनाँक 15 सितम्बर 1982

निर्देश म० पानीपत/132/81-82--श्रतः मुझे श्रार० के० भयानाः

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धत्रा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विकास करने हा कारण है कि स्थाबर संग्रित, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000-कृष्में अधिक है

श्रीर जिसकी संव दुकात नंव एत्रव/89, माइत टाउन, असन्य रोड है तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रार पूर्ण तथ से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिध-1908 का 16) के ग्रीन तारोख फरवरी, 1982।

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एसं दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अलगण (अत्तरका) और उल्लोरनी (अन्तरित्या) के बीच एसे अलगण के लिए तप पार ग्या प्रलिफल, निम्नलिलित उद्वेदयों से उपन अन्तरण निकित मा बास्तियक हए में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसं किमा प्राय या किसा धन या अन्य प्राम्त्यों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1942 (1942 का 11) या उका अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रोमतो पार्वतो पुत्री काणोराम । पुत्र नेकी राम त० जि० पानीपत

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुबे सिह पुत्र भरत सिह, गांब हरिनगर निकट मडलौडा त० पानीपत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) तम स्वता के राजपत्र सं प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध, जा भी प्रविध बाद मंसमाप्त होनी तो, के भीतर (वॉका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस पूचना क राजात में प्रकारत का उत्तोद । 4.5 दिन के धीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हिन बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति प्रारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए का सके।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रपूकत राज्यों और पदों का, जो उक्त संधिनिया रा पश्यार १०-त न परिभाषित हैं, वहां भ्रयं होगा जो उस अञ्चाय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० एल०/89 श्रसन्धरीड पानीपत मे स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत, मे रिजस्ट्रीसंख्या 6946 दिनांक 9~2~1982 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 15~9-1982

# प्रकृष वाद<sup>क</sup>्ट<u>ी. ए</u>न् . एस .,-----

आयुक्द अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीनु सूचना

### सरस्य गुरुवा

# कार्यन्त्र त्रापक वारक र वायक (निर्धालक)

म्रर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निर्देश स० पानीपत/150/81-82---श्रतः मुझे श्रार० के० भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवाद जिल्हा विधिनियम कहा गया ही, की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह दिवस्तास करने का कारण है कि स्वावर सुम्पति, जिल्हा उपित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० भूमि 17 कनाल 12 मरले है तथा जो सिवाह में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपिति का उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एमे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा गया है---

- (क) अन्तरम से हुए किसी बाय की बावत, उनता बहिप्रियम के ब्योग कर बुने के मृत्तरक के दायित के कृती करने वा उन्ने बृत्त में स्विधा के किए॥ ब्रोड/वा
- (प)) एसी किसी शास था किसी धून या शास शासित्यों की किसी आयु भा किसी धून या शास शासित्यों की किसी आयु आयु-कुद्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकाड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था छिपाने में स्टिंगा के दिश्या

जतः जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) विभाग निम्मृति, विता व्यक्तियाँ विकासियाँ व्यक्तियाँ विकासियाँ वि

- (1) श्री हन्बन्त सिंह, बलबीर सिंह, लाल चन्द पुतान रिशी सिंह पुत्र टोंडर नि० मिवाह त० पानीपत (अन्तरक)
  - (2) सर्वे श्री अनिल दत्त, सुनिल दत्त पुन्नान रामजस दत्त पुन्न नानक चन्द मि० 25—एल, मॉडल टाउन पानीपत,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यकाहिया शरू करता हु।

# उनत् सम्पत्ति के मूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्य---

- (क) १६ स्वना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय वृशायाः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण. -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हैं।

# **अनुसूची**

सम्पत्ति 17 कनाल 12 मरले गाव सिवाह में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 6479 दिनाक 20-1-1982 पर दिया है।

श्रार० कं० भयाना, सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजेन रेज, रोहतक

तारी**ख** 18-9-1982 मोहर . प्ररूप भाषां. टी. एन्. एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीत सूचना

### भा<u>रत सरकार</u>

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/154/81-82—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० भूमि 42 कनाल 9 मरले है तथा जो सिकन्दरपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिप्तन, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक हम से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्षे दायस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; जार्याया
- (ख) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुकारण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उद्देशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री जिले सिंह पुत्र हरफूल पुत्र नगीना नि० भ्रासन खर्द त० पानीपत,

(अन्तरक)

(2) श्री इन्दर सिंह पुत्र बदवा सिंह 2/5 हिस्से, गुरदेव सिंह पुत्र इन्दर सिंह 3/5 हिस्से नि० गांव काबडी त० पानीपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाचित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया म्या है।

### नमूल्यी

सम्पत्ति भूमि 84 कनाल 19 मरले गांव सिकन्दरपुर में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण रिजस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय पानीपत में, रिजस्ट्रीसंख्या 6283 दिनांक 18-1-82 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

# प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहनक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० पानीपत/153/81-82--- स्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० भूमि 4 बीच 12 बिस्बे है तथा जो पानीपत में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री लाल चन्द, राम सिंह, नन्द किशोर, पानीपत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कस्तूरी लाल पुत्न हाकम सिंह पुत्र सुन्दर दास पृथ्वीराज, प्रेम नाथ पुत्र चेन राम पुत्र रालाराम नि० मेन बाजार पानीपत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना 'के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अधिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविश्व जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

ंसम्पत्ति 4 बीघे 12 विस्बे पानीपत में स्थित है जिसका भ्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्त्ता के कार्यालय, पानीपत मे, रजिस्ट्री-संख्या 6340 दिनांक 20~1~1982 पर दिया है ।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

प्ररूप आई टी एन एस -----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) को सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 16 सितम्बर 1982

निर्देण स० श्रम्बाला/65/81-82-श्रत मुझे, श्रार० के० भयाना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमें पेण्यात 'उक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० दुकान न० 6358 से 6361 तक है तथा जो नौहारिया बाजार श्रम्बाला शहर में रिथत है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिक्षित में नास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायत्व में कमी करने या उससे यचन में सूनिया के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनलर अधिनियम, या धनलर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिबंधा को लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात् -- (1) श्री प्रम चन्द नरेण चन्द पुतान श्रीद पदमा णारदा, दया कॉलिया पुत्री लक्ष्मी चन्द श्रणोक राज पुत्र हरिताल, भाग राती विश्वा श्री हरि लात नि० नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रातपाल भागंव पुत्र रल्ला राम दुकान न० 6358 से 6361, नौहारिया बाजार, श्रम्बाला शहर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारिख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावस व्यक्तियों मा में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सके में।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### असम्ब

मम्पत्ति दुकान न० 6358 में 6361 तक नौहारिया वाजार ग्रम्बाला में स्थित है जिसका ग्रविक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय, ग्रम्बाला में, रजिस्ट्रीमख्या 4980 दिनाक 5-1-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज रोहनक

तारी**ख** 16-9-1982 मोहर प्ररूप् आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सिसम्बर, 1982

निर्देश सं० भ्रम्बाला/83/81-82--- प्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है।

भीर जिसकी सं० भूमि 424 व० ग० है तथा जो पट्टी कलांला (श्रम्बाला) में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूचीं में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सर्व श्री राजेन्द्र पाल व मुरेन्द्र पाल पुतान फकीर चन्द म० न० 8423/5 ग्रम्बाला (श्रन्तरक)
- (2) मैं असंगत सम्बद्ध क्राच वर्जारिये श्री बाबू राम मेहता, संतयोग श्राश्रम, जगाधरी ठाकुरदास, देहरादून, राम नारायण, जगाधरी कुन्दल लाल पुत्र मुन्शीराम नदी मोहरूला, ग्रम्बाला । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्डींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

# अनुस<u>ुची</u>

सम्पत्ति 424 व० ग० (14 मरले) पट्टी कलालां में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्याला में, रजिस्ट्री मंख्या 5023 दिनांक 14-1-82 पर दिया है।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण स्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 18-9-1982

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेज, रोहतक

रोहनक दिनांक 15 सितम्बर 1982

भादेण संख्या: भ्रम्बाला/84/81~82—यतः मुझे, भ्रार० के० भ्रयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो बादणाही बाग, श्रम्बाला छावनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उिष्त बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिष्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निष्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----10 ~306 GI/82  श्री लाल चन्द पुत्र कुन्दन राम नि० गांव नांगल न० श्रम्बाला।

(म्रन्तरक)

 श्री कृष्ण देव शर्मा पुत्र बावू राम नि० नदी मौहल्ला, श्रम्बाला शहर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोल से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सग्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुत्रारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुसुची

सम्पत्ति कमान बादणाही बाग, श्रम्बाला छावनी में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण, रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में, रिजस्ट्री संख्या 5002 दिनांक 14-1-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 15-9-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 15 सितम्बर 1982

निर्देश सं० श्रम्बाला/85/81-82—यतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनीयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान-कम-मकान है तथा जो गांव नांगल मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुमूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रम्बाला में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

1. श्रीमती हरजीत बाला पुत्नी श्री राम लाल पुत्र श्री नानक चन्द नि० श्रम्भाला छावनी।

(ग्रन्तरक)

2 श्री धमरजीतसिंह पृत्र इन्दर सिंह ग्रम्वाला कैन्ट। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति दुकान-कम-मकान नांगल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री-संख्या 5475 दिनाक 29-1-81 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-9-1982 मोहर प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) नी बारा 269-व (1) के संधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निर्देश स० जगाधरी/86/81-82---- यत मुझे, ग्रार० के० भयाना

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चान 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत तम अधिकारों की अधिकान करने का कारण है कि स्थावर तम्पति, तत्तका उचित्र बातार मूल्य 25,000/- वपए मं अधिक है

श्रौर जिसकी म० ग० न० सी०- IV,—244/६० है तथा जो सिविल लाईन, जगाधरी में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिना बाजार मूल्य में कमके दूरयमान प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है और पुत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थाक्त सम्पत्ति का उचित आजार कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत में, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिगत से प्रधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसा याय का बाबन, उना आध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या,
- (ज) एमा किसा आए या किसा बन या प्रन्य प्रास्तियों का जिन्हें भारतार प्राय-कर प्रधितियम 1922 (1922 का 11) या उत्तन प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पर किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः बाब, उका प्रधिनियन की बारा 269ना के, प्रनुसरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. श्री सन्त राम कोहली पुत्र सोहन लाल नि० 244-सी०, सिविल लाईन्ज, जगाधरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पा कुमारो पत्नी जुगल किशोर पुत्र दिवान चन्द नि० 194-ए०, धर्मपुरा कालोनी, जगाधरी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो हर ह्योंका सम्पत्ति के धर्जन केलिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उत्तर पन्तरित के प्रार्वेत के पन्त्रस्थ में कोई भी जाजेप :--

- (क) इन सूचना के राजपत्र म प्रकागन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि पा तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद सं लमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) ६४ भूवता क राजात में पकाशन की तारीख में 45 दिन के मीतर उन्ते स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य अकित द्वारा प्रदाहस्ताक्षरी के ग्राय लिखित में किए जा सकेंगें।

स्राध्टोकरण :-- - इपने प्रयुक्त आश्वां और परा हा, जा इका अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, जेक्की अर्थ होता, जो उप अध्याय में दिया गया है।

### मनसर्ची

सम्पत्ति मकान नं० एम० सी० जे० IV-244/1, सिविल लाईन जगाधरी में स्थित है जिसका श्रिधक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीसख्या 6186 दिनांक 18-1-82 पर दिया है।

श्रार० कें भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख**: 15-9-1982

प्ररूप कार्च. टी. एन्. एस.---

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43)की घारा 289म (1) के अधीन सूचना!

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण्) मर्जन रेंज, रोहतक

रोष्ठतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० सिरसा/37/81-82—श्रृतः मुझे, श्रार० के० भयाना

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 249 ख के अधीन सुक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर ाम्पत्ति, जिमका उचित्र याजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 31-बी-I, बी ब्लाक है तथा जो नई मण्डी सिरसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ **ग्रनुसुची में ग्रौर** पूर्ण रूप .से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय, सिरमा में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी 1982 ्यस्पत्ति के उचित काशारमूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोधन सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्च ह प्रतिकात से अफिक है और मन्तरक (मन्तरको) भीर ग्रन्थिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया मया प्रति-फल निम्निभिचित उद्देश्य से उन्त अस्तरण सिवित में वास्तविक इस्प संकचित नहीं किया गया है!---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबन उक्त ग्राधि-नियम के प्रधीन कर देने से भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें ध्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाड़िए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपघारा (1) के अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अभीतुः---

- (1) सर्वश्री लेखराज पुत्र विशम्बर दास, श्रीमती स्राशा रानी पत्नी जगदीश चन्दर श्रीमती बिशन देवी पत्नी लधा राम नि० मिरसा। (श्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री धर्मपाल, श्रश्विनी कुमार श्रनमोल रत्न पुत्रान श्री चमन लाल नि० सिरसा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह युचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के प्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस पूजना के रायक संप्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की नामील से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भोतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी क्यांवत हारा;
  - (ख) इस सूबना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति म हितबद किसी प्रक्ष्य क्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरों के प्रम तिखित में किए जा सकाँगे।

स्वब्दोकरण ;---इसमें प्रयुक्त गस्दा प्रीर पदा का, जा उनत प्राधिनियम के प्रष्टाय 20-क में परिमाषित है, वही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

## भ्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 31-बी- $^{I}$ , नई मण्डी, सिरसा मे स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा मे रिजस्ट्री सं० 6875 निनांक 28-1-1982 पर दिया है।

न्नार० के० मयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

विनांक 1 6-9-1982 माहर. प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

**गायकर अधिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

निदेश सं० कैथल/20/81-83---श्रतः मुक्षे, श्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक ही

ग्रांर जिसकी सं० प्लाट मं० 29 व 30, नई मण्डी है तथा जो कैथल में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं।——

- (का) जन्तरण से हुद्धं किसीरूआय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धनकर काभिनियम, या धनकर काभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रधुनाथ पुझा जमना मल जि० कैथल ।

(अन्तरक)

(2) श्री उजागर सिंह पुन्न श्री मान सिंह नि० कैथल।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिल्ही व्यक्ति दावारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, ओ 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 29 एयम् 30 नई मण्डी, कैथल में स्थित है जिसका विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कैथल में रजिस्ट्री सं० 3265 दिनांक 6-1-1982 पर विया है ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 16-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन <sup>रेंज</sup>, रोहतक रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० कालका/37/81-82--श्रतः मुझे, श्रार० के. भयाना

आगकार सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इलामें इसके पश्थात 'उत्थत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी भूमि 42 कताल 4 मरले है तथा जो फतेहपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), र्राजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कालका में रिजस्ट्रीकरण प्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, जनवरी, 1982

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी गाम की बाबत उक्त जिथ-नियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के नियः; बीद/या
- (क) एमी किसी बाय दा किसी पर या जन्य अस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

मतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थाह् :--- (1) श्री जीर्तासह पुत्र श्री पूर्ण सिंह हरदयाल सिंह पुत्र मज्जन सिंह नि० फनेहपूर, त० कालका ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह सोधी पुत्र श्री बलवन्त सिंह सोधी नि० 195, सेक्टर-28, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुस्ची

सम्पत्ति भूमि 42 कनाल 4 भरले फतेहपुर में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालका में रिजिस्ट्री मं० 2108 दिनांक 25-1-1982 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक : 17-9-1982

मोहर

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रंज, रोतहक

रोहतक, ।दनांक 18 सितम्बर 1982

निर्वेश मं० थानेसर/13/81-82--श्रतः मुझे, त्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूभि 92 कनाल है तथा जो हींगा खेडी में स्थित है (धौर इससे उगावड ध्रतुसूची में धीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्रीकरण अविनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन, तारीख जनवरी 1982

की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदृत्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्भा के कि एस अन्तर्भ के लिए तय मधा प्रया प्रति-कल का पन्द्रसे के लिए तथ मधा प्रया प्रति-कल कि पन्दर्भ के लिए तथ मधा प्रया प्रति-कल कि पन्दर्भ के लिए तथ मधा प्रया प्रति-कल कर से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का', जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजन्तर्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 सर्वश्री चमन लाल, श्रमुतलाल पुतान राम लाल पुता बहाबुर चन्द नि० होंगा खेडी।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती वीरा बाई पत्नी हाकम राय पृष्ठ भनश्याम दास नि० शाहबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पति वो वार्जन को सम्बन्ध मो काहर भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विभाग में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- क्यां कर व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कि अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नग्त्वी

सम्पत्ति 92 कनल होंगा खेड़ी में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्रीसंख्या 2439 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीख: 18-9-1982

# प्रकृप बाइ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

**ग्रर्जन** रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं० थानेसर/15/81-82---धतः मुझे, ग्रार० के० भयानाः

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 172 कनाल 9 मरले हैं तथा जो हिंगा खेड़ी में स्थिति हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्विक्तं सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह िक्श्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्त-

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी नाम की बाबत उक्त निध-त्यम के अधीन कर दने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिये; नौर/वा
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का गी) या उक्त मांधनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री रतन लाल, चमन लाल, ग्रमृत लाल पुत्रान राम लाल, नि० हिंगा खेडी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जीवनदास पुत्न बहादुर चन्द पुत्न दिवान चन्द्र, हरीश चन्द पुत्न जीवन दास, नि० जालन्धर शहर। (मन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कारके पृवोंक्स संपति के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहित्यां कारता हुू।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पृष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 172 कनाल 9 मरले हींगा खेडी में स्थित है जिसका भ्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय थानेसर में, रजिस्ट्रीसंख्या 2441 दिनांक 11-1-1982 पर दिया है।

> भार०के०भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 18-9-1982

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर जिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० सोनीपत/109/81-82--शत. मुझे, स्नार० के० भयांना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकान नं० 223, मॉडल टाउन है तथा जो सोनी-पत में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नृसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मोनीपत मे, रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पृश्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिप्ल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के दिए तय पाया गया प्रति-फल; निम्निलियत उद्दोद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 11—306GI/82

- (1) श्री कृष्ण कुमार पुत्र गिरधाररीलाल, नि० मॉडल टाउन, सोनीपत बजरिये, श्री लोकनाथ पुत्र गिरधारी लाल, जि० सो पित (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रनिल कुमार बसिल पुत्र प्यारे लाल, नि॰ म॰ नं॰ 223, मॉडल टाउन, सोनीपत ।
- (2) श्रीमती बिमला वि० श्री प्यारे लाल, नि० कुम्हारेन गेट, सोनीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्यत्ति ह प्रजैन क सम्बन्ध में कोई भी घाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कतृ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपश्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुसूची

सम्पति मकान नं० 223, मॉडल टाउन, सोनीपत में स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत मे, रजिस्ट्री संख्या 4190 दिनाक 7-1-1982]। है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

दिनांक: 15-9-19882

मोहर .

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) त अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 5 मरले है तथा जो बड भालक में स्थित (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री गोकल पुत्र श्री चन्ना,नि० यड मालक त० सोनीपत

(मन्तरक)

(2) श्रीमती रेनु बाला सेठी परनी श्री राजीव सेठी नि॰ 7/19 ईस्ट पटेल नगर दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के जिए कार्यमाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगें।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है!

## यगुसूची

भूमि 9 कनाल 5 मरले बड मालक में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत में, रजिस्ट्रीसंख्या 4143 दिनांक 5-1-1982 पर दिया है ।

> भार० के० भाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थातुः--

विनोक : 18-9-832

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स॰ इमारत, दयाल सिंह कालेज रोड के निकट हैं तथा जो करनाल में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्गेश्त सम्मित के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृष्यमान प्रतिकल का पन्द्र प्रतिशत में अधिक है और प्रकारक (प्रन्तरको) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के त्रिए तथ याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —-

- (क) ग्रन्तरम से तुई कियो आय का बाबत, सक्त ग्राधि-मियम, के अधीन कर देने के अप्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किया आय या किसी धन या अन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर घ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन. निस्नलिखित व्यक्तियो धर्मात्:— (1) श्री सूरज प्रकाश कपूर पुत्र श्री जगनाथ कपूर, नि० माँडल टाउन, करनाल, प्रो० कपूर इन्जीनियरिंग वक्सं, दयाल सिंह कालेज, लिक रोड, करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा मान पत्नी तिजन्दर पाल, श्रीमती कमल मान पत्नी सुरेन्द्रमान, सर्वे श्री बरिजन्दर सिंह, रामबीर सिंह पुत्नान तैजिन्दर पाल मान, श्री हरिपन्दर सिंह पुत्र सुरेन्द्र मान, नि० माकान डी० एस० कालेज लिंक रोड, करनाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी भविष्ठ
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो
  में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीब से
  45 दिन के भीतर उकत क्यावर संपन्ति में
  हितबद किसी ग्रन्य क्यक्ति तरा य हिस्ताक्षरी
  के पास निश्चित में किए जा नवरी

स्पन्धीकरण 1-- इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पत्रीं का, को उक्स धिनियन के भ्रष्ट्याय 20-क में परिधाणित हैं, बही मधें होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति मकान डी० एस० कालेज लिंक रोड, करनाल पर स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल मे, रजिस्ट्री संख्या 4983 दिनाक 14-1-82 पर दिया है।

न्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक · 16-9-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस्. - - - - --

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 सितम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/105/81-82--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

ज़ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 156 कनाल 17 मरले है तथा जो बड़ा गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह अभरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) सर्व श्री खलदेव नागपाल, जयदेव, पुद्रान
  श्री ऊधा राम, श्रीमती राम प्यारी पत्नी कोटू राम
  नि० वेस्ट षटेल नगर, दिल्ली ।
  श्रीमती ईप्रवर देवी पत्नी कृष्ण चन्द्र,
  नि० शक्ति नगर, नई दिल्ली ।
  श्रीमती चन्दर वती पत्नी प्रभु दयाल, शक्र्रबस्ती,
  देहली द्वारा श्री विनोव कुमार नागपाल पुत्र बलदेव
  नागपाल ।
  नि० ई०-184, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली ।
  (श्रन्तरक)
- (2) मै॰ स्वास्तिक इण्डस्ट्रीज, बड़ागांव जिला—करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी वे पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ञ्नुसुखी

सम्पत्ति भूमि 156 कनाल 17 मरले गांव बड़ागांव में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 4875 विनांक 8-1-1982 पर विया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 15-9-1982

प्रकप आई० टो• एन• एस०--

प्रायकर कथिलियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के स्त्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 सितम्बर, 1982

निदेश मं० करनाल/107/81-82—ग्रतः मुझे, भ्रार० के० भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिंमकी स० मकान नं० 37, माडल टाउन है, तथा जो, करनाल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, करनाल मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहरमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती हरिवन्दर कौर पत्नी श्री हरिजन्दर सिंह सिन्धु भकान नं० ग्रार०-287, मार्डल टाउन, करनाल।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती कमला रानी पत्नी जर्नाधन लाल नि० म० नं० 60-ए०, कुंजपुरा रोड, करनाल । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्वन क संबंध में की है भी आक्षेप !---

- (क) इस पूजना क राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 बिन की धविब, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत में प्रकारत को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दितबद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्प ब्होकरण 1---इसमें प्रपुक्त जन्दों और पदों का जा 'खकन अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा, जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

## **अनुसू**ची

सम्पत्ति मकान नं० 37, माडल टाउन, करनाल में स्थित है, जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री सं० 4813 दिनांक 6-1-82 पर दिया है।

> ग्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 16-9-1982 मोहर प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.------

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० हिसार/150/81-82-श्रतः मुझे, आर० के० भयाना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 5 कनाल 16 मरले हैं तथा जो सातरोड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के मिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री बलवम्स राम पुत्र शाम सुन्दर मौ० पुशरियां गांधी चौक के निकट, हिसार ।

(मन्तरक)

(2) मै० शाम सुन्दर (हरियाणा) शण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, देहली रोष्ठ, हिसार।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी वाक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **यतसची**

सम्पत्ति भूमि 5 कनाल 16 भरले, सात रोड में स्थित है जिसका श्रिष्ठिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री-सं० 4960 विनांक 25-1-82 पर दिया है।

> ग्रार० के∙ भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक: 17-9-1982

## प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

**आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अथीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मित्त, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो धरोंडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1982

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिक्तंत्र से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिभत से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिक (बतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बस्तविक कप से स्थान नहीं किया गया है :--
  - (क) बन्तरण वे हुर्फ किसी बाय की शबत, उक्त विभिनियम के बभीन कर को के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, विद्याना
  - (स) एसी किसी आम या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मृत्यिधा के लिए;

नतः नथः, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के जनस्रण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित् व्यक्तियों, अधीतः—— (1) श्री गुरमुख सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह श्री गुरदयाल सिंह पुत्र श्री शिश सिंह नि० धरौँडा तहुसील करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रोम प्रकाश वेद प्रकाश पुत्र श्री हरी सिंह नि॰ धरौंडा, तहसील करनाल !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नगा हैं।

## धनुसूची

सम्पत्ति भूमि धरोंडा में स्थित है जिसका मधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय धरोंडा (करनाल) में रजिस्ट्री संख्या 4864 दिनांक 8-1-82 पर दिया है ।

> भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

विनोक: 18-9-1982

## अक्ष्य आई० टो० एन० एस०----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/110/81-82—श्रतः मुझे, **धार**०

के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका प्रवित होजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी, 1982 को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कि थिए नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किशी आय की बाबत, उक्त उपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सूबिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां. जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित स्युक्तियों, स्थृति:—

- (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री रमेश्वर दास, निवासी—अलीपुर, तहसील पानीयत । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जिले सिह, श्री मुलतान सिंह, श्री सुलतान सिंह पुत्न श्री नत्थू राम।
  श्री पूरत सिंह पुत्र श्री नत्थूराम,
  निवासी०—भोर, तहसील
  करनाल—श्री नरसिंह पुत्र चिलयाराम,
  निवासी—बुधनपुर, तह करनाल,
  गोत्रर्धनदास पुत्र बोध राज,
  निवासी—पुण्डरी तह० कैथल।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधिया तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्तिल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भगुसुची

सम्पत्ति भूमि प्लाट 6700 व ० ग ० करनाल में स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 4780 दिनांक 5-1-82 पर विया गया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्चायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

**दिनां**क : 18-9-82

परण प्रार्थ हरी एन गम ०० ----

251-कर अपि नयम 1061 (1961 का 43) की पारा 269-1 (1) के अधीन सत्तरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निदेश स० पानीपत/143-81-82--ग्रत मुझे, ग्रार० के० भयाना,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को प्रष्टु विश्वास करने का वारण है कि स्थादा सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25, (1907- रा. न्' र्ने कर दें

ग्रीर जिसकी स० प्लाट 506 व० ग० है तथा जो पानीपत में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रमुसूची में ग्रीर पूर्णम्प से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पदल प्रतिकास अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास का स्वयम का का लिए तय पाया गया प्रतिकास का स्वयम का का लिए तय पाया गया प्रतिकास का से का स्वयम का से का

- (क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, ज़क्त अधिनयम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा है लिए, और/मा

(1) श्री मन्तोष तुली पुत्र हरबन्स लाल पुत्र दरबाई लाल नि॰ 175—आर॰, माडल टाउन, पानीपत (ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शालीनी कथूरिया पत्नी मुरेश कथूरिया मकान न० 489 वर्ड न० 3, पानीपत श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्घन के लिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्विक्तवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर अविधि में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवत में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

सम्पत्ति भूमि 506 व० ग० पानीपृत में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिज्स्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत मे रिजस्ट्री सद्या 6539 दिनाक 29-1-82 पिर दिया है ।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महाायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाक 18−9<mark>~8</mark>2 मोहरः प्र⊤प आईं. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ने (1) के अधीन सूचना

मारम गर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/67/81~82—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० हाउम नं० 299 बार्ड नं० 29 है तथा जो रोहतक में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजि-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पृथांकत संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्न के लिए जन्तरित की गृह है और मृत्ये यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई िकसी आप की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कामी अपने या उससे बाउँ मा सविधः के लिए, और/या
- (स) एटेनी किन्सी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1992 वा ११) या उक्त व्यधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वह प्रधानमध्ये अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एक या धारियार सामा चारियार भा किया है निया,

अत १४, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुगरण मों, भी, उत्मा अधिनियम की धारा २६९-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिणित त्यक्तियों, पर्थाल --- (1) श्री गोविन्द लाल जूनेजा पुत श्री विलोक चन्द जूनेजा मेक्टर 9 हाउस नं० 33 श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रम्वानी कुमार भाटिया पुत श्री देशराज भाटिया हा० नं० 299, वार्ड नं० 29 शिवाजी कालोनी, रोहतक ।

(अन्तरिती)

को य**ह** सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्मस्सि के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर गचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, श्रो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों कर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थल्बिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 299 वार्ड 29, शिवाजी कालोनी, रोहतक, में स्थित है, जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ना के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 5347 दिनांक 18–1–82 पर दिया गया है ।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18<del>-</del>9-82

मोहर

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/64/81-82--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयानाः

नापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसने पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकार। का, यह निष्णास करने का कारण है कि स्थानस सपिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 766 वार्ड 18 है तथा जो रोहतक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक कुनवरी 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण खेहुई किसी आय की बाबत, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए,

अंतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) अधीम, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री कमला देवी जैन पत्नी सन्तोष कुमारी जैन पुष्पलता जैन, राजेन्द्र कुमार जैन जितेन्द्र कुमार जैन पुत्न सुलतान सिह पुत्न श्री दुर्गा प्रसाद नि० सुलतानपुर भवन रोहतक

(बन्तरक)

(2) श्री कृष्ण गोपाल विशिष्ट पुत्न श्री जगन गोपाल विशिष्ट पीरजी मोहल्ला रोहतक ।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्स सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहात वारों के पास लिस्तिन में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः --- इसम प्रयुक्त शब्दो अरंग पदा का, जो उच्छत अधिनयम, के अध्याय 20 क मा यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस आयाय मा दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 766 वार्ड न० 18 रोहतक मे स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक मे रजिस्ट्री सं० 5285 दिनाक 12-1-82 पर विया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

भोहर:

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/59/81-82-श्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं॰ दुकान, सीरी मार्किट है, तथा जो रोहतक में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (अन्तरित्या) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाभत उक्त अधि नियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिभा के लिये, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः-- (1) श्री चन्दूराम पुत्र श्री लद्धाराम नि० सोरी मार्किट, रोहतक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल कृष्ण पुत्र श्री हरीचन्द सोप नं० 58 सोरी मार्किट रोहतक ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन को अविधि या उत्पाम्बन्गी व्यक्तिया पर सूचना
  की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तादारी के नास लिखा भें किल जा सकेग।

स्पष्टोकरण:—-इसमे प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्यार 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 58 सोरी मार्किट रोहतक में स्थित है, जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 5187 दिनांक 7-1-82 पर दिया है।

> श्चार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

प्ररूपः, बार्दः, टीः, एनुः, एसः -----

जायकर जिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं० रोहतक/62/81-82--ग्रतः मुझे, ग्राप्र० के० भयानाः

आयफर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, 'जसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रह. स अधिक ही

और जिसकी सं० दुकान का हाफ पोर्सन दुकान न० बी० वी० आई 877 है तथा जो किला रोड रोहतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जनवरी, 1982 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास स आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिनियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ताराचन्द पुत्र श्री धार्यराम नि० म० नं० बी०--।। /1347 मलारा मोहल्ला रोहतक ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमित राम देवी पत्नी विश्नूराम कथूरिया नि० भगवान कालोनी, रोहतक ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोश से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी ज्याकित्य पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र की तकाका की तारोच प 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिशबद्य अन्य व्यक्ति द्यारा, अधाहरताक्षरी के पास लिक्ति मी किए जा सकेंगे।

स्माध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा जा, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क भे परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूस्ची

सम्पत्ति दुकान नं० बी० बी० श्राई० 877 किला रोड रोहतक में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में राजस्ट्री संख्या 5437 दिनांक 22-1-82 पर दिया है ।

> श्रार० के० भयाना सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

मोहरू 🥫

# प्ररूप भाइ.. टी. एन. एस. ------

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-भ (1) के निधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० रोहतक/99/81-82-अतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

नामकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान नं० बी० पी० ग्राई० 887/हाफ पोर्सन है तथा जो किला रोड, रोहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च, 82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्हयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्यक्ष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गुया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबतु, उक्त अधिनियमुक अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलितित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तारा चन्द पुल श्री श्राया राम नि० म० नं० बी०→॥/1347/सलारा मोहल्ला रोहतक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित राम देवी पत्नी श्री विश्नू राम कथूरिया नि० भगवान कालोनी रोहतक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षप ह--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 बिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकोंये

स्पन्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० बी० वी० ग्राई०/887 किला रोड, रोहतक में स्थित हैं जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 6239 दिनांक 17–3–82 पर दिया है।

> ग्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 18-9-82

# प्ररूप भाई • डी : एन : एत :---

श्रायकर धोक्षेत्रियः, 36((194) १ (3) की भ्रादा 25 अल्ब (1) र अधीत सन्तर

कार्यालय, सहासक आयकर जासूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 16 जनवरी, 1982

निदेश स० जगाधरी/85/81-82—श्रत मुझे, श्रार० के० भयाना

वायकर विविनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परकात् 'जकत अविनित्तम' कहा गय है) की धारा 269-क के धारीन सकाम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का करण है कि स्थादर सम्बन्ति, विस्तका चिकत बाजार मूक्य 25,000∤- कार्य ने विविक्त है

श्रौर जिसकी स० दुकान है तथा जो विश्वकर्मा मोहल्ला, यमुना नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित का जार मूल्य से कम के पूर्व्यकान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे प्रश्न विकास करने का कारण हो कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति द्वा उचित वाजार पूल्य, उक्के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल का पर्यः प्रतिशत प्रक्षिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उस प्राया गया प्रतिकल निम्निचित्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक का सा के किया गया है !—

- (क) अक्तरण से हुई कियी श्राय की बाबत उक्त पौद्रित्यम के श्रद्धीन हर र के श्रस्तक के राधिस्थ मुक्तो करने गाउसय बक्को में सुविधा के क्रिए: सार्थमा
- (ख) एता .केसो जान या जिए। धन या प्रस्य आधितयों को जिन्हे भारतीय आयकर शिवित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर धिंत्रनियम, 1957 (1957 का 27) ो स्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के जनुसन्ग में, में, उन्त बोर्डितयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निरिण र क्यनितमी अर्थीत !-- (1) श्री पूरन चन्द पुत्र श्री चुन्नी लाल नि० यम्ना नगर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती विर्मारानी पत्नी श्री चुन्नी लाल दुकान स्थित विश्वकर्मा मोहल्ला यमुनानगर ।

(भ्रन्तरिती)

क्ती यह सुमता अपने सरक पर्योक समानि के प्रार्थन के निए कार्यवाहिए शुरू के नाहा।

तकत सम्प्रित हआ होना के सम्बन्ध में कोई भी आक्राप :----

- (क) इस भूबना के राजपंत्र में प्रकाणन को दारोख के 45 दित की भविष्ठ या तस्मक्वन्धी व्यक्तियाँ पर पूजना की तामील से 30 दिन की प्रवित्त कर पूर्व अविष्ठ काद में समाप्त होनी हो, के सीतार वर्षकरा क्यांक्त्यों में किती वर्षकर कर्षकर ,
- (ख) इस मूलना के राज्यत म प्रकानन की नार्थक य 45 दिन के भीतर उक्त रथाजर मञ्ज्यति ए हिन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारः प्रवाहश्ताकरो पाम लिखित में किए जा पकेंगे

स्पष्टीकरण :---इत्तर प्रयूक्त गण्दा और ार्या सह ना का कि अध्याय 20-क में परिधाणित है, बही धर्य त्या जो जय जाराज स दिशा गण है।

## अमुसूची

सम्पत्ति दुकान विश्वकर्मा मोहल्ला, यमुना नगर मे स्थित है । जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी मे रजिस्ट्री सख्या 5921 दिनाक 6-1-82 पर दिया है ।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

दिनाक 16-1-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर **धविनियम, 1961 (1961** का 43) की भ्रारा ७७9-घ (1) के प्रधीन स्**चना** 

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/178/81-82—ग्रतः मुझे, ग्रार० के०

भयाना, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके ण्डचात 'उबन प्रधिनियम' कन्। गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम । धिकारी को, यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- रुपत्रे से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि 10 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी जि॰ गुडगांव मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982 को पूर्वोत्तन सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से ग्रधिक है ग्रोर -अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण दे नि तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य । उत्रन अन्नरण निवित मे वास्नविक रूप से कविन नहीं किया गया है।---

- (क) उत्तर से हा कियी आय की नावा उक्त अधि-निया दे अधीन कर देने के अन्तरक के दायित की परंत्र प्राप्तयम बचने में श्रविधा के
- (ख) प्रोक्तिमा साथ या जिल्ली धन या अन्य सास्तियों को, जिल्ले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 है. 1) या उक्त प्रिश्चित्तियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्योजना कित्तिर्ति असा पकट नहीं किया गय ज्या किया किना चाला या जिनाने में

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री श्रीचन्द पुत्र श्री लायक राम गाव सिकन्दरपुर घोसी गुडगाव।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं विल्लो लैंड एण्ड फाइनैन्स तिमिटेड 21-22 नरेन्द्र पैलेस, पार्लियामेट स्ट्रीट नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) उस स्वता के राजपन के कालाका कि सरीख से 45 दिन की अवधि या नत्संबंधी व्यक्तिया के सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किये व्यक्ति सारा;
- (ख) ा सुबना च राजात्र में प्रकागन की नारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पत्स विखित ये किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -- उनमें प्रकृत शब्दा भी तिदों का, जो उकत अधि नियम के श्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रभी को उराहणा ने दिशाणणा है

# अनुसूची

भूमि 10 बिस्वा गांव सिकन्दरपुर घोसी मे स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 52 दिनाक 8-1-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

दिनांक 18-9-82 मोहर: प्रकप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर **श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43)** की धारा 269-**ष** (1) के श्रिवीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्न प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उनित बातार मूह्य 25,000/- कु से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भूमि 3 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है योग पुत्रे यह विश्वतम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत, खक्त पश्चित्रम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक क ाायत्व में कमी करते वा उससे बचने में सुविक्षा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या प्रन्य का स्थाप की स्थाप की की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उधन अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्धातः — 13—306G1/82 (1) भा भीतः पुरश्ची तायकः । भा भाव गिकन्दरपुर धार्मा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० दिल्ली लैंड एण्ड फाइनेंस लिमिटेंड 21-22 नरेन्द्र पैलेस पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त पमाति के प्रजेन के जिल्कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजैन के तम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इप पुचना के राजरव में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की प्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जी भी प्रविध बाद में समाप्त नेनी हो, ये भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में ये कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस त्वता के राजाब में प्रकाणत की वारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी वन्य व्यक्ति द्वारा सन्त्रोत्स्ताक्षरी के पास सिख्यित में किए जा सहेंगे।

स्पन्तीकरण:--इनमें प्रयुक्त गब्दों और नहीं का, जो उसत अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है वही प्रयोहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

भूमि 3 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है। जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 53 दिनांक 8-1-82 पर दिया गया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनाक . 18-9-82

# प्ररूप आई० टी० एन● एस●--

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रश्लोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज, रोहतक गेहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/180/81-82--म्रत: मुझे, म्रार० के० भयाना,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की घारा 269 ख के अधीन समाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्दरपुर धोसी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार सूक्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के जिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार सूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डाह प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखित प्रदेश से उन्तरण निश्चित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गांध है ।~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने गर एसने बचने में सुविधा के लिए; ध्यौर/या
- (ब) ऐसी किया आर या किसी घन या जन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा. छिपाने में मुविधा के विए;

प्रतः अव, अन्त अभिनयम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत। निक्तिसिया व्यक्तियों स्रथीत् :-- (1) श्री श्रीचन्द पुत्र एवं श्रीमती विद्या देवी पुत्री श्री लायक राम गांव—सिकन्दरपुर घोसी ।

(श्रन्तरक)

(2) मैं० डी० एल० एफ० लिमिटेड 21-22 नरेन्द्रा पैलेस, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके गुर्वोक्त सम्पति के सर्वेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

**छ**क्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई मो आक्षेरः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनांकी अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य ध्यक्ति द्वारा, प्रजीहरताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो अनत अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं समें होगा, को उस सम्वाय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 6 बिस्या सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है, जिसका श्रिष्ठिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं० 54 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, रोहलक

दिनांक: 18-9-82

प्रकप आई॰ टी॰ एत० एप०-

आय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

निवेश स० दिल्ली/181/81-82---- प्रतः मुझे, प्रार० के० भयाना,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् ग्रें क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० विश्वसिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्वरपुर घोसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पष्ट्रह प्रतिशत प्रधिष्ठ है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण संहुई किसा आय की बाबत उक्त आंध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) त उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः अन, उनत प्रश्चितियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत प्रश्चितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ज्भीन, जिस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री उदे सिंह पुत श्री लायक राम गांव व डाक० सिकन्दरपुर घोसी (गुड़गांव)

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ० विल्ली लैंड एण्ड फाइनैंस लिमिटेड 21-22 नरेन्द्रा पैलेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिस्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के / पास लिखित में किए जा मकोंगे।

हपडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्तत ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उत श्रष्टयाय में विया गया है।

## वनुसूची

भूमि 6 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है, जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 55 दिनांक 8-1-82 पर विया है।

> श्चार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

विनांक : 18-9-82

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम,** '1961 (1961 कर 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश मं० दिल्ली/18 2/81-82---श्रतः मुझे, आर० के० भयाना,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 1/12 हिस्सा, 5 बीघा 17 बिम्वा है तथा जो सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के जनूसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन िम्मालिकित व्यक्तियो, अभीत् .-- (1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री कुन्दन लाल गांव सिकन्दरपुर घोसी (गुड़गांव)

(श्रन्तरक)

(2) मैं० डी० एल० एफ० हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि० 21-22 एन० पी० पालियामेंट स्ट्रोट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

## अनुसुची

भूमि 1/12 हिस्सा 5 बीधा 17 बिस्वा सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री संख्या 69 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

श्रार० कें० भयाना नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, रोहतक

दिनांक . 18-9-82 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश स० दिल्ली/183/81-82-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीषा 13 विस्ता है तथा जो चकरपुर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :~-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित त्यिकतमों, अधित् :--- (1) श्रीमती इन्दु मेहसा पत्नि श्री ब्रिज मेहता 52, श्रानन्द लोक, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० डी॰ एन॰ एफ॰ हार्जासग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि॰ 21--22, एन॰ पी॰ पार्लियामेंट स्ट्रीट नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिमी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवृधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### अनसची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा 13 विस्वा चकरपुर में स्थित है, जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं० 100 दिनाक 20-1-82 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहप्तक

दिनांक 18-9-82 मोहर: प्रक्य बार्च, टी. एम्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) भूजेन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/184/81-82--श्रतः मृक्षे, श्रार० के०

भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 विस्वा है, तथा जो चकरपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उक्त जिथ-नियम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; बौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के, बिए;

(1) श्री ब्रिज मेहता पुत्र श्री के० के० मेहता 52, ग्रानन्द लोक, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० डी० एल० एफ० हाउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि० 21-22, नरेन्द्रा पैलेस नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शर्ब्यों और पदों का, जो उक्त, अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में वियर गया है।

## शन्स्वी

भूमि 1/36 हिस्सा 9 नीचा 13 विस्सवा चकरपुर में स्थित है, जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री सं० 101 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निलिसित व्यक्तिमों, अर्थात्:—

दिनांक: 18-9-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांभ 18 सितम्बर, 1982

निदेश सं० दिल्ली/185/81-82-म्प्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्वा है तथा जो वकरपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित, में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री महेश चन्द गुप्ता पुत श्री राम सरन दाम गुप्ता ई०-464, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० डी॰ एल॰ एफ॰ हार्जासग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि॰ 21-22, नरेन्द्रा पलेस, पालियामेंट स्ट्रीट नई विस्सी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त , अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीधा, 13 बिस्वा चकरपुर में स्थित है, जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 102 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

> श्रार० के०भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहसक

**दिनां**क : 18--9--82

प्रस्प आहु<sup>2</sup>, टी. एन. एस.-- 🕝

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

नियो मं दि./186/81-82--अतः म्फं आर. के. भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक हैं। आरे जिसकी सं. भिम 1/36 हिस्सा 9 बीघा 12 बिस्वा है।

आर जिसका स. भाम 1/36 हिस्सा 9 बीघा 12 बिस्वा ह तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूफ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्र्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरित निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (I) भी गुनौल कामार पुत्र था महाग काब्र इ-464 ग्रंटर केलाश, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउजिसंग एण्ड कन्लड्रकशन लि. 21-22 नरोद्धा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नर्ह दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयाक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 बिस्या चकरपुर में स्थित ही जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्री संख्या 103 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, राष्ट्रतक

ता्रील : 18-9-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

िनम्रोश सं. वि./187/81-82---अतः मुक्ते आर. के. त्याना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको ऋण भूमि 9 बीघा 13 बिस्या का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी, 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल से, एसे उदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् .——
14—306GI/82

- (1) श्री अधाक कामार गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोइन्का, लक्ष्मी भवन मृचेर, बिहार (अन्तरक)
- (2) में. डी. एस एफ हाउनिसंग एण्ड कन्सट्रकशन लि 21-22 नरोन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नर्झ दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्ता का 5/144 भाग चकरपुर में स्थित हुं। जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रजिस्ट्री संख्या 104 विनांक 20-1-82 पर विया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीब : 18-9-82

प्ररूपं आर्थं .टी . एन .एस .- -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्दोश सं. वि./188/81-82—अत. मुफे, आर. के. भयाना आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 विस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी, 82

का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 82 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरक (कंतरका के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हर्ष किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री संशोक कुमार गोइन्का पुत्र श्री केदार नाभ गोइन्का, लक्षमी भवन, मृन्घर, बिहार (अन्तरक)
- (2) मै. डी. एल. एफ हाउजिसग एण्ड कल्सट्रकशन लि. 21-22 नरनेद्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 105 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारी**ल** : 18-9-82

मोहर: .

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

निवंश सं दि / 189/81-82-- अतः मुभे आर. के. भयाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-

🗷 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनू-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीस जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्ये से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिसित उदद्वेषय से उन्नन सन्तरण सिक्कित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुंद्दिकसी **बाय की बाबत उक्त बाधि**-नियम् के अभीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; भौर/या
- (स) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत: अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उस्त मिनियम की धारा 259-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्री अशोक कुमार गोइन्का पूत्र भी देशर नाथ गोइन्का, लक्षमी भवन मन्धेर, बिहार (अन्तरक)
- (2) मै. डी. एल. एफ हाउनिसंग एण्ड कन्सद्रकशन सि. 21-22 नरेन्ग्रापलेस, पार्लियामेन्ट स्टीट, नई दिल्ली (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीच से 45 प्रिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्वांबत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कै पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में इरिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग चक्र रपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के कार्यालय दिल्ली में राजिस्ट्री संख्या 106 दिनांक 20-1-82 पर दिया ह, }

> आर. के. भयाना सक्षम प्रौधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

प्रकप माई० टी• एन• एस०----

बायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की प्रारा 269-म (1) के बंधीन सुबता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्दोश सं. वि./190/81-82--अतः मुक्ते आर. के. भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन मक्तम प्राविकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से प्रक्षिक है

और जिसकी संस्था भूमि 9 बीचा 13 बिस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1982

(1908 का 16) क अधीन, तारील जनवरी, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके कृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है धौर पश्चरक (ध्रम्तरकों) और ग्रन्तरित (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्द ग्रन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कवित नहीं किया गया है ।——

- (क) प्रस्तरण से तृष्ट सिसी आय की बाबत उक्त बाधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के जिए।

जतः जव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निक्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ओ. एन. गोइन्का पुत्र श्री केंदार नाथ गोइन्का 27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मैं. डी.एल.एफ. हाउउसिंग एण्ड कन्स्ट्रक्शन लि. 21-22, नरेन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नर्द विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से बिसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश ग 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि 9वीषा 13 जिस्वा का 5/144 भाग चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री संख्या 108 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के.भयाना सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 18-8-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदेश सं. दि./191/81-82---अतः मुक्ते, बार. के. भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से बिधक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीषा 13 बिस्या का 5/144 भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात्:--- (1) श्री ओ. एन. गोधन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोधन्का 27 राजा संतोष राध, कलकत्ता-27

(अन्तरक)

(2) मै. डी.एल.एफ. हाउजिसंग एण्ड कन्स्ट्रवशन लि. 21-22, नरन्त्रा प्लेस, पार्लिगमेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अवर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि 9 नीषा 13 निस्ता का 5/144 भाग चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक निवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री संस्था 109 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के.भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 18-9-82

मोहर 🤃

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निक्श सं. कि./192/81-82—अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 बीधा 13 विस्वा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय दिल्ली में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रुथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुथमान प्रतिफल से, एसे ब्रुथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्री ओ. एन. गोइस्का पूत्र भी केंदार नाथ गोइस्का 27 यजा सन्तोष रोड, कलकत्ता 27 । (अन्तरक)
- मैं डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्थन लि. 21-22 नरेन्द्र पलेस, पार्लियामैन्ट स्ट्रीट, नइं दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली रजिस्ट्री संख्या 109 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

दिनांक : 18-9-1982

प्रकप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यानय सहायक आयकर कायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्येश सं. दि./193/81-82—अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'). की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

25,000/-रा. से अधिक हैं
और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिरवा का 5/144 भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जनवरी 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अशोक कुमार गोइन्का पुत्र श्री केदार नाभ गोइन्का नक्षमी भवन मोन्धयर विहार।

(म्रन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सद्रक्शन लि. 21-22 नरोन्द्रा पलेस पार्धियामेन्ट स्ट्रीट नर्दे विल्ली। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

### अमुसुची

भृमि 9 बीघा 13 बिस्था का 5/144 भाग गांव चकरपुर में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विक्ली में रिजस्ट्री संख्या 111 दिनांक 20-1-82 पर विया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोंज, रोहतक

**दि**नांक: 18-9-1982

प्रारूप बाइं.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

,भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

निक्षा सं. a/194/81-82-- अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 विस्या का 5/144 भाग तथा जो चकरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपर्तित का उचित् बाजार मृल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाचा गया प्रतिफल, निम्नसितित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिचत स्पक्तियों, स्थिति । (1) श्री प्रमर नाथ गोइन्का पूत्र केवार नाथ गोइन्का 30., पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मी. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि. 21-22 नरोन्द्र पलेस पार्लियामेन्द स्ट्रीट नर्ह दिल्ली। (स्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**सूची

भूमि 9 बीघा 13 विस्ता का 5/144 भाग गांव चकरपूर में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रीजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विस्ती में रिजस्ट्री संख्या 112 दिनांक 20-1-82 में किया है।

भार के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

विनांक : 18-9-1982

प्ररूप आहु". टी. एन. एस.- -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मृष्टना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, गेहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवंश स दि/195/81-82--अतः मुक्ते, आर. दोः भयाना, श्रायकर अधितित्म 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार उक्त प्रशायम हो एया है), की धारा 269-व्य हे स्विति न स्म पात्रिकारा का उन्ने विकास करने का कारण है कि सबर प्रमहित, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी स भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप गें विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीब जनवरी 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल वा प्रंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्वित्ता) में विच एक मानरण के लिए तथा पाया गया प्रति करने, निम्हार्वी विद्यास से उन्यानरण विकास मा बास्तवित्र रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुईं िकसी आय की बाबत, उकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

न निर्मा उप न निर्माणन या अन्य आस्तियों को निर्मेश मार्गान निर्माणन के निर्मेश 192 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या जिया के निर्माण के निर्मा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित क्यिन्यों, अधीत :---15---306 GI/82

- (1) श्री प्रेमर नाथ गोइन्का पुत्र केबार नाथ गोइन्का 30, पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार, नर्झ दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) मैं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्र**क्श**न लि. 21-22 नरोन्द्र पलेस पार्णियामेन्ट स्ट्रीट नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्थ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 भाग गांव चकरपूर में स्थित हैं। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री संख्या 113 दिनाक 20-1-82 में किया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनाक 18-9-1982

मोहर: 🤚

प्ररूप आर्ड्: ट्वी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

गहतक, दिनांक 18 मितम्बर 1982

निदेश सं. दि/196/81-82--अत. मुभ्हे, आर. के. **अ**गयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (**जि**से इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल की अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मल्य 25,000/-₹. से अधिक है और जिसकी सं. भृमि 9 बीधा 13 बिस्वा का 5/144 भाग तथा जो चकरप्र में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीन अनवरी 1982 को पर्वाकित संपत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम के उदयभान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वक्ति सम्पृत्ति का उचित बाबार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह

प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरिनियों) के दीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया

प्रतिफल, निम्नीलिसिस उद्देश्यों में उस्त अन्तरण लिसित में

वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी अपने या उसक्त बनने मो स्विधा के लिए; और/का
- (ख) एं ें किमी आय या किमी धन या अन्य आस्मियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- लग्न अधिनियम, या धन- लग्न अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रांतनार्थ अक्तियम, विवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता लाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः एव उपना अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मंं, उदल अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन नियनिविस्त व्यक्तियों, अर्थत् ४—~ (1) श्री अमरनाथ गोइन्का पृत्र केवार नाथ गोइन्का 30, गुडी सार्ग, असस्त त्रिहार, नद्द दिस्ती।

(अन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि. 21-22 नरोन्द्र पलेस पार्लियामेन्ट स्ट्रीट न**र्इ वि**ल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### ध्नसूची

भूमि 9 दीक्षा 13 बिस्या का 5/144 भाग गांव चकरप्र में स्थित हो। जिपका अधिक विवरण रिजस्टीकर्ता के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्री संख्या 114 दिनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, रोहतक

दिनांक 18-9-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवंश सं. दि./197/81-82—-अतः म्फे, आर. के. भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 9 बीवा 13 विस्था का 4/155वा भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का

16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1982 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की थारा 269-ग के अनूसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अमरनाथ गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोइन्का निवासी 30 पूर्वी मार्ग वसन्त विहार, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मं. डी. एल. एफ. हार्डी संग एण्ड कत्सट्रक्शन लि. 21-22 नरांन्द्रा पलेस पार्तिलयामेन्ट स्ट्रीट नर्झ दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन, के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जिक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वन्स्ची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्ना का 5/144 वा भाग चकरपुर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, विल्ली में रिजस्ट्री संख्या 115 विनांक 20-1-82 पर विया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोंज, रोहतक

तारीस - 18-9-1982

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

**अगयकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्दोश सं. दिल्ली/198/81-82—अतः मुक्ते, आर. के भयाना.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसको स भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 1/36 भाग हैं तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीस अनवरी, 1982

का पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन निम्मृलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स असपाल सिंह मरबाह प्त्र स इन्द्र सिंह मकान 39 ग्रीन पार्का, एकसट रान नर्हा दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै. डी एल एफ. हाउसिग एण्ड कन्सट्रक्शन लि 21-22 नरेन्द्रा पलेस पार्तियामैन्ट स्ट्रीट नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 तिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अतिर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूखो

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 1/36 भाग चकरप्र में स्थिस है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दिल्ती में रिजस्ट्रीकरण संख्या 131 दिनाक 25-1-82 पर दिया है।

> आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, रोहसक

वारोख · 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदास सं दिल्ली/199/81-82--अतः मुफ्ते, आर. के. भयानाः

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसको सं. भूमि 1/36 हिस्सा 9 वीषा 13 बिस्वां है तथा जो चका एपूर मा स्थित है (और इससे उपावद्ध अनम्ची मा और एपी स्था न विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिस्की सं राजिस्ट्रीकरण शीधिनयम, (1908 का 16) 5 अधीन, तारील जनवरी, 1982

को प्वांकर संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकार के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान पतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालियत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की लपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी श्री जसपाल सिंह मकान नं. 39 ग्रीन पार्क एक्सर्टसन्, नर्क दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) में. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि. 21-22 नरन्द्रा पलेस पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नर्दे विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि या रुत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि 1/36 हिस्सा 9 बीघा, 13 विस्ता चकारपूर से स्थित ही जिसका अधिका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विल्ली में रिजस्ट्री संख्या 132 दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. कं. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, रोहतक।

ज्<sup>र</sup>ोश : 18-9-1932

महिर:

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन भ्यना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहराक, विनांक 18 मितम्बर 1982

निदंश सं दिल्ली  $\frac{200}{81-82}$  — अतः मुक्ते, आर. के. भयाना, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 रा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/∍रपये में ग्रिधिक है और जिसकी सं. भूमि 5/144 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा ही तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूर्य से कम के कृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है <mark>घोर</mark> मुझे पठ विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दुश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रम्बरक (भ्रन्तरकों) धौर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ्त प्रस्तरण के निए तथ नाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित जहरूय भे उस्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत **उपत धरि** नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनन ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिया के लिए;

अतः अत्र, उन्त ग्रांबनियम की बाद्य 269न के अनुसरण में, में, उन्त प्रविभियम की बादा 268-व की उपवास (1) को बधीन,, निस्तृतिवित् व्यक्तियों, मुधीत्:— (1) श्री एन. के. गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ गोइन्का, 27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(भ्रन्तरक)

(2) मै. डी. एल एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सद्रक्शन लि 21-22 नरोन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह दूवता तारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के नियुक्तर्पेक्तियः करता है

उत्रा म्यति रूपयेन रूपस्यन्य नैकोई भो आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामोन न 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा ;
- (व) इप मूचना के राजरंत्र में प्रशासन को नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य अभित्र क्षांक समाधार भी कर होते खिन में किए जा सकेंगे।

स्परमाजर । - -इन् न प्रयुक्त अन्द्रीं छोर नदीं छा, जा उक्त प्रति निवस ह प्रथम २०-५ में परिभावित है, बही अर्थ भेगा, जो उन बस्तरण में दिरासको है।

#### समस्यों

भूमि 5/144 हिस्सा 9 बीघा 13 बिस्वा चकरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 133 दिनांक 20-1-82 पर विया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन **र्जा, राह**सक ।

ता**रीख**ः 18-9-1982

मोहार 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश सं. दिल्ली/201/81-82---अतः मुक्ते, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 'उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्रिप में क्षिणत हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982 को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अधने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिदिभा के लिए:

(1) श्री एन. के. गोइन्का पूत्र श्री केंदार नाथ, 27 राजा संतोष रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मै. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि., 21-22 नरोन्द्रा पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नर्द दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृसूची

भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144 वां भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्त के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीसंख्या 133 दिनांक 25 1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक ।

अतः अल जक्त अधिनियम की धारा २६०-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा २६०-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों. अर्थान् '---

नारीब : 18-9-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. ~---

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निक्रेश मं. दिल्ली/202/81-82--अतः मुभ्ते, आर. के. भयाना,

आय-कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~रा. से अधिक हैं

25,000/ क. स आधक हैं और जिसकी सं. भ्मि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग हैं तथा जो चक्क प्रपृप में निशत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और एफ रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य,

का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिलित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारत्तीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, भी जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री एन. के. गोइन्का पुत्र श्री केदार नाथ, 27 राजा मंतीय रोड, कलकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउमिंग एण्ड कन्मद्रवशन लि., 21-22 नरन्द्रा पलेस, पार्लियामैन्ट स्ट्रीट, नर्द्र विल्ली।

(अंतरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसुधी

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चकर-पूर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री संख्या 135, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

> आरं. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतके।

नारीख: 18-9-1982

मोहर ः

# प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

गरत **सरकार** 

कार्यालय, सहायक ब्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, रोहलक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निकंश सं. विल्ली/203/81-82---अतः म्भे, आर. के. भयाना,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्थ 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी मं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्ता का 5/144वां भाग हैं तथा जो चंकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:----

16-306GI/82

(1) **श्री एन. के. गोइन्का पूत्र श्री केंद्रार नाथ,** १/ राजा यंसीय गोंध, गणक्या-27।

(अन्तरकं)

(2) मी. जी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि., 21-22 नरोन्द्रा पुलेस, पालियामैन्ट स्ट्रीट, नर्दे दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िहर कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्ता का 5/144वां भाग वकर-प्र मों स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यात्तय, दिल्ली में रजिस्ट्रीसंख्या 136, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक।

ता्रीस : 18-9-1982

प्रकप आई.टी.एम्.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 सितम्बर 1982

निद`श सं. दिल्ली / 204 / 81-82 – अतः मुभ्ते, आर. के. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित क्षाजार मृल्य 25,000 /-रऽ. से अधिक **ह**ै और जिसकी मं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, सारीख जनवरी, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवेक्ति सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आग की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री के. के. गोयनका पुत्र केंद्रार नाथ, 27 राजा सन्तोष रोड, कानकता।

(श्रन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड क्कन्सद्वशान लि., 21-22 नरन्द्रा पलेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नर्ड दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### वनस्पी

सम्परित भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग चकर-पूर में स्थित है जिसका अधिक विषरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीसंख्या 138, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 18-9-1982

प्ररूप० ग्राई० टी० एन० एस०-------

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के मिनि सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, राहतक

रोहतक, दिगांक 18 सितम्बर 1982

निवंश सं विल्ली/205/81-82--अतः मुक्ते, आर. के. आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है सथा जो चकरपुर में स्थित हैं (और इससे उपाधव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप मे जीजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमः, (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1982 को पृथीक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूख्य स कमा के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथींक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत ग्रधिक हैं प्रौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति**फल, निम्नलिख**त उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित

> (का) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत उकत बाधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा

मष्टी किया पमा है:---

(क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के. के. गोयनका पृत्र केदार नाथ, 27 राजा - सन्ताष रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) में. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि., 21-22 नरन्द्रा पलेस, पार्लियामैन्ट स्ट्रीट, नर्षे दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

की यह बुक्ता चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजफन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

### अनुसूची

सम्परित भूमि 9 बीमा 13 बिस्वा का 5/144वा भाग चकर-पूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दहेली में रिजस्ट्रीसंख्या 139, विनांक 25-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक ।

तारीख : 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, रोहतक रोहतक, विनाक 18 सितम्बर 1982 अर्जन रंज, रोहतक

निद्येश सं. दिल्ली/206/81-82---अतः म्फे, आर. कं. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

और जिसकी स. भूमि 9 बीघा 13 विस्वा का 5/144वां भाग हैं तथा जो चकरपूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस जनवरी, 1982

(1908 का 16) कुअधान, तारास जनवरा, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वीक्त मंपत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नीलिखन उब्दोश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यवितयों, अर्थान् :-- (1) श्री के. के. गोयनका पुत्र केंद्रार नाथ, 27 राजा मन्तोष रोड, कलकत्ता।

(श्रन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि., 21-22 नरोन्द्रा पलेस, पालियामीन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :——

- (क) इस सूचना के राजएक में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अम्सुभी

सम्पत्ति भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वा भाग चकर-प्र में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय, बहेली में, रजिस्ट्रीसंख्या 140, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक।

तारील 18-0-1982 मोहर प्ररूप आह. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय

महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982 निदंश सं. दि. /207/81-82--अतः मूफ्तें आर. के. भगाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 9 बीघा 13 बिस्वा का 5/144वां भाग है तथा जो चकरप्र में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, तारीस जनवरी, 1982

(1908 की 16) के अधान, तरिस्स जनवरी, 1982 की पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण मं हुइ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, गिम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थातु :---

(1) श्री एन. के. गोइन्का पृत्र श्री केदार नाथ, 27 राजा मंतीय रोड, कनकत्ता-27।

(अन्तरक)

(2) मैं. डी. एल. एफ. हाउसिंग एण्ड कन्सट्रक्शन लि., 21-22 नरोन्द्रा पलेग, पालियामैन्ट स्ट्रीट, नर्द विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूँचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुत्राग,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सस्पत्ति भूमि 9 बीघं 13 बिस्वे का 5/144 वां भाग चकरपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकिति के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री मंख्या 141, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के.भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रोज, रोहतक।

नारीत : 18 9-82 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालय कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश सं. दि./208/81-82---अतः मुक्ते आर. के. भयाना गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **६सके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है**), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि 9 बीघे 13 बीस्वेका 5/144 वां भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी, 82 को पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय स कम के दृष्यभान परिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे एड् विषवास करने का कारण है कि प्रयापूर्वीकत सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, हेर दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से ग्रधिक है भीर म्रान्तरक (मन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे भ्रत्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखिन में वास्तित्रिक रूप से कथित

(क) यन्तरण में हुई किसी पाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। घोर/मा

नहीं किया गया है। --

(स्र) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भन्य श्रास्त्यों को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के बनुसरक में, मैं उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-च की उपजादा (1) को अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री ए. एन. गोयनका पुत्र कैदार नाथ नि. 27, राजा सन्ताष रोड, कलकत्ता-27 (अन्तरक)
- (2) मी. खी.एल.एफ. हाउनिसंग एण्ड कन्शट्रक्शन लि. 21-22, नरोन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नर्इ विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई, भी प्राक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45-विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीक्षरग:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पट्टों का, जो उक्त सक्षि-तियस के श्रष्टवाय 20-क. में परिभाषित हैं, बही अर्थे होगा, जो उब श्रष्टग्रंभ में विया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघे 13 बिस्बे का 5/144 वां भाग चकरपुर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय विल्ली में, रिजस्ट्रीसंख्या 141 विनंक 25-1-82 पर दिया है।

आर. के.भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहटक

ता्रीय : 18-9-82

प्ररूप बाइ ं.टी.एन् ं एस. -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार वित्त मन्त्रालग कार्यालय

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, राहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदंश मं दि. / 209/81-82~- अस गभ्हे आर वे भयाना भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें " इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रा. से **अधिक है**। और जिसकी सं भूमि 9 बीघे 13 बिस्वे का 5/144वां भाग है तथा जो चकरपुर में स्थित है (और इससे उपावद्रध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री कर्ता अधि-कारी के कार्याजय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन तारील जनवरी, 82 को पूर्वीक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल ले ए'से धरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की गावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्व) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरितीद्वारा प्रकटनहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधाकॅ लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम् की धारा 269- घकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री ए. एन. गोयनका पुत्र केंदार नाथ जि. 27, राज सम्तोग रो", करकाणा-27

(2) भी, जी, एल, एफ, हाउनिसंग एण्ड कन्शट्रक्शन लि 21-22, नरोन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली

(अन्तरिनी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

# उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 9 बीघे 13 बिस्वे का 5/144 वां भाग चकरपुर मेर स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय, दिल्ली मे, रिजम्दीसंख्या 142 दिनांक 25-1-82 पर विद्या है।

> आर. के भयाना सक्षम अधिकारी महायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहलक

तारी**ल** : 18-9-82

मोहर 🖫

प्रकृप आई. टी. एन. एस. ------

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही घार। 269-व (1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदंश सं. दिल्ली $\sqrt{210/81-82}$ —अत. मफे, आर. के. भगाना.

आयंकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जियका उचित वाजार मूच्य 25,000/— रुपए से श्रिष्ठिक है

और जिसकी सं भूमि 9 बीघे 13 बिस्वे का 5/144वा भाग है तथा जो चकरपूर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील जनवरी, 1982 को पूर्वोक्त सम्पृक्ति के उचिन बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रम्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण क लिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण कि जिल्त मं ग्रीक का में किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रत्नरग में हुई किसी आप की बाबत, उनत श्रिष्ठितियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किसी आप या ित्सी धन या पत्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (192' का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ए. एन गोयनका पत्र केंद्रार नाथ, नि 27. राजा संतोग रोत, १४७० 27। (अन्तरक)
- (2) मैं डी एल एफ हाउतिसग एण्ड कन्मद्रक्शन लि 21-22, नरोन्द्रा प्लेस, पार्लियामेन्ट स्टीट, नर्द्यु दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नीमील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  निखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत प्रिविनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## - अमृत्यी

सम्पत्ति भूमि 9 बीघं 13 बिस्वं का 5/144वा भाग चकरपूर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्हा के कार्यालय, दिल्ली म, रजिस्ट्रीमस्था 144, दिनांक 25-1-82 पर दिया है।

आर क भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक।

तारीय 18-9-82 माहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982 निर्देश सं. करनाल/94/81-82---अत मुक्ते, आर. के. भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. 1 बीघा 3 बिस्बे हैं तथा जो करनाल में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ यह विश्वास करने का कारण हैं कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिवक म्प से किथन नहीं किया ग्या हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमें किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आग्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मिवधा के लिए।

अन: अब जक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थान :---17---30601/९2

(1) सर्व श्री प्यारा सिंह, अयतार सिंह पूत्रान अनोख सिंह श्री दर्शन सिंह पूत्र जन्मीर सिंह नि. न्यू प्रेम नगर, करनाल

(अन्तरक)

(2) श्री रॉहित मधोक प्य भूपिन्दर चन्द मधोक नि. 212-आर. माडल टाउजन, करनाल (अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची '

मन्पित्त भूमि 1 बीघा 3 विस्वे करनाल में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रेजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रेजिस्टीसरया 5194 दिना है 27-1-82 पर दिया है ।

> आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

तारील 18-9-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश सं. करनाल / 98/81-82--अतः मुभ्ते, आर. क भयाना. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000<sup>/</sup>- रू. से अधिक **ह**ै और जिसकी मं. भूमि 200 व. ग है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल म रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करन का कारण है कि यथापृबोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रीनशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा .के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने मे परिष्ध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन निम्निसिलित व्यवितयों. अर्थातः——  श्री प्यारा सिंह पृत्र अनोक सिंह श्री लका सिंह, त्यू प्रेम नगर, करनाल ।

(अन्सरक)

 श्री राँहित मधांक प्त्र बहादार चन्द्र नि 212 आर माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरिती) को यह सुमना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूज्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>8</sup>।

#### अनुसुची

सम्पत्ति 200 व. ग. करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में , रिजस्ट्रीसंख्या 5116 दिनॉक 22-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

तारी**ल** : 18-9-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मितम्बर 1982

निदोश सं. करनाल/99/81-82--अतः मूर्फे, आर. के भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि 6 बीघा 12 रिश्वस्व हैं तथा जो करनाल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलिल में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण से हुन्द किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा के हैक्ए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातु:—

- 1. श्री जगबीर सिंह पूत्र लखा सिंह, प्रेम नगर, करनाल (अन्तरक)
- 2. श्री रोहित मधोक प्त्र बहाद्र चन्द्र मः नं 212-आर्, माडल टाउन, करनाल।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जकत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भमृस्ची

सम्पत्ति 6 बीधं  $12^{\frac{1}{2}}$  बिस्वे करनाल में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री-संस्था 5115 दिनांक 22-1-82 पर दिया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, रोहतक

तारील: 17-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, विनांक 17 सितम्बर 1982

निदोष स. करनाल 197/81-82--अतः मुक्ते, आर. के. भयानाः

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्रधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावच सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- द॰ स

और जिसकी मं. भूमि 6 बीघा 12 विस्व है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहों किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-अनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूब्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 264-व्य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री जगबीर सिंह पृत्र लखा सिंह नि. न्यू प्रेम नगर, करनाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मधोक पत्नी बहाद्र चन्द ज्ञि. 212 आर-मांडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की खबिध या तत्मश्वन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील में 30 विन की खबिध, जी भी शबिध बार में समाप्त हाती ा, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सपत्ति में हिंत- बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्र शहस्ताक्षरा तें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकर्णवन है दही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुस्पी

सम्पत्ति 6 बीघे 12 विस्वे करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रजि-स्ट्रीसंख्या 5117 दिनांक 22-1-1982 पर दिया है।

> आर. के. भयााना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीख: 17-9-1982

प्ररूप . आईं . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

### भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन र्पेष, रोहतक रोहतक, दिनाक 17 सितम्बर 1982

निदंश स. जे. डी. जार./98/81-82—अतः मुफ्रे, आर. के भयाना, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. हाउस न. 141 माडल कालोनी, यम्ना नगर है तथा जो यमनानगर में स्थित है (और इससे उपाववध अन

है तथा जो यम्नानगर में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अन् सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्दृश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है..—

- (क) अतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) श्री इकबाल आबरी पूत्र दिवान चन्द निवासी बी-4, 1451/17 ओवरो कलोनी समुनानगर।

(अन्सरक)

 श्रीमित कमलेश रानी पत्नी श्री दर्शनलाल हाउस न. 141, स्थित माडल कालोनी यम्नानगर

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

सम्परित हाउस न . 141 माडल कालोनी यमुनानगर में स्थित हुँ जिस का अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी म रजिस्ट्री संख्या 6400 दिनाक 29-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारी**ख**: 17-9-1982

मोहरु :

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश सं. बल्लभगढ़/446/81-82--अतः मुभ्ने, आर. के. भयाना.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 50 वीघे पुलता है तथा जो गांव मांगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शुक्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हु भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री इसरात पुत्र श्री बीरबल गां. व डा.-सांगर।
   (अन्तरक)
- 2. में . नागिया लैन्ड डवलपमेन्ट कन्शट्रक्शन कं . प्रा. लि., 506, चिरन्जीव टावर 43 नेहरू प्लेस, देहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए था सकोंगे।

स्कटीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्र अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# <u>जुनुस्</u>ची

संपति 50 बीघे मुस्ता मांगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीसंख्या 13239 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>ग्रायक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन र<sup>र</sup>ज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

मोहरू 😢

प्ररूप आहरं.टी.एन.एस.-----

# आयक्**र घधिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की घारा **269-प(1**) के **घधीन सूच**ना

भारत स्टब्स

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन गंज, राहतक

गांहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदंश सं लाडवा1/81-82—-अतः मूक्ते, आर.  $<math>^{1}$ रे भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के पधीन मक्ष्म पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी स. भूमि है तथा जो नजबीक लाडवा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्मूची मा और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लाडवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्षा, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक ल्प में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए और/या
- (भ) एंसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसिन न्यापितयों, अधीत :—

(1) श्री चन्द्र मिह प्रा मन्दर निह, नि. साजरा तहसील थानेसर।

(अन्तरक)

- (2) श्री रांशन लाल प्त्र श्री अभेराम, श्री सियाराम पुत्र सान्धी
  - श्री श्रवण पुत्र वाब् राम, श्रीकाला राम पुत्र कांशा
  - श्री धान्धी राम पुत्र बाराता
  - श्री श्रवण कुमार पुत्र बंसी
  - श्री जीतराम पृत्र श्री नन्द लाल
  - श्री दलाल सिंह पुत्र जातराम निवासी हमीदप्र जिला थानसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकींगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

#### अनस्मी

संपत्ति भूमि लाडवा में स्थित है जिसका अधिक विधरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय लाच्या में रिजस्ट्रीसंख्या 535 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, राह्तक

तारीय : 18-9-1982 मोहर : पक्ष्य आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश सं. जगाधरी /96/81-82---अत: मुभ्ते, आर को. भयाना,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ र. से आधिक है

और जिसकी मं. भूमि 32 कनाल 17 मरले हैं तथा जो गांव भंभोली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारीच जनवरी, 82

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नोलिक उद्देश में उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) त्रन्तरण सं हुन्हे किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के लधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के त्रिए, और/स
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री सरदार सिंह पृत्र श्री राम सिंह गांव लखनौटी तः जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) श्री स्रता राम पत्र श्री लक्ष्मनदास गाव तेजली तं जगाभरी।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-स्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणं:--हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन<u>ुस</u>्ची

भूमि 32 कनाल 17 मरला गांव भाभाोती मो स्थित है। जिसका अधिक विवरण राजिस्ट्रीकर्ता के कार्यातय जसाधरी मी राजिस्ट्री गंख्या 6384 दिनांक 28-1-82 पर दिया है।

> आर. के भएता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अञ्चलका, रक्षाक

नारीय 18-9-1982 मोहर : प्ररूप नार्ष. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहसक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदोश सं. करसाल/100/81-82--अतः स्के, आर.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 6 बीघा 8 विस्वा है तथा जो करनाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल भे, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन तारील जनवरी, 82

को प्रविक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृष से किथात नहीं किया गया है: —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) **थी ह**रि राग, गुरमत एवं राजबीर पृत्र श्री तेल निवासी सार असन न करनाता

(अन्तरक)

(2) में. जं. कं. (जैमके) एन्टरपराइजिज द्वारा थीं जगदीश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री काली राम पृत्र श्री कार्कने चन्द्र निदामी दिल्ली तथा अब करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भन्स्ची

भूमि 5 बीधा 8 बिस्वा करनाल में रिश्रप्त है। जिसका अधिक त्रियरण रिजिस्ट्रोकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजिस्ट्री संख्या 5101 दिनांक 21-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) जर्जन रोज, रोहतक

तारीच : 18-9-1982

मोहरः

## प्रकप धाई• टी॰ एन॰ एस•⊶

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

# अर्जन राज, राहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निद्देश स. कालका /30/81-82—अत म्में में में, आर. के. भयाना, की आय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/क रू॰ से अधिक है

और जिसकी मं. दुकान नं. 781 ही तथा जो कालका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालका में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 82

को पूर्वा क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया प्रतिक्त, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान :--- (1) श्रीमती हरवीत कौर पत्नी श्री ध्यान सिंह निवासी कालका।

(अन्तरक)

(2) थी चिन्तामनी एवं करम चन्द बन्सल पृत्र श्री बारू मन म. न. 781 गांधी चौंक कालका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोतन सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख सें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक स
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जकत श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं हो गा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

दुकान कालका में स्थित है जिसका अधिक विधरण रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय कालका में रजिस्ट्री संख्या 1972 दिनांक 5-1-82 पर दिया है।

> जार. के. भयाना झक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, राहतक

तारीख: 18-9**-1**982-

प्ररूप आ**र्द**.टी.**एन.एस**.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 सितम्बर 1982

ं निद<mark>ेश सः जगाधरी</mark> /92 /81 -82 — अतं मुक्ते, आरं केः स्यानाः,

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खब्ति बाबार मूल्य 25,000/-क से अधिक है

और जिसकी सं भूमि 14 कनाल 8 मरला है तथा जो राधोली मा स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी मो, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82

को पूर्वेवित सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमांन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उनक दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नव नाम गम प्रतिफन निम्नांलिखन उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काबत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत जनत अधिनियम के श्रमीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किमो श्राय या किसी घन या अभ्य घास्तियों को, जिम्हें भारतीय घायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त घिष्टिनयम, या धन-कर धिष्टिनयम, 1987 (1957 का 27) क प्रयोजनार्व घम्सरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुखिघा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री स्भाष चन्द्र, श्रीमित कमलेश रानी पत्नी श्री रमेश श्रेन्द्रं श्रीमित कमलेश रानी पत्नी श्री नारायण दास श्रीमिती प्रेम रानी पत्नी श्री सकन्दर लाल सभी निवासी म. न. 152 माइल कालोनी जगाधरी। (अन्तरक)
- (2) श्रीमति कृष्णा शान्की पत्नी श्री सत प्रकाश श्री सुरश कुमार सोन्की पुत्र श्री सत प्रकाश श्री नरन्त्र कुमार पूत्र श्री अमर नाथ सभी निवासी धिमन लाइन्स जगाधरी रोड यमुनानगर। (अन्सरिती)

की **यह मूचना जारी भरके पूर्वोक्**न सम्पति के अर्जन के लिए कार्य**वाहियां** मुठ **भरता** हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के यंजंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध वाद में ममान्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य स्थित द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे!

स्वष्टीकरण -इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का को छक्त प्रभित्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सन्दाय में विसागया है।

# अनुसूची

भूमि 14 कनाल 8 मरला गधोली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रिजस्ट्री संख्या 6291 दिनाक 22-1-82 पर दिया है।

आर के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीच 18-9-19**82** साहर

# प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

# मायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, राष्ट्रितक

रोहतक, दिनांक 18 सिसम्बर 1982

निदंश सं. हिसार/151/81-82—-अतः मुभ्ने आर .के.

भयाना, आयकर भधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं. प्लोट नं. 157 है तथा जो कृष्णा मण्डी हिसार मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिंसार मं, राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीका गमाति ना उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है भौर <del>प्रन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्नरिती (अन्तरितियों) के बीच</del> ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त ग्रम्तुरण लिखिन में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्टिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रंत: ग्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्-सरण में, मैं, उनन मधिनियम की धारा 269-भ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राम विलास पुत्र परमानन्य नि. 22 नन्द निवास नजदीक अशोक नगर अथवा लाईन सूरत (गुजरात)। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लीलावती व वी पत्नी श्री खुशीराम श्रीमती विभला देवी नि. महादेव प्रसाद, शिवाजी गली, दयानन्द कालेज राड, हिसार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य म्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### अन्सूची

सम्पत्ति बाकान न . 157 कृष्णा मण्डी हिसार में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यासम, हिमार में , रजिस्ट्रीसंख्या 4866 दिनांक 8-1-82 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

नारीख 18-9-82 माहर:

प्ररूप माई.टी एन, एस. -----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

राहतक, दिनाक 18 सिनम्बर 1982

निद्या म अम्बाला 86/81-82-- अत मुभे, आर के भयाना,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी स भीम 240 कनाल 3 मरल है तथा जा तामनाला म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारो क कार्यालय अम्बाला म, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 82

को पूर्वो कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिपयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त किया निम्निति के बिक्त में विश्वास के सिंदि में वास्तिविक हम से किया गया है.---

- (क) अन्तरण संहुर्इ किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उंकत अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नंत: अब, उक्त निर्मियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) सर्वश्री विश्वनाथ, आदि पुत्रान दोना नाथ नि तमनोली त अम्बाला बशश्यर नाथ, श्रीमती शीला रानी, शान्ति रानी पृत्रीया दोना नाथ नि तमनोली।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तास लाल पृत्र वरयाम लाल श्री साध पृत्र लज्जा राम गुलाब सिह पृत्र माधू क रनैता दवी पृत्री साध् नि कागल त अम्बाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितंबवृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रयुक्त शब्दा और पत्नो का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# **मन्**स्ची

सम्पत्ति भूमि 240 कनाल 3 मरल तामनोला मा स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला मा, रिजस्ट्रीसख्या 4526 दिनाक 28-1-82 पर विया है।

आर कं भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, रोहतक

नारोख 18 9-82 मोहर प्ररूप आई. टी. एम. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निदंश स. सिरसा/38/81-82--अतः म्भे, आर. के. भयाना,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट है तथा जो हिसार रोड, सिरसा में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनंस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरमा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी, 82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्टिया के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जम उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, अधीन :--

(1) सर्वश्री शिव कुमार, चान्य लाल विजय कुमार पुत्रान श्री नेम कुमार उपनाम नेम चन्द पुत्र गुर व्याल मल नि. सिरसा

(अन्तरक)

(2) 1. सर्वश्री अगदीश कुमार, जयनारायण पूत्रान रामजीलाल पुत्र हीर देव राम नि. दौबालल्या ते. सिरसा 2. श्रीमती रेणू पुत्री राम सरूप पुत्र उजाला राम।

नि. सिऱ्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त, सम्पृत्ति के अर्जन, के दिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा!
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में द्विया गया है ।

### ग्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट, हिसार रोड, सिरसा पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सिरसा में, रिजस्ट्रीसंख्या 6569 दिनांक 15-1-82 पर दिया है।

> आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>्</sup>ज, रोहतक

नारनील 18-9-8? मोहर प्रभ आई टी एम एस ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 260-ध (1) हे अधीन सचना

#### भारत सरकार

# कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 मितम्बर 1982

निर्देश सं. बल्लभगढ/455/81-82--अतः मूफे, आर. हे भगाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 16 कनाल है तथा जो लकडप्र में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय, बल्लभगढ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1982

को पूर्वोक्त मंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गयत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, 27 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं- उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति स्विन्तियों, अर्थात :— (1) श्री रिखन, महीपाल पत्रान श्रीमती भूरो पत्नी, हर प्रदृ।

(अन्तरक)

(2) श्री सजय चावला पुत्र लाभ मल मार्फत में सुपर टायर्स प्रा लि , करनाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थां और पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

सम्पत्ति भूमि 16 कनाल लकज्रपुर मे स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ मे, रिजस्ट्रीसिक्या 13376 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन **रोग, रोहतक** 

तारीख 18-9 82

# प्रकृष् भाष्: टी. एत्. एस.-----

भायकप्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंजी, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निर्देश सं. बल्लभगत/435/81-82--अनः मुक्ते, आर. के. भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000 रु. से अधिक हैं /

और जिसकी मं. भूमि 16 कनाल है तथा जो लकड़प्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जनवरी

को पूर्वो विस सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के नीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया उसा जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नुतिस्ति व्यक्तियों, अर्थीत् — 1. श्री नाथी हरती नि. लकरपर

(প্ৰকাশক)

2. श्री संजय मावला पुत्र बी. एल. चावला मार्फत मै. मुपर टायम् प्रा. लि. करनाल।

(भ्रन्ति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति को अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोगे।

स्पाष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गुमा है।

# अन<u>ु</u>सुची

सम्परित भूमि 16 कनाल लकड़पूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीसंख्या 13314 दिनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रजे, रोहेतक

तारीख : 18-9-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निविश सं पेहवा 116/81-82--अतः मुक्तं, आर. के. भयानाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संभूमि 40 कर्नाल 3 मरले हैं तथा जो सन्धौली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पहेवा में रिजन्स्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह्म प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देषयों से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19--306G1/82  श्री गुलकान करमार पृत्र बुडा राम नि. सन्थांली। (अन्तरक)

2. मी. पूजा राष्ट्रीस निल, गांव-सन्धांली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वृक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### मन्सूची

सम्पत्ति भूमि 40 कनाल 3 मरले गांव सन्धौली भे स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पेहवा में,, रिजस्ट्रीसंख्या 1314 दिनांक 18-1-1982 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहातक

तारीख: 18-9-1982

मोहर 🚁

प्रस्य आई० डो० एन० ए५०--

भाक्तिर अधिनियम, 1981 (1981 सा 43) की धारा 269-म (1) के भन्नीन सूचना भारत सरकार

कार्यातव, सहावक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निविश सं. बल्लभगढ़/454/81-82---अतः मुभ्ते, आरं. के. भयानाः,

म्नायतः मधिनियम, 1961 (1481का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पर्धानियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्तम भाष्टिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिनका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- हु से प्रधिक है

और जिसकी सं. भूमि 13 कनात है तथा जो लकडप्र में स्थित है (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में पर्णित ही) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जनवरी 1982

की पूर्वोक्त सम्पिट्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथान्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूक्प, इसके दृश्यभान प्रतिफल के पे, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पत्त्रह भित्रात अधिक है धौर भ्रस्तरक (भ्रत्तरकों) भौर भ्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पात गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उच्त अन्तरण निज्ञा में अम्मरित का से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितं अया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में मुक्किंग के लिए।

अ . गा, इस्त अधितिया हो बार 23 अन्य है अनुसरण वं. में, उक्त अधितियन हो धार। 24०-प ही उपारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री राम चन्य पृत्र श्री वजीर गांव सकडपूर तः बल्लभगतः।

(भ्रन्तरक)

2. श्री संजय चावला पृत्र बी. एल. चावला, मार्फत मे. सपर टायर्स शा. लि., करनाल।

(अन्सरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकातत्र की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर पूर्वीत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा; अधीहस्तावारी के पास जिखाल में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो सकत प्रधिनियम, के घट्याय 20-क में परिवासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस घट्याय में दिया तथा है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाल लकडपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रिज-स्ट्रीसंख्या 13315 विनांक 11-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

तारीख : 18-9-1982

मोहार:

प्रकप बार्ड .टी .धन .एस . -----

### बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अप्रुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवंश सं. पंहवा/117/81-82--अतः मुक्ते, आर. के.

भयाना, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 44 कनाल 4 मरले हैं तथा जो सन्धौली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेहवा में रिजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय पेहवा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जनवरी 1982

का प्रांकित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (शंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, अक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को फिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए

- श्री गूलशन कुमार पूत्र बुडा राम गांव सन्धेली। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं. शक्ति राईस मिल, गांव-सन्धोली। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचत सम्म्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिमा गया है।

#### भन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 44 कनाल 4 मरले गांव सन्धौली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पहेवा में रिज-स्ट्रीसंख्या 1337 विनांक 20-1-82 पर दिया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोह्नतक

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-छ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारील: 18-9-1982

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निष्येष सं. बल्लभगढ़/457/81-82--अतः मृक्रे, आर. के. भयाना,

भाषकर प्रविनियण, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्नात् 'उनन अभिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन मध्य आधिकारों की, यह निश्वाम करन का कारण है हि हैथावर सीति, जिमका उनित बाकार मूख्य 25,000/- रूप से स्टिक के

और जिसकी सं. भूमि 1008 व. ग. है तथा जो बल्लभगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1982

को पूर्वनित संपत्ति क उित वाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मृहय, उस ह दृश्यमान प्रतिफल का ान्द्र । ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का ान्द्र । प्रतिक्रत में और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिक्रत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त् विक्र इस से क्यों किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधि-तियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐनी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्राध्नियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा में लिए;

कतः अब्, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री अनंगपाल पृत्र राजेन्द्र क्युमार नि . राजेन्द्र फार्म, फरीवाबाव।

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री कौलाश जन्द्र पूत्र गोपाल चन्द्र नि . 60/ 29, रामजस रोड, नर्इ दिल्ली
  - 2. सोनलाल सूप्त्र मनोहर लाल, लकक्ष्प्र
  - 3. स्नील कुमार पुत्र बोधराज नि. 16/2597, आर्य समाज रोड, फरीवाबाद
  - 4. रमेश गुलाटी पुत्र राम गुलाटी।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पत्तिके धर्जन क निए कार्यशहिया करनाहु।

उस्त नम्यति के प्रवेत के मध्वत्य में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इत सूचना के शवरत में प्रधानन की तारीख में 45 दिन की सर्वात पा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 जिन की प्रवित, जो भी जबित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इ.प. मूनना के राजपत्र में प्रकाशन को नारी ख मे 4.5 दिन के मीतर रहा स्थावर सम्पति में हितबब किमो ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास जिल्लिन में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:--- इनमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का. त्रो उक्त श्रश्नितियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो धर्म होगा, जो उस धन्याय में दिया गया है।

#### सनसर्वी

सम्परित भूमि 1008 व. ग. बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिज-स्ट्रीसंख्या 13420 दिनांक 14-1-82 पर विया है।

आर. के. भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज, योहतक

तारीख: 18-9-1982

मोहर:

प्रकृप आइ . टी. एन . एस . -----

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

राहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

्निदेश सं. गुड़गांधा/314/81-82--असः मुभे, आर.

के. भयाना, भागना, भागन

योर जिसकी सं. भूमि 8 बिस्या है तथा जा सिकन्दर प्र घोसी में स्थित है (और इससे उपायद्भ अन्सूची में और पूर्ण रूप से यिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूड़गांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 82

को प्वेंक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिष्तत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्स्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी जिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

- (1) **भी शीशराम प्**त्र कन्हीया नि. सिकन्दरपूर घोसी। (भ्रन्तरक)
- (2) में. वहिली लैन्ड एण्ड फार्डनेन्स लि. 21-22, नरन्द्र पलेस, पानियाभेन्ट स्ट्रोट नई दिल्ली।

का यह सूचना आरी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उनत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नार्कप्:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वव्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

संपत्ति भूमि 8 बीघे सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गृष्टगांत्र में, रिषस्ट्रीसंस्था 3653 दिनांक 1-1-82 पर दिया है।

आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहसक

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन मिम्नुसिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख : 18-9-1982

मोहार 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निविध सं. गुड़गांवा/315/81-82--अतः मृभ्हे, आर. के भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि 7 बिस्वे हैं तथा जो सिकन्दरपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृङ्गाया में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जनवरी 82

को पूर्व क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्नरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरन ने हुई फिकी बाव की बावत , इक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कानी कुड़न ना उससे न्यूने में सुन्धा के सिए?
- (क) एंसी किसी बाद वा किसी प्रवास कर कास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र आंधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तारती द्वारा प्रकट नहां किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दलीप सिंह पूत्र गणपत सिंह नि. सिकन्दरपूर। (झन्तरक)

(2) मैं. बोहली लैन्ड एण्ड फार्डनेन्स लि. 21-22, नरोन्ड पलेस, पालियामेन्ट स्ट्रीट, नर्ड दिल्ली। (मन्त्रिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों कर्ता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर स्थानत यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों मार पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्व होता का उस स्थाय में दिया नमा हैं।

#### मन्त्रची

संपत्ति भूमि 7 बिस्वे सिकन्वरपूर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय गृहगांत्रा में रिजस्ट्रीसंख्या 3654 दिनांक 1-1-82 पर विया है।

आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) वर्षन रोज, रोहतक

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखत व्यक्तियों, सूर्धातु:--

तारीख: 18-9-1982

मोहर:

प्रकृप भाइ<sup>\*</sup>. टी. एन्. एस.-----

नायक र मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

राहितक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निविशः सं. गुड्गांवा/316/81-82--अतः मूभः, आर. के. भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरः सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 6 बिस्वा है तथा जो सिकन्वरपूर धोसी में स्थित है (और इससे उपाधव्य अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूड़गांवा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सम्य, उससे ए स्यमान प्रतिफल सो, एमे रूप्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तर्श के लिए तथ पाया गया प्रतिक्तन त, निम्नेलिसित उद्वेष्य से उस्त अन्तरण लिकित में बास्तिवक का से कथित नहीं किया स्था है:--

- (क) बन्तरण संहुई किसी जाय की वाबत, उन्तर विधिनवा के बचीन कर दोने के बन्तरक की वाजित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; जरि/बा
- (क) एसी किसी बास वा किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में. उक्त अधिनियम की भार 269-क की उपभारा (1) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री हरिरा सिंह पुत्र गणपत सिंह गांव सिकन्दरपूर भोसी।

(अन्सरक)

(2) में दोहली लैन्ड एण्ड फाइनिन्स लि. 21-22, नरिन्द्रा पलेस, पार्लियानेन्द्र स्ट्रीट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीकत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### ममुसुची

संपत्ति भूमि 6 बीघे सिकन्दरपुर घोसी में स्थित है जिसका बिवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गृहणंवा में, रिजस्ट्री-संख्या 3655 दिनांक 1-1-82 पर दिया है।

आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, राहसक

**धारीब : 18-9-1982** 

मोहर:

प्ररूप मार्च. भी: एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, राहतक

रोहतक, दिनांक 18 सितम्बर 1982

निवोध सं. गृड्गांवा/317/81-82--अत: मभी, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्ति बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि 3 बीघा 7 बिस्वाह तथा जो सिकन्यरण्र घोसी में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गृहगांवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 82 को प्रवित्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधानयम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धाए 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री भाग सिंह पृत्र जय कि हान श्री कृष्ण लाल इन्दराज सिंह नि. सिकन्दरपुर।

(ग्ररारक)

(2) में. वहली लेन्ड एण्ड फाईनेन्स लि. 21-22, नरेन्द्र पलेस, पार्लियामेन्ट स्ट्रीट नई विल्ली। (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राज्यकृ में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गदा

#### वन्सूची

संपत्ति भूमि 3 बीघे 7 बिस्वे सिकन्वरण्र घोसी में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गृहगांवा में रिजस्ट्रीकरण संख्या 3656 विनांक 1-1-82 पर विया है।

'आर. के भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** कर्जन र<sup>1</sup>ज, रोहतक

तारीख: 18-9-1982

मोष्ठर 🤃

प्रकप बाई॰ ती॰ एन॰ एस॰----

मापकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज I,

मद्रास, दिनाक 17 सितम्बर, 1982

निदेश सं० 3/जन०/82—यत, मुझे, एस० लहरी, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सन्नम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्य गम्मानि, जिसका उचित्र बाजाय मूख्य 25,000/-रुपये में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2ए है तथा जो सुबरमनियपुरम, पिल्लवासल, स्ट्रीट, मदुरै में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्रै (ग्राकुमेंट सं० 393/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जनवरी 1982,

को पूर्वित समानि के उचित जागर मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐपे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रथिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण मे हुई किमी श्राय की बाबत, उक्त श्राधिद्र नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूबिधा क लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् —— 20—306GI/82

1 श्री सिकन्दर चान भौर भन्य

(अन्तरक)

2 श्रीमती हरून गुलजार बंगम

(ग्रन्तरिती)

को प्रश्नुकरा जारो हरके पूर्वी रा अन्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियाँ शुरू करता हूँ।

जान सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मा**लेप**।---

- (क) इप नृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख ने 45 विन के भीतर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वदशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, क अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 2ए, पल्लिबासल लेन, मबरमनियपूरम मदुरै (डाकुमेंट सं० 393/82)।

> एम० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, मद्रास

तारीख 17-9-1982

मोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11 the 10th Reptember 198?

No. A.19013/2/82-Admin 1-The president in pleased to appoint Shri S. K. Singhal, IPS (D&CF) as Deputy Secretary the office of Union Public Series Commission with effect from the forenoon of 8th September, 1982 until further orders.

Y. R. GANDHI, Under Secy.

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION (DEPARTMENT OF PERSONNEL)

New Delhi, the 18th October 1932

No. A-22013/2/82-ADV— The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following Inspectors of Police as of inting Dv. In alts of policing CBI/3HI on deputation with effect from the date shown against each until further orders:—

Name of the officer and present place of posting	States to which belongs	Date of appointment as DSP in CBI/SPE
1. Shri A.K. Dutta, CBI/GOW/Calcutta	Calculta Police	4-9-82
2. Shri B.S. Ambekar, CBI/ EOW/Bombay	Maharashtia	2-8-82
3. Shri G.I. Doabia, CBI/Ahmedabad	Guiarat	24-7-82
4. Shri D. Bhuyan, CBI/Shillong	Assam	25-7-82
5. Shri D. Krishnan, CBI/GOW/Madras	Tamil Nadu	24-7-82

R. S. NAGPAL

Administrative Officer (E) Central bureau of investigation

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL PESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 10th September 1982

No. O II-1767/82-Estt—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Chandra Prakash Arya as Junior Medical Officer the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th August 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 10th October 1982

No. O II-7/76-Estt.—Consequent on his repatriation to present state i.e. Madhya Pradesh, Shri I. M. Qureshi. IPS(MP-1956) relinquished the charge of the post of Deputy Director (Adm) of Directorate General, CRPF, on the forenoon of the 2nd September 1982.

2. Shri Qureshi has been sanctioned 59 days EL with effect from 2-9-82 to 39-10 82 with permission to suffix 31-10-82 and 1-11-82 being sunday and Gazetted Holiday respectively and has been directed to report to D G M. P. Police. Bhopal. on expire of leave

#### The 5th October 1982

No. O II-1759/82-Est -- The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr Vinay Kumar as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 18th September 1982 for a period of three

months or till recruitment to the post is made on regular bar's whichever is earlie.

No D 12,37 Ext.—Cor quest on his appointment on department to Mark to Police. Shri Lalit Mohan, Commandant 43 Bn CRMD in inquiried the charge of the post of Columb 43 Br on to afternoon of 15-9-82.

A. K. SURI.

Assistant Director (Estt)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

#### New Delhi, the 6 October 1982

No. 11/72/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, by promotion the under-mentioned Deputy Directors of Census Operations as Joint Director of Census Operations, on a temporary and ad-hoc basis, in the offices as mentioned against each, for a further period upto the 16th August, 1982:—

S. No.	Name of the officer	Office in which w orking	Prescribed headquarters	
1	2	3		
1. Shri	B.T. Pillai	Director of Census Oper tions, Kerala, Trivan- drum.	a-Trivandrum.	
2. Shri	Abdul Ganı	Director of Census Opera tions, Jammu & Kashmi Srinagar.		
3. Shri	S. Sınha	Operations, West Bengal, Calcutta.	Calcutta	
	Ardaman ingh	Director of Cersus Operations, U. T. Chandigarh, Chandigarh	Chandigarh	
5. Shri Ma	A.W.	Director of Census Operation, Maharashti Bonibay.		

No. 10/19/82-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 10 June, 1982, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Y. S. Rao as Deputy Director and S/Shri M. V. Rao and B. S. Verma as Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, for a further period upto the 31st July, 1983 or till the posts are filled in on a regular basis, whichever period is shorter.

The headquarters of S/Shri Y. S. Rao, M. V. Rao and B. S. Verma will be at New Delhi.

P. PADMANABHA. Registrar General, India

#### FINANCE COMMISSION

#### New Delhi, the 5th October 1982

No. FC 2(20)-A/82.—Consequent on his transfer from the Economic Administration Reforms Commission, New Delhi, 8h B S Mussonia. Research Officer has been appointed as Research Officer in the Eghth Finance Commission in the scale of Rs. 700-1300 with effficet from the afternoon of 24th September, 1982 and until further orders.

No. FC 2(21)-A/82—Consequent on his transfer from the Planning Commission, New Delhi, Shri S. P. Rastogi, Research Officer has been appointed as Deputy Director in the Fighth Finance Commission in the scale of Rs. 1100-1600 vib effect from the forenoon of 25th September, 1982 and until further orders.

No FC?(22)-A/82.—Consequent on his transfer from the Plenning Commission, New Delhi, Shri N. I. Vyas, a Cord III Cally of Indian Economic Service and Senior Receich Officer has been appointed as Officer-on-Special Duty in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs.

1300-1800 with effect from the afternoon of 25th September, 1982 and until further orders.

S. L. MATHUR, Under Secy. (A)

#### MINISTRY OF FINANCE

#### DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS,

#### B N. P. DEWAS (MP)

Dewas, the 3rd October 1982

No. F. No. BNP/C/5/82.—In continuation to this office Notification of even number dated 1-7-82, the ad-hoc appointment of Snri R K. Ghoshal as Technical Officer (Printing & Plates) in Bank Note Press, Dewos is continued for a further period of thick months w.e.i. 1-10-82 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier on the same terms and conditions

M. V. CHAR. General Manager

# MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD Calcutta-16, the 7th October 1982

No. 45/G/82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri A. K. De Sarkar, Offg. Asstt. Works Manager (Permanent Foreman) tetired from service w.e.f. 31st July, 1982 (AN).

V. K. MEHTA, Director

#### MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS

#### AND EXPORTS

# (IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL) (ESTABLISHMENT)

New Delhi, the 7th October 1982

No. 6/940/71-ADMN(G)/6471.—The President is pleased to grant extension of service to Shri J. K. Mathur, an officer officiating in Grade 1 of the Central Secretariat Service and Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, beyond the age of his superannuation with effect from the 1st July, 1982 to 31st August, 1982.

2. The President is also pleased to permit Shri J. K. Mathur to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st August, 1982.

A. S. KAUL,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

### DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700001, the 6th October 1982

No. Estt. I./1(5)82/5641.—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/I/80-ISS, dated the 14th September, 1982, Shri Subrata Kumar Das, a Grade IV probationer of ISS assumed charge of the post of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the forenoon of 17-9-1982.

#### The 5th October 1982

No. Estt.I/1(4)82/5648.—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/1/80-ISS, dated the 14th September 1982, Shri Bimal Kumar Giri, a grade IV probationer of I.S.S. assumed charge of the

rost of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the forenoon of 17-9-82.

No Estil i (6)82/5654—In pursuance of Department of Statistics, Ministry of Planning, O. M. No. A-12015/180-ISS, dated the 14th September, 1562, Shri Guru Charan Manna, a gade IV probatione of LSS, assumed charge of the post of Assistant Director (ISS, Grade IV) in this office on the following of 20 9-1982

D. C. DATTA, Director General

#### MINISTRY OF INDUSTRY

BEAUTH A MERCHANIST AND THE WATER OF THE ACTION OF THE PARTY OF THE PA

DEPAREMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

#### (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, t'.e 31st August 1982

No. 12(532) '66-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to p rmit Shri K A. Lingam, Assistant Director (Gr.1) (General Administrative Division), Regional Testing Centre, Madras to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 31-7-82.

C. C. ROY, Deputy Director (Admn).

# ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

#### Calcutta-16, the 5th October 1982

No.4-186/82/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Sunil Kumar Biswas, Office Suppointendent to the post of Junior Administrative Officer (Group B—Geratted) in the scale of Rs. 650-1200/-1 two Survey at Southern Region, Mysore, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 14th September 1982, until further overs.

M. S. RAJAGOPALAN.

Senior Administrative Officer

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12. the 1st October 1982

No. F. 92-172/80-Estt./25449.—Dr. Supada Govind Patil is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the scale of R<sup>c</sup> 650-1200) in the Freshwater Biological Station, Zoological Survey of India, Hyderabad, in a temporary capacity with effect from the 10th August, 1982 (forenoon) and until further orders.

A. K. MANDAL, Senior Administrative Officer, Zoological Survey of India.

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 5th October, 1982

No 6(104)/63-SI,—On attaining the age of superannuation Smt. E. N. Kharkongor, Programme Executive, All India Radio Shillong retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1982.

No 4(53)/75-SI—Consequent on his appointment as an Assistant Secretary in the Sangeet Natak Akademi, New Delhi, Shri Blinrat Ratina Bhargava. Programme Executive, All India Radio. New Delhi was relieved of his duty on the afternoon of 16th August, 1982 to join duty in the Sangeet Natak Akademi New Delhi on deputation.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration
for Director General

## MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay 400026, the 5th October 1982

No. 17/64/49-Lst 1—Kum S. Sen, Officiating Branch Manager, Films Division Bombay has been allowed by the Competent Authority to officiate in the same capacity beyond 9th July, 1982 to 13th August, 1982 vice Shri P. S. Rawtel, Branch Manager, granted extension of leave

V. R. PESWANI,
Assistant Administrative Officer
for Chief Producer

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Fandabad, the 1st October, 1982

No A-19025/6/82-A III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Dilip Kumai Sinha has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur with effect from 30-8-1982 (FN), until further orders.

#### The 4th October 1982

No A. 12028/8/79 AI—The post of Deputy Ducctor (Refrigeration) (General Central Service Group-A) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 in the Directorate of Marketing & Inspection is re-designated as Seniol Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) with immediate effect

(Authority: Ministry of Rural Development letter No. 1-1/82-AM, dated 4-9-1982).

G. S. SHUKLA,
Agricultural Marketing Adviser to the
Government of India

# BHARAT ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 29th September 1982

No. PA/79(4)/80-R-III—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Govind Vishnu Mandke, officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on ad-hoc basis in this Research Centre for the period from 22-7-1982(FN) to 31-8-1982 (FN).

#### The 4th October 1982

No Ref. PA/79(4)/80-R-111.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shi Abdul Karim Mohiuddin Naik, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer (Rs. 650-960) in this Research Centre on ad-hoc basis for the period from 23-8-82 (FN) to 22-9-82 (AN)

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th September 1982

No PPED/4(851)/80-Adm/12908.—Consequent on his resignation Shri N Padmanaban, Scientific Officer/Engineer Grade-SB in this division relinquished charge of his post in this Division with effect from the afternoon of Jaunary 30, 1982

B. V THATTE, Administrative Officer

#### NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bullandshahi, the 7th October 1982

No. NAPP/Adm.1(103)/82-S/11931—On attaining age of superannuation Shri Prækash, permanent Supdt. and temporary Asstt Personnel Officer officiating as Administrative Officer II in NAPP, on adhoc basis, retired from Government Service wef the afternoon of September 30, 1982.

R. K BALI, Administrative Officer-III

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay 400001, the 24th September 1982

No. DPS/21/1(2)/78-Est /20699 — The Directorate of Pulchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shii Shashikant Narayan Deshmukh, a permanent Purchase Assistant to officate as an Assistant Purchase Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-ISB 35-880-40-1000-EB-40-1200 from 29-4-1982 (FN) to 31-8-1982 (AN) and in a regular capacity with effect from 1 9-1982(FN) in the same Directorate until further orders.

#### The 29th September 1982

Ref. No. DPS/23/5/79-Est /30032 — The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shii Kannampara Thatri Lakshmanan, a permanent Ji P. A and officiating Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810 EB-35 880-40-1000-EB-40 1200 from May 3, 82(FN) to June 12, 82(AN) in the same Directorate vice Shri V S Ramaswamy, Assistant Purchase Officer promoted as Purchase Officer

#### The 30th September 1982

Ret No DPS/23/4/82-Est/30077—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Krishnan Lal Ahluwalia, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810 EB-35 880-40 1000-EB-40 1200 from August 10, 82(FN) to September 10, 82(AN) in the same Directorate vice Shri S. S Pradhan, Assistant Purchase Officer, granted leave.

Ref No. DPS/23/3/82-Est/30081—The Drector, Drectorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from May 3, 82(FN) to June 2, 82(AN) in the same Directorate vice Shii I P. Menon, Assistant Stores Officer, granted leave

K P. JOSEPH.
Administrative Officer

### OLLICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th September 1982

No. A-32013/13/82-EA—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. Lakra, Deputy Director, Bombay Airport as Regional Controller of Aerodromes, Bombay Airport, with effect from 1-10-1982 and until further orders.

O. P. JAIN,
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 29th September 1982

No A,32013/11/80-EI—In continuation of this Office Notification No. A. 32013/11/80-E.I, dated the 15-6-1982 the President is pleased to appoint the following officers to the post of Director of Communication on an adhoc basis upto the period indicated against their names:—

S. No.	Name	Period		Station of
<b>9.140.</b> 14a		From	то	posting
1. Shri 1	M.S. Krishnan	1-1-82	31-10-82	Madras
2. Shri F	K. Tekchandani	1-1-82	31-10-82	Palam

O. P. JAIN

Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 25th September 1982

No. A.38013/6/82-EC.—Shii B. P. Pramanick, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aero, Comm. Stn Calcutta of Aero, Comm. Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office on retirement on 31-8-82(AN) on attaining the age of superannuation.

#### The 5th October 1982

No. A.32014/2/82-EC. —The president is pleased to appoint Shri P.K. Das, Communication Assistant in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 w.c.f. 29th April, 1982 and to post him to ACS, Calcutta.

PREM CHAND,

Assistant Director(Admn)

#### New Delhi, the 1st October 1982

No. A.12025/1/80-EW.—On the basis of recommendation of Umon Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Paramu Rajendran to the post of Electrical & Mechanical Officer in the Civil Aviation Department in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300, in an officiating capacity with effect from the 16th September 1982 (Lorencon) and until further orders

Shri Paramu Rajendran is posted to the Electrical & Mechanical Workshop, Safdarjung Airport, New Delhi.

THAKAR DAI'T Assistant Director of Administration.

#### New Delhi, the 7th October 1982

No. A-32013/3/80-ES.—The President is pleased to appoint the following four officers in the grade of Dy. Director controller of Aeronautical Inspection on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 19-2-1982:-

- 1. Shri S. Ranjan
- 2. Shri V. D. Sethi.
- 3. Shri T. C. Ahluwalia
- 4. Shri C. V. Swaminathan.

#### The 8th October 1982

No. A.31013 '5/81-ES.—The President is pleased to appoint the undermentioned four officers in a substantive capacity in the guade of Air Safety Officer (Engg.) in the Civil Aviation Department with effect from the dates shown against their name:

- 1. Shri L. N. Lall-5-9-1981
- 2. Shri M. L. Nagar-5-9-1981
- 3. Shri B. K. Srivastava---5-9-1981
- 4. Shri Jai Vir Singh-11-9-1981

J. C. GARG Asstt. Director of Administration.

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

#### DEPARTMENT OF CAMPANY AFFAIRS

#### COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

Chandigarh, the 1st October 1982

No. G/STAT/560/5742.—Whereas Bishan Singh Jaswant Singh Company (P) Ltd. in Liquidation having its registered office Dayal Villa Patiala is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to behave that no liquidator is acting the affairs of the company have been completely wound up and that Statement of Accounts (return) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months:

Now, therefore, in pursuance of the provision of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s Bishan Singh Jaswant Singh Company Pvt. Ltd. will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

B. M. Jain, Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh

#### Gwalior, the 6th October 1982

No 1227/C.P./2485.—In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. NEERJA INVESTMENT AND TRADING COMPANY PRIVATE LIMITED.

Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/s Neerja Investment and Trading Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

S. k. SAXENA, Registrar of Companies, Madhya Pradesh Gwalior.

#### INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 5th October 1982

No. F.48-AdA(T)/82.—(1) Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1982, dated 15th May, 1982, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi with effect from 16-8-1982 to 22-8-1982 (Afternoon) and as Assistant Registrar Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack from 23-8-1982 to 15-11-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade

No. F. 48-Ad(AT)/82.—(2) Shri Surendra Prasad, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench Bangalore on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the 16th May, 1982 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1982, dated

15th May, 1982 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bangalore Bench, Bangalore with effect from the 16th August, 1982 to 15-14-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. Prasad, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGI A, President

#### CORRIGENDUM

A. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 569 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2459 of SRO Pathanamthitta' instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".

- B. The 'Schedulc' portion of the notices (in English and 17md) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 570 published in the olificial gazette dated acts June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2477 of SRO, Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".
- C. The 'Schedule' portion of the notices (in English and 1991) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 571 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2494 of SkO, Pathanamthitta" instead of "11 cents of land with a building in Sy. No. 216/1A of Pathanamthitta village".
- D. The 'Schedule' portion of the notices (in English and Hindi) pertaining to initiation of acquisition proceedings related to L. C. No. 572 published in the official gazette dated 26th June 1982 may be read as "2.75 cents of land and part of building as per schedule attached to document No. 2494 of SRO, Pathanauthitta" instead of "11 cens of land with a building in Sy. No. 216/JA of Pathanauthitta village".

P. J. THOMASKUTTY
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 3|Ian|82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
No. 2A. situated at Subramaniapuram Pallivasal Street,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 393[82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-uid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mertion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) B. Sikkandar Khan,
   S. Mahboob Begum,
   2, Pallivasal Lane Subramaniapuram,
   Madurai.
  - (Transferor)
- (2) Haroon Gulzar Begum 36 Zarikaikara St. Madurar-625 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building No. 2A, Pallivasal Lane, Sbramania-puram, Madurai. (document No. 393/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 17-9-1982.

(1) B. Sikkandar Khan,

S. Mahboob Begum,
2, Pallivasal Lane Subramaniapuram,
Madarai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Haroon Gulzar Beguin, 36 Zarikaikara St. Madurai-625 001.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR.

621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 4 Jan 82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 1968 1A situated at Pallivasal Lane Subramania-puram Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 395 82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

puram. Madurai (Document No. 395|82).

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Aet, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land in S. No. 1968 1A, Pallivasal Lane, Subramania-

S. LAHIRI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1982.

FORM ITNS ---- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1.

KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 5 Jan 82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 2, situated at Pallivasal Lane Subramaniapuram Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Document No. 278|82) on January 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income( or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-306 GI/82

(1) B Sikhandar Khan

S. Mahboob Begum,
2 Palliyasal Lone Subtaman

2. Pallivasal Lane Subtamaniaputam, Madurat.

(Transferoi)

(2) Haroon Gulzar Begum, 36 Zarikaikara St. Madurai-625 001,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building No. 2 Pallivasal Lane, Subramanta-puram Madurai—TS No. 1968 A1. (Document No. 278 82),

S. LAHIRI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-6

Date: 17-9-1982.

(1) K. V. Thiagarajan. 116 Dr. Rangachari Road, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G. Kanakarajan, 12, Tiruparankundram Road, Madurat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

KANNAMMI BUILDING lInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 13|Jan|82.—Whereas, I, S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS No. 159|4 pt & 7 pt, situated at Tallakulam Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Document No. 222|82) on January 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent comideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in RS No. 159/4 pt & 7 pt—Plot No. 418, Tallakulam Madurai. (Document No. 222/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 17-9-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th September 1982

Ref. No. 14|Jan|82.—Whereas I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. RS No. 159]4 pt & 7 pt, situated at Tallakulam Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tallakulam (Document No. 223|82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the padties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. V. Thiagarajan, 116 Dr. Rangachari Road, Madras.

(Transferor)

(2) Sri G. Kanakarajan, 12, Tiruparankundram Road, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 418 in RS No. 159|4 part & 7 part Tallakulam, Madurai. (Document No. 223|82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 17-9-1982.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006-the 18th September 1982

Ref. No. 18 Jan 82.—Whereas, I. S. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55, situated at Mulla Sahib St Sowcarpet Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SOWCARPI T (Document No. 36/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C M Padmavati, C M Nagarajan, C M Nageswaran, C M Nageswari, C M Nagapadmini, 19 Mulla Sahib St Madras-1.

(Transferor)

(2) H Pukhraj Jain, Sunderdevi, 199, Minxt Street, Madias-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building 55 Mulla Sahib St. Sowcarpet Madras-1. (Document No. 36/82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 18-9-1982.

Sent:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR,

621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006-the 18th September 1982

Ref. No. 51|Jan<sub>1</sub>82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. 1 & 2, situated at Infantry Road, Vellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore (Document No. 51|82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) iscilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- P J S A Ganesa Chettiar, Balayee Ammal, Vatsala Ammal, Selvaraj, Rajendran, Ravichandran, 3, Gurumurthy Iyer Street, Saidapet, Vellore.
- (2) V P Sampath, Rujeswari Ammal, Senthilkumar, 15, Perumal Koil Street, Velapadi Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & building 1 & 2 Infantry Road, Vellore (Document No. 51|82).

S. LAHIRI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6

Date: 18-9-1982

(1) M. R. Gnanaprakasam Menasi Post, Arur Taluk.

(2) C Chennaiyan & Maikkannan

Menasi Post, Arur Taluk.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING JIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1982

Ref. No. 52/Jan/82.—Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 226/1, situated at Menasi Post Arur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Babireddipatti (Document No. 81/82) on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land—S. Vo. 266/1 Menasi Village. (Document No. 81/82)

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-6

Date: 18-9-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIN4 FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1982

Ref. No. 53/Jan/582.-Whereas, I, S. LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 266/1 situated at Menasi Post Arur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Babireddipatti (Document No. 82/82 on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M R Sundaramurthy Menasi Post, Arur Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Chinnammal Menasi Post, Arur Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 266/1 Menasi Gramam. (Document No. 82/82)

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecitng Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Madras-6

Date : 18-9-1982 Seal : FORM NO. I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 19th September 1982.

Ref. No. P.R. No. 2088 Acq. 23/1/82-83.—Whereas, I, SHRI R. R. SHAH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Suchak Sadan Ward No. 6, Sheet No. 142 situated at Rajpura Ward No. 6, Near Cricketer Amarsinghji Rd. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 28-1-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said  $A\varepsilon\iota$  I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

 Smt. Sumitraben Pradhanbhai Suchak et through L. R. Dilip Jayantilal Thakkar 111-A, Mahatma Gandhi Road, Fort, Bombay.

(Transferor)

 Shri Mansukhlal Panchand & Others, C/o Bipinkumar Jayantilal, Danapith, Rajkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and texpressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being building named 'Suchak Sadan' situated at Ward No. 6 of Rajpura registered by Sale Deed R. No. 568 dt. the 28-1-1982 by S.R. Rajkot.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 19-9-1982 Seal :

(1) Sri Mohd Sakhawat Ali & others 11-3-946 New Mallepally Hyderabud

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

S/o Mohd Saleem Mohiuddin Mis. Salma Rehman W/o S. Aljaz ur Rehman 11 5-559 Red Hills, Hyderabad

(2) Mr. Mohammed Jameel Mohiuddin

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, HYDI RABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No RAC/171/82-83 --- Whereas, I. M JFAGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 8-2-681/A 6 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khantabad on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :- -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H &o. 8-2-681//A/6 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad area 1100 sq. yards registered with Sub-Registrar khai tatabad vide Doc. No. 89/82.

M. JEAGANMOHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad

Date: 18-9-1982

Seal

22-306GI/82

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC/72/82-83—Whereas, I, M. JEAGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-191 to 200 situated Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nawsha Noshir Jain Wala and Rati Keki Dadabhoi, 17, Motibagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Assandas Hassan and Dialani, Hyderali Aziz Jiva, Sadruddin Kara, Ashokkumar Sagarmal Malhara M/s. Jagani Enterprises, No. 210 Gundecha Chamber, 4th Bombay-400023.

(Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1-8-191 to 1-8-200, Penderghast Road, Secunderabad (143/B, Macintyre Road) Area 543.50 Sq. Yds. Regd. Sub-Registrar, Secunderabad vide D. No. 3/82.

M. JEAGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad

Date . 18-9-1982 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC/73/82-83.—Whereas, 1, M. JEAGANMOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. 8-2-333/B situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mr. Naaz Rizwan Hasan
 D/o Sri Mohd Abdul Hasan
 Pr. M/s Andhra Pradesh Construction Co.
 10-3-304/12 Humayun Nagar, Hyderabad.
 (Transferor)

(2) Mr. Mohd Omer
 S/o Mohd Abbas
 11-5-566 Red Hills, Hyderabad.
 2. Mohd Osman Adil
 S/o Mohd Abbas
 11-5-566 Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Portion house No. 8-2-333/B Road No. 3 Banjara Hills, Shaikpet Hyderabad area 183 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 511/82,

M. JEAGANMOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
Hyderabad

Date: 18-9-1982.

Scal:

#### FORM ITNS-----

(1) Shri Nagarjuna Co-op. Housing Society Rep. by R.V.S. Raju, R/o 6-3-354/8/5, Hindinagar Colony, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri I. Ramakrishna Raju, Pippara (via) T.P. Gudem, (WG District)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 174/82-83,—Whereas, , M. IEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. plot situated at Punjagnita Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration

Officer at Hyderabad on January 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested ni the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 77, Area 870 Sq. Yds. at Punjagutta, Hyderabad registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Document No. 468/82,

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

#### Smt G Kamalavallı Tayaramma W/o G Radhaktıshna Rao Nampally Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDLR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt A Sita Rama Laxmi W/o A Subba Raju R/o Kompally village

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 175/82.83 --- Where is 1 M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Land situated at Bahadur pally village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Modehal on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value

officer at Modchal on January 1982

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value
of the property is itoresaid exceed the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expues later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXITANTION —The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bahadui pally 26Ac 12 guntas registered with Sub Registrat Medchal vide Doc No 591/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(AP)

Date 18-9-1982 Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said \ct, to the following persons, namely —

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P). Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. 176/82-83.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and \(^{\sigma}\)

bearing No. land situated at Kanchanbagh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Judian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Dayakar Reddy, 3-5-926/15, Himayatnagar Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Ratna Defence Laboratories Employees Co-operative House Building Society Ltd., C/o D. R. D. L. P.O. Kanchanbagh, Hyderabad-500258.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Ward No. 18, Blockk No. 8 Area 7 acres 12 guntas Regd. with Sub-Registrar, Azampura, vide L. No. 58/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri Krashan Naram Road No. 2 Banjara Hills Hyderabad

(Transferor)

(2) Kum. D. Hemalaya Kumari T' Uagar Madras

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 177/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. land situated at Banjara Hills Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Hyderabad on January 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d'sclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dats of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land area 597.3 sq. yards at Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 215/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

Scal:

(1) Smt. Krishna Naram Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kum. D. Mimalaya Kumari R/o T. Nagar Madras

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 178/82-83—Whereas, I M. JEGANMOHAN, being the Competent Authority under Section 296B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on January 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land area 597.5 sq. yards Road No. 2 Banjara Hills, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Dec. No. 208/82

M. JFGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 18-9-1982

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC179/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

Land situated at Saidabad Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad On Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

((1) Sri M. Vikrutam, S/o M. Sattaian GPA Dr. J. Rameswara Rao, 106/B, Santos Nagar Col. Hyderabad.

(Transferoi)

(2) M/s Van Co-op. Housing Society. Rep. by D. Satyanarayana, 8-105, Shantinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 202 to 205—Area 30 guntaz at Saidabad. Regd with Sub-Registrar, Hyderabad. Vide D. No. 114/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
2—306GI/82

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC180/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Banjara Hyd,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Hyderabad on Jan, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Miss Shehla Hussain
 D/o Riazat Hussain 8-2-697/10
 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad 500034.

(2) Dr. Mrs. Khatija W/o Mansoor Quli Khan Amroati Road, Nagpur GPA Masood Quli Khan 8-2-697/10 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad-500034.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of plot No. 9 Road No. 12 Banjara Hills, Hyderabad 34 area 179.58 sq. yards registered with Sub-Registrav Hyderabad vide Doc. No. 84/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 18-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC131/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/and bearing No. Plot situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 / of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforezaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Mss Ayosha Hussain 8-2-697/10 Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad 34

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Khatija Rep by GPA Msood Quli Khan 8-2-697/10 Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12 Banjara Hills, Hyderabad erea 611.38 sq. yards registered with Sub-Registrar vide Doc. No. 83/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 18-9-1982

Senl:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC182/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Amirpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri R. M. Bhisma S/o R. V. Marthan 2/5 Hindustan staff quarters G. B. S. Marg Vikroli Bombay.

(Transferor)

(2) Sri T. Santhosh Kumar S/o T. Shivalingam B/101 Gandhinagar Secunderabad

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land area 920.37 sq. yards (No. 8) survey No. 198 at Amirpet Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 74/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC183/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Kukapally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeraid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 M. Rajamma, W/o M. Chandraiah, H. No. 1-97, Kukatpally, R. R. District.

(Transferor)

(2) M/s Images, Rep. by Smt. Ch. Rama Devi, W/o Sri Ramoji Rao, Eenadu Compound, Somajiguda, Hyderabad

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Block No. 1 Area 734 Sq. Yds. Kukatpally Regd. with Sub-Registrar, R. R. District. Vide D. No. 4/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-9-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Nerasimhulu, S/o M. Chandraigh H. No. 3-107, Kukatpally, R. R. District.

(Transferor)

(2) M/s Images Repl by Smt. Ch. Ramadevi, W/o Sri Ramuji Rao, Ednaadu Compound, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P). Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 184/82-83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land situated at Kukatpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Area 734 sq. vards Survey No. 832, Kukatpally Taluk, Registered with Sub-Registrar. Rangareddy Ot. vide Document No. 5/82.

M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 185/82 83.—Whereas, I, M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kukatpally (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:

 M. Lingarao, S/o M. Chandraiah, H. No. 3-87, Kukatpally, R. R. District

(Transferor)

(2) M/s. Images, Rep. by Smt. Ch. Rama Devi, W/o Ramoji Rao, Eenadu compound, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Block No. 3 Area 734 Sq. Yds. at Kukatpally, Regd. with Sub-Registrar, R. R. District vide Doc. No. 6/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N.S .-

M. Krishna Rao,
 S/o M. Chandraiah,
 H. No. 1-97, Kukatpally,
 R. R. District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Images, Rep by Smt. Ch. Ramadevi, W/o Ramoji Rao, Eenadu compound, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P). Hyderabad, the 18th September 1982

Ref No. RAC 186/82-83.—Whereas, I M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B- of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Kukatrolly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land Block No. 4 Area 734 Sq. Yds, Kukatpally, Regd. with Sub-Registrar, Rangareddy District vide D. No. 7/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabrd(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M.Janardhan Rao, S/o M. Chandraiah, 3-111 Kukatpully R. R. District.

(Transferor)

 M/s Images Rep. by Ch. Rama Devi Eenadu compound, Somajiguda Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P).

Hyderabad, the 18th September 1982

Rcf No. RAC 187/82-83.—Whereas, I M. Jeganmohan being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land situated at Kukatpally

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Block No. 5—Area 734 sq. Yds. Kukatpally, Hyderabad—Registered with Sub-Registrar, R. R. District vide D. No. 8/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24-306GI/82

Date: 18-9-1982

Seal: -

FORM I,T,N,S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Nizamunnisa Begum, GPA A. Natender & M. Ellaiah, 23-6-431, Gowlipura, Hyd'bad.

(Transferor)

 M/s Hindustan Aeronautic Employees Co-op. Society, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 188/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Hafeezpet, Hyd.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land. Survey No. 77 Area 2 acres at Hafeozpet, Regd. with Sub-Registrau, R. R. District vide D. No. 264/82.

M. JFGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 189/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land situated at Hofcezpet, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. District on Jan. 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Hafizunnisa Begum, GPA A. Narender & M. Ellaiah, 23-6-431, Gowlipura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s, Hindustan Aeronautic Employees Co.-op. Housing Society, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 77. Area 2 acres at Hasizpet,. Regd. with Sub-Registrar, R. R. District. vide D. No. 265/82

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 18-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Ref. No. RAC 190/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land situated at Hafeezpet, Hyd.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at R. R. District on January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Hameeduddin, GPA M. R. Ellappa, Sultan Shahi, Hyd.

(Transferor)

(2) M/s. Hindustan Aeronautic Employees Co-op. Housing Society, Sccy. Sri R. M. Suri, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land in S. No. 77 Area 2 acres at Hafeezpet, R. R. Dist. Regd. with Sub-Registrar, R. R. District vide D. No. 266/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982,

Seal

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

R/o Naleshwan Village, Nizamabad Dt.

(1) Sri Narsing Rao Kulkarni,

(Transferor)

 Smt. Anasuya Bai, W/o G. Laxminarayana, 5-6-510/4, Pochammagalli, Nizamabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 18th September 1982

Rcf. No. RAC 191/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-6-510, situated at Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 5-6-10 at Shahlane, Nizamabad, Regd. with S. R. O. Nizamabad. vide D. No. 148/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 18-9-1982.

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 16th September 1982

Ref. No. RAC 192/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Kallur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnool on Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Chandra Sekharappa, 8/163, B-peta, Kurnool.

(Transferor)

(2) Ganga Gouri Co-op. House Boulding Society, R/o T. Seshanna, S/o Ramanna, Ajantha Hotel, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 155 to 157 Area 4 acres 50 cents, at Kallur village. Regd, with Sub-Registrar, Karnool, vide D. No. 416/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 18-9-1982.

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAME ROAD, POONA 4

Pune, the 23rd September 1982

Ref. No. CA5/S.R.Haveli II/753/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Appartment no. 1, ground floor of Manali Appat, situated at Pno. 421-B&CTS no. 1071 S. N. Pune-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Haveli 11 on 22-1-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. VITHALRAO, 10 Vishrambaug society, Senapati Bapat road, Pune-16. 2. Smt T. H. Poonawala, 931 Budhwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

Shri F, F. Furniturewalla,
 Shri N, F. Furniturewalla,
 Shri S, F. Furniturewalla,
 Manali Apartment,
 421/13 CTS no. 1071 Shivajinagar,
 Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichevery period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Apartment no. 1 on the ground floor of Manali Apartments situate on F. P. No. 421/B & CTS no. 1071, Gokhaleroad, S. N., Pune-16.

(property as described in the sale deed registered under document no. 6965 in the office of the Sub Registrar Haveli II on 22-1-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 23-9-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 15th September 1982

Ref No. 11I-580/Acq/82-83.--Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property.

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 208/476 (New 714/554, 715/554A, 716/554B), Circle No. 13, Survey Plot No. 610, Sheet No. 54, ward No. 5 (old), situated at Kadamkuan,

P. S. Kadamkuan, Distt. Patna.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 22-1-1982.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Prasoon Kumar Samaddar, S/o. Dr. Sourendra Nath Samaddar, R/o Mohalla-Kadamkuan, P. S. Kadamkuan, Distt. Patna.

(Transferor)

- (2) M/s Neeiaj News Papers Associates (Pvt) Ltd. Through its Directr, Sti Vishwanath Saraf, R/o Naugachia, P. S. Naugachia, Distt. Bhagalpur.
  - 1. Half portion of ground floor of the existing property and vacant land in the possession of transferee. 2. (a) Half portion of ground floor basement in the possession of M/s. Ram Narayan Badri Das. (b) 1st & 2nd floor in the possession of sub-tenant of M/s Ram Narayan Badri Das—Prajapita Brahmakumari Ishwari Vishwavidyalaya, Charitta Nirman Sangrahalaya.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land 9 kamas 1 dhut and 5 dhurkis with triplle storeyed pucca building situated at Kadam Kuan, P. S. Kadam Kuan, Distt. Patna and morefully described in deed No. 750, dt. 22-1-82 registered with DS.R., Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

## ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/479/81-82.—Whereas, I, R, K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Building at Plot No. 7, Sector 25, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 25---306GI/82

(1) M/s Bhastu Mal Ram Kishan, 2885-2886, Bazar Sirkiwalan, Delhi-6, through

1. S/Sh. Ram Kishan Gupta S/o Sh. Bhartu Mal Gupta, 2. Buj Mohan Gupta, sons of Sh. Ram Kishan Gupta.

3. Man Mohan Gupta, sons of Sh. Ram Kishan Gupta.

4. Parmod Kumar sons of Sh. Ram Kishan Gupta. 5. Pardcep Kumar sons of Sh. Ram Kishan Gupta. (Transferor)

(2) 1 Smt. Sharda Ghai W/o Sh. Y. K. Ghai, Sh. Ajay Ghai S/o Sh. Y. K. Ghal.
 Sh. Vijay Ghai S/o Sh. Y. K. Ghai, all rs/o of H. No. 366-67, Nehru Ground, NIT, Fardabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being building and plot situated in Sector 25, Faridahad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13910 dated 28-1-1982 with the Sub. Registrar, Ballabgarh

> R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

Seal

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

INCOME-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Bangal Grain & Seeds Trading Co. Private Limited, 11 Shiv Thakur Lane, Calcutta.

(1) Shri Surender Singh S/o

Shri Om Parkash S/o Shri Kartar Singh, Vill & PO Jakhoda.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, D. 1. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. BDR/30/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000 /- and bearing

I and measuring 4 kanals Situated at Vill. Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FAULANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the ame meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanal situated at village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2766 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Bahadugath.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dat : 17-9 1987. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE
D. L. F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. BDR/31/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 26 kanals situated at Vill Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sultan Singh S/o Sh. Ganga Ram S/o Shri Jai Ram R/o Vill. & P. O. Jakhoda.

(Transferor)

(2) M/s Bangal Grain & Seeds Trading Company Private Limited, 11 Shiv Thakur Lane, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 kanals situated at Village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2367 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar, Bahadurgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Rcf. No BDR/32/81-82.—Whereas, I, R, K, BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Land measuring 29 kanals 13 marla situated at Vill, Jakhoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahadurgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shi Sultan Singh S/o Sh. Ganga Ram S/o Shri Jai Ram, R/o Vill. Jakhoda.

(Transferor)

(2) M/s Kanpur Ganny Traders, 51/56, Shanker Patti, Sitaram Market, Kanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

I API ANAFION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given, in the Chapter,

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 kanals 13 marla situated at Village Jakhoda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2365 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar. Bahadurgarh,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D. 1. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. GRG/263, 81-82. –Whereas, 1, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 120 kanals situated at Khurampur tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offic of the Registering officer at Gutgaon in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the Lan market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhara Ram,
 S/o Vasanda Ram,
 Malviya Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Shiv Laj Singh, Surender Kumar, Suresh Kumar sons of Sh Balbir Singh, R/o Jawalaheri Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoviable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 120 kanals situated at village Khurampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3745 dated 11-1-82 with the Sub Registrat, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 17-9-1982

-<del>----</del>---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. GRG/262/81-82.--Whereas, I, R, K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 340 kanals I maila situated at Village Khurampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhara Ram S/o Vasanda Ram, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shi Vishan Singh S/o Sh. Piru Mal, Mukesh, Vinor S/o Sh. Vishan Singh, Kamlesh Wd/o Sh. Randhir Singh, 403 Haider Kuli, Chandni Chowk, New Delhi. Sh. Shivtaj Singh, Suresh Kumar, Surendsr Kumar S/o Shri Balbir Singh, R/o Jawalaheri (Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 340 kanals 1 marla situated at Village Khurampur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3744 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-9-1982

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shir Naiendeia Dev Kalra, S/o Shri Thakar Dass Kalra, 26 New Colony, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Krishan Devi W/o Shri Asha Nand Gera, Shop-cum-flat No. 6, New Colony, Gurgaon.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANK D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No GRt /266/81-82 -- Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 15,000 's and bearing No.

Shop-cum flat No 6 situated at New Colony, Guigaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gurgaon in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affine aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being Shop cum flet No 6 New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at N. 3779 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition range, Rohtak

Date : 17-9-198?

#### FORM ITNS- - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE D. L F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No KNI /92/81-82 — Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 2 bigha Situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Jan 82

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nairce under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shir Prithi Pal Singh S/o Sh. Raghbir Singh Smt. Amir Kani W.o Sh. Prithipal Singh Shri Satinderpal Singh S/o Prithipal Singh R/o 159 L. Model Town, Karnal.
- (2) Smt Avtar Kaur W o Sh Dayal Singh Smt Rajinder Kaur W, o Sh Pritam Singh, Smt. Baljit Kaur W/o Sh Mohinder Singh, Sh. Parjit Singh S/o Sh Piara Singh R/o XVIII-354, Char Chaman, Karnal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 bigha situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No 5257 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Karnal

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date · 17-9-1982 Seal ·

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE D. L. F. COLONY, ROHTAK

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/93/81-82.—Whereas J, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and

bearing No.

H. No. E-150/4, Mughla Mohalla, Situated at Karnal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsedaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—306GI/82

(1) Shri Dayala Ram S/o Sh. Kala Ram, Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Dayal Singh, R/o H. No. E-150/4, Mughla Mohalla. Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Bhoja Ram S/o Bishaka Ram, H. No. F/100, Meera Ghati, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being H. No. E-150/4. Mugla Mohalla, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5215 dated 27-1-82 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition range, Rohtak

Date: 17-9-1982

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE D. L F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/103/81-82 —Whereas, I, R. K. BHAYANA

treing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No

House No. 288/Houring Board Colony, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Trilok Nath Kapoor S/o Shri Nathu Ram Kapoor, K. T. Road, Kamal.

(Transferor)

(2) Shri Siri Ram Ahuja S/o Shri Thakar Dass, House No. 288 MfG, Housing Board Colony. Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being House Non. 288, Housing Board Colony, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4965 dated 13-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range, Rohtak

Date: 17-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/104/81-82.—Wheraes, I. R. K. BHAYANÁ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land measuring 20 kanals 19 marla situated at Gharaunda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Satwant Singh S/o Sh. Kartar Singh, r/o Gharaunda Teh. Karnal.
  - (Transferor)

(2) Sh. Sohan Lal S/o Rulia Ram, Smt. Ladha Rani W/o Sh. Sohan Lal, Sh. Brij Lal, Barjesh Kumar, Subhash Chand, Rajesh Kumar Ss/o Shri Bhani Parkash, R/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 20 kanals 19 marla situated at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4876 dated 8-1-1982 with the Sub-Registrur, Karnal.

> R. K. BHAYANA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KNL/111/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

bearing No. Land measuring 3 bigha 10 bishwas situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Raj Singh, Rajbir Singh S/o

Sh. Sham Singh, Smt. Raj Dulati D/o Sh. Sham Singh,

S/o Amer Singh, R/o Mohalla Jatan, Karnal City.

(Transferor)

(2) Sh. Chand Murti, Kishoi Lal Ss/o

Sh. Ram Lal Sharma,

Sh. Baldev Raj S/o Sh. Des Raj Shatma, Sh. Samat Singh S/o Panna Lal S/o Rama Nand, R/o Shiv Colony, Karnal City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 10 bishwas situated at Kainal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4746 dated 1-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal.

> R, K, BHAYANA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Robtak.

Date: 17-9-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sh. Phool Singh S/o Vishna R/o Moonda Majra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No. JDR/83/81-82.—Whereas, f, R K. BHAYANA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1 and measuring 10 bigha 10 bishwas,

situated at Munda Majra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at lagadham in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Ram Ramdhari Mal Atma Ram Radeur Road, Yamunanagar Teh. Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bigha 10 Bishwas situated at Munda Majra and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6046 dated 12-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. JDR/84/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No. Land measuring 1000 sq. yards

situated at Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Yashpal S/o Pt. Siya Nand Lal R/o Gobindpuri Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Dharam Singh S/o Lachhman Singh,
2. Sh. Sewak Singh,
3. Sh. Dhanwant Singh Sh. sons of Dharam Singh

3. Sh. Dhanwant Singh Sh. sons of Dharam Sing C/o New Janta Saw Mills, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1000 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6024 dated 11-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-9-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## S/o Shri Mam Raj R/o Rajputana Hanuman Gate, Jagadhari. (Transferor) (2) Sh. Inder Lal Gambhir S/o Sh. Baisakhi Ram

(1) Sh. Munna Singh S/o Sh. Nasib Singh

R/o Sargodha Colony, Near Geeta Bhawan, Iagadhari.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/97/81-82.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land measuring 1 kanalas 131/2 marla situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Jagadhari in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pcrsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 kanal 131/2 marla situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6391 dated 28-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari,

> R. K. BHAYANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. JDR/109/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Land measuring 161/2 biswas

(about 825 sq. yds) situated at

Gobindpura, Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 S/Sh. Naresh Kumar, Ashok Kumar, Dalip Kumar sons of Sh. Nar Singh R/o Gobindpura, Tch. Jagadhari.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Swiender Fol S. o Shri Manohar Lal 236-L Model Town, Yamunagar.
2. Sh. Varinder Kumar S/o Sh, Ved Parkash R/o 236-L, Model Town, Yamunanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- Property being land measuring 161/2 bishwas at Gobind-pura Teh. Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6426 dated 28-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. BWN/15 81-82 —Whereas f, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building

situated at Near Malluwara Johar, Bhiwani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhiwani in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly used in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

27—306GI/82

- (1) Smt Neelam Gupta W/o Sh Naresh Gupta, Street Chirmaian Bhiwani.
- (2) I. Sh. Todar, M.J. Kejriwol, 2. Sh. Rattin Kumai Kejriwal, sons of Sh. Chandu Fal KEJRIWAL, R. 6 Bhiwani.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being building situated at near Malluwara Johan Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2722 dated 13-1 1982 with the Sub-Registrar, Bhiwani.

R. K. BHAYANA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak.

Date . 16-9-1982

Scal:

#### FORM NO ITNS.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref No BWN/16/81-82—Whereas, I, R K BHAYANA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Land measuring 5 kanals 10 marlas

situated at Bhiwani

(and more fully described in the Schedule annexed hreeto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhiwani in Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

- (1) Sh Satya Narain S/o Pameshwar Dass R/o Bhiwani Prahlad Ram, Sham Sunder Ram Chander, Siri Ram, Smt Laxmi Bai, Narvada D/o Bansi Dhai S o Hari Bakas R/o Bhiwani
- (2) Sh. Niranjan I al. S/o Ram Kumai etc. R/o Bhiwani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 kanals 10 mails situated at Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No 2839 dated 25 1 1982 with the Sub-Registrar Bhiwani

R K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Robtak

Date · 17-9-1982 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. RWR/91/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Land area 58 kanalas 8 marla

situated at Dharuhora

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Rewai in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Deena Mangat Ram S/o Sh. Kundan Ad. S/o Ram Dass R/o Dharuhera.

(Transferor)

(2) Sh. Dalbir Singh Sethi S/o Sh. Sohan Singh Sethi, H. No. 16/9, Kalka Ji. Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 58 kanals 8 marla situated at Dharuhera and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2735 dated 4-1-1982 with the Sub-Registrar, Rewari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 17-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No HSR, 137/81-82. -Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. SCF 95, situated at New Rajguru Market, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in Ian. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the partle-has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Ram Saran S/o Sh. Nand Lal Kamla Nagar, Hissar Cloth Merchant, Gandhi Market, Hissar. (Transferor)

(2) Sh. Mahesh Mohan S/o Sh. Havi Chand R o Sachdeva Bhawan Near Jahajpul, Hissar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withln 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAMATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being shop No. SCF-95, New Raiguru Market, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4745 dated 11-1-1982 with the Sub-Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dar 18 9 82 Seal :

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak the 18th September 1982

Ref. No. RTK 66, 81-82—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Plot No. 3, area 364 sq. yds situated at Hari Nagar, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Rohfok in Jan 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Suresh Chand S/o Sh. Anand Sarup S/o Sh Vishan Sarup R/o H. No. 115 Waid No 5, Puish Mohalla, Rohtak

(Transferor)

(2) Sh. Ram. Satup S. o. Sh. Karam. Chand Smt. Ram. Ditti. W. o. Sh. Ram. Satup R./o. H. No. 430 Ward. No. 2, Toju. Colony, Rohtak.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot No 3 area 364 sq. yards situated at Hari Nagar, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No 5288 dated 12-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal

R K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Rohtak

Date 15 9 82 Seat.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. DL1/147/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. C-160, DLF. Model Town

situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ashok Kumar Kakkat E-20, Greater Kailash Encl-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Narain Singh, C-132, Greater Kailash-J, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot No. C-160, Model Town, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 67 dated 15-1-1982 with the Sub-Registrar, Delhi,

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak.

Date: 16 9 82

Scal:

(1) Sh. Parshant Jain S/o Sh. K. P. Jain, MJG, Flat No. 11-A Street Rajori Garden Latention, New Dellu.

(Transferor)

(2) Sh. Trilok Smgh S/o Sh. Jit Smgh, R o F-174, Kalka Ii. New Delhi.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. BGR, 450/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. Area 514.2 Sq. Yds situated at Model Lown, Faridabad market (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabyarh in Jan. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPI (NATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being plot No 70 area 514.2 sq. yds situated in Model Town, Sector-10, Faildabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13261 dated 8-1-1982 with the Sub-Registral, Ballabgath.

> R. K. BHAYANA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 16-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/151 81-82 -- Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>. 25,000/- and bearing No.

House situated at Industrial area, Paniput (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paniput in Jan, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the moperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11- of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Chander S/o Sh. Bhoja Ram, Bathala R/o Panipat.

(Transferor)

(2) 1 S Sh. Om Parkash.
2. Veer Arjan
3. Ashok Kumar sons of
Sh. Piara Lal R. o
Vill. Kanwall Teh. Jansath
Distt. Mussaffar Nagar (U.P.).

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house at Industrial Area, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6397 dated 21-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-9-82

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sh Naram Singh S/o Sh. bombe Lal, R/o Lanipat.

(Transferor)

(2) Smt. Surject Kaur W/o Col. Shiv Singh H No. 1294 Sec. 34-C, Chandigarh,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th August 1982

Ref. No PNP/163/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Sukhdev Nagar Market, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in Ian 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—306GI/82

Objections, if eny, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop at Sukhdev Nagar Market, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5747 dated 1-1-1982 with the Sub-Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-8-82

cal;

# FORM ITNS-

 Smt. Shanti Devi W/o Shri Vidya Dhar, H. No. 562/R, Model Town, Panipat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rimlu Giani W/o Shri D. P. S. Giani S/o Shri H. S. Giani R/o 1/2 Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/157/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understrand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No. 562/R, Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5870 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-9-82

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. PNP/132/81-82.—Whereas, I, R, K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. L/89, Model Town, Assandh Road, Panipat situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Parbati d/o Shri Kanshi Ram s/o Shri Ncki Ram Teh. & Distt. Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Subey Singh s/o Shri Bharat Singh Vill. Hari Nagar Nead Madloda Tch. Panipat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said 'Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop 1½ storey situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6946 dated 9-2-1982 with sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition, Range, Robtak

Date: 15-9-82

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 S/Shri Hanwant Singh, Balbir Singh, and Lal Chand ss/o Shri Rishi Singh s/o Shri Todar all r/o Vill. Sivah, Teh. Panipat.

(Transferor)

(2) S/Shri Anil Dutt, Sunil Dutt ss/o Shri Ramjas Dutt s/o Shri Nanak Chand r/o 25-L, Model Town, Panipat.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/150/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Land measuring 17 kanal 12 marla situated at Siyah

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.
Land measuring 17 kanal 12 marla situated at Sivah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982

Panipat in January, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property being land measuring 17 Kanals 12 marla situated at village Sivah Teh. Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6479 20-1-82 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 18-9-1982

# FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FOVERNMENT OF INDIA

 Shri Zile Singh s/o Shri Harphool S/o Shri Nag'na r/o Ashan Khurad Teh. Panipat.

(Transferor)

15271

(2) Shri Inder Singh, s/o Shri Vadawa Singh 2/5 share, Shri Gurdev Singh, s/o Shri Inder Singh 3/5 share r/o village Kabri Teh. Panipat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/154/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 42 Kanalos 9 marla situated at Sikanderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Panipat in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 lays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring land 84 kanals 19 marlas situated at Village Sikanderpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6283 dated 18-1-1982 with the Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/153/81-82.—Whereas, I, R. B. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 4 bigha 12 Biswas, situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Lal Chand, Ram Singh, and Nami Kishore, r/o Panipat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kasturi Lal, S/o
Shri Hukam Singh, s/o
Shri Sudar Dass 1/3 share.
2. Shri Prithvi Raj, Prem Nath, ss/o
Shri Chet Ram, s/o
Shri Rala Ram 2/3 share,
r/o Main Bazar, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of th's notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 bigha 12 bishwas Patti Hissar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6340 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

Scal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-1AX
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. AMB/65/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No.

Shop No. 6358 to 6361, Nohria Bazar, situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) S/Shri Prem Chand, Naresh Chand ss/o Shri Padma Sharda, Daya Kalia d/o Shri Laxmi Chand, . Shri Ashok Raj s/o Shri Hari Lal, Shri Rup Shobha s/o Shri Hari Lal, Smt. Bhag Rani Wd/o Shri Hari Lal r/o New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satpal Bhargawa s/o Shri Ralla Ram Shop No. 6358 to 6361, Nohria Bazar, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop No. 6358-6361 Ward No. 3 situated at Nohria Bazar, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4980 dated 5-1-1982, with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-9-1982

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. AMB/83/81-82.--Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 424 sq. yds. (14 marla) situated at Patti Kalalan (Ambala)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri Rajinder Pal & Surender Pal ss/o Shri Faqir Chand r/o H. No. 8423/5 Ambala City.

(Transferor)

(2) M/s. Sangat Samtand Branch, through Shri Babu Kum Mehta Samtayog Ashram, Jagadhari,

Shri Thakar Dass,

Shri Ram Sarup, Iron Merchant, Delhi. Shri Nar Singh Dass, Dehradoon, Shri Om Kumar, Dehaboon,

Shri Ram Narain, Jagadhari,

Shri Kundal Lal

s/o Shri Munshi Ram, Nadi Mohalla, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 424 sq. yards (14 marlas) situated at Patti Kalala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5023 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

# FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, D.I. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. AMB/84/81-82.—Whereas, I. R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Badshahi Bagh, Ambala Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ambala in January 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:--

29-306GI/82

aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following (1) Shri Lal Chand s/o Shri Kundan Ram 1/0 Vill. Nangal Teh. Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Dev Sharma s/o Shri Babu Ram r/o Nadi Mohalla, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house at Badshahi Bagh, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5002 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-9-1982

# FORM I.T.N.S .------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Harjit Bala d/o Shri Ram Lal s/o Shri Nanak Chand r/o Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Amerjit Singh s/o Shri Inder Singh, Ambala Cantt.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. AMB/85/81-82.—Whereas, I, R, K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-cum-house situated at Vill. Nangal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop-cum-house at Nangal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5475 dated 29-1-1981 with the sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely we

Date: 15-9-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th September 1982

Ref. No. JDR/86/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. C-IV-244/E, Civil Lines, situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sant Ram Kohli s/o Shri Sohan Lal Kohli r/o 244/C, Civil Lines, Jagadhari.

(Transferer)

(2) Smt. Pushpa Kumari w/o Shri Jugal Kishore s/o Shri Diwan Chand, r/o 194-A, Dharampura Colony, Jagadhari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being H. No. MC/J-IV-244/1 at Civil Lines, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6186 dated 18-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Dato: 15-9-1982

#### FORM I.T.N.S,---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. SRS/37/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 31-B-I, B-Block, situated at Nai Mandi, Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in January 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lekh Raj s/o Shri Bishamber Dass, Smt. Asha Rani w/o Shri Jagdish Chander, Smt. Bisham Devi w/o Shri Ladha Ram, r/o Sirsa.

(Transferor)

(2) S/Shri Dharam Pal, Ashwani Kumar, Anmol Rattan ss/o Shri Chamman Lal, r/o Sirsa.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aqt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot No. 31-B-I, Nai Mandi Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6875 dated 28-1-1982 with the Sub Registrar, Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 16-9-1982

### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Raghu Nath s/o Shri Jamna Mal, r/o Kalthal

(Transferor)

(2) Shri Ujjagar Singh 8/0 Shri Man Singh, r/0 Kaithal

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 16th September 1982

Ref No kTL, 20/81-82 —Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 29 & 30 New Mandi, situated at Kaithal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kanthal in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot No. 29 & 30 at New Mandi Keithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3265 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Kaithal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-9-1982

### FORM I.T.N.S.-—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jeet Singh s/o Shri Pooran Singh, Shri Hardyal Singh s/o Shri Sajjan Singh r/o Fatchpur Teh. Kalka.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Singh Sodhi s/o Shri Balwant Singh Sodhi r/o 195 Sector 28, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. KLK/37/8182.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 42 kanals 4 marla situated at Fatchpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in January. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanals 4 marla situated at Futehpur Teh. Kalka and a<sub>8</sub> more mentioned in the sale deed registered at No. 2108 dated 25-1-1982 with the Sub Registrar, Kalka.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-9-1982

#### FORM ITNS-

(1) S/Shri Chaman Lal, Amrit Lal ss/o Shri Ram Lal s/o Shri Bahadur Chand, r/o Hinga Kheri

(2) Smt. Vira Bai w/o Shri Hakam Rai s/o Shri Ghansham Dass

r/o Shahbad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY,
ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. TSR/13/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. Land measuring 92 kanala situated at Vill. Hinga Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 92 kanal situated at Hinga Kheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2439 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Thaneshar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the processid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. TSR/15/81-82,—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 172 kanals 9 marla situated at Hinga Kheri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thanesar in January 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ratton Lal, Shri Chaman Lal, Amrit Lal ss/o Shri Ram Lal r/o Hinga Kheri

(Transferor)

(2) Shri Jeewan Dass s/o Shri Bahadur Chand s/o Shri Dewan Chand, Shri Harish Chand s/o Shri Jeewan Dass r/o Jullunder City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 172 kanals 9 marla situated at Villuge Hinga Kheri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2441 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Thanesar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbek

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N S

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Kushan Kumai S/o Sh. Giidhan I il 1/o Model Town, Sonepat through Sh. Lok Nuth S/o Girdhari I al, Sonepat (Transfero)

(?) 1. Sh. Anil Kumar Basil S/o Sh. Piarey I al H No. 223, Model Town, Sonepat 2 Sont Binda (D1.) wd/o Sh. Piarey I al 1 o Kumeharan Gate Sonepat.

(Transferee

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE COMMISSIONER OF INCOME-LAX D L F COLONY, ROHTAK ACQUISITION RANGE,

Rohiak, the 16th September 1982

Ref. No. SPT/109/81-82 -Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

bearing No.
House No 223, Model Town, situated at Sonepat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

30-306GI/82

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being H. No. 223, Model Town, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4190 dated 7-1-1982 with the Sub Registrar, Sonepat

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtal

Dated . 16-9-1982. Seal :

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. SPT/108/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land 9 kanal 5 marla situated at Bad Malak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Sonepat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gokal S/o Sh. Channa Bad Malak Tch. Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Bala Sethi W/o Shri Rajiv Sethi. r/o 7/19, East Patel Nagar. New Delhi

(Transfered)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanal 5 marla situated at Bad Malak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4143 with the Sub Registrar, Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982.

SeaI :

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. kNL/102/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building at D. S. College Road situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Suraj Parkush Kapoor S/o Sh. Jagan Nath Kapoor r/o Model Town, Karnal, As prop. Kapoor Engg. Works, Dayal Singh College Link Road, Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Mann W/o Tajinder Pal Smt. Kamal Mann W/o Sb. Surrender Mann S/Shri Brijainder Singh, Rambir Singh S/o Sh. Tajinder Pal Mann, Shri Haripander Singh S/o Shri Surender Mann. r/o building at D. S. College Link Road, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being building at D. S. College Line Road, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at 4983 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 16-9-1982.

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, J D. L. F. COLONY ROHTAL

Robtak, the 15th September 1982

Ref. No. KNI /105/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/- and beating No.

Land measuring 156 kanals 17 marlas situated at Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Sh. Baldev Nagpal,

(Transferor)

2. Jai Dev Nagpal, Ss/o Sh. Udha Ram

3. Smt. Ram Piari W. o Sh. Kotu Ram,

to West Patel Nagar, New Delhi.
Smt. Ishwar Devi W/o Sh. Krishna Chand Shakti Nagar, New Delhi.
Smt. Chandervati W/o Parbhu Daya!

Sakurbasti, Delhi. through Sh. Vinod Kumar Nagpal S. o Shri Baldev Nagpal R/o E-184, Greater Kailash, New Delhi.

(2) M/s. Sawastik Industries, Bada Gaon,

Distt. Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Property being land measuring 156 kanals 17 marla situated at Village Bada Gaon Teh. Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4875 dated 8-1-82 with the Sub Registrar, Karnal.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Pohtak.

Dated . 15-9-1982 Scal:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Rcf. No. KNL/107/81-82.—Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing No.

House No. 37, Model Town, situated at Karnal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducation of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in temperate of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1952 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Snit. Harvinder Kaur W /o Sh. Harjinder Siugh Sindhu, R/o House No. R-287, Model Town\_ Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rani W/o Janardhan Lal. 1/o H. No. 60-A, Kunjpura Road, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House No. 37 Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4813. dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 16-9-1982.

#### FORM ITNS--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. HSR/150/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and

bearing No.

Land measuring 5 kunals 16 marlas, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hisser in January, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Balwant Rai S/o Sh. Sham Sunder Mohalla Pushriyan near Gandhi Chewk, Hissar.

(Transferor)

(2) M/s. Sham Sunder (Haryana) Industries Private Limited, Delhi Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 kanals 16 marla situated on main Delhi Road. Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4960 dated 25-1-1982 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated: 17-9-1982.

Scal:

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/106/81-82.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I and situated at Gharaunda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurmukh Singh S/o Sh. Hazara Singh, Shri Gurdayal Singh S/o Sh. Shisha Singh, R/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Ved Parkash Ss/o Shri Hati Chand R.o Gharaunda Teh, Karnal, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4864 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal

R. K. BHAYAN A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 18-9-1982

inor,

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rcf. No. KNL/110/81-82.—Wherens, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot, situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Rameshwar Dass, r/o Alipur Teh. Panipat;

(Transferor)

(2) Sh. Zile Singh
Sh. Multan Singh,
Sh. Sultan Singh
Ss/o Sh. Nathu Ram
Sh. Puran Singh
S/o Sh. Nathu Ram,
R/o Knrsa Chor Teh. Karnal,
Sh. Nar Singh S/o Rulia Ram
r/o Budhanpur Abad Teh, Karnal,
Gordhan Dass S/o Bodh Raj
1/o Pundri Teh, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot measuring 6700 sq. ft with room and boundary wall at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4780 dated 5-1-1982 with the Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Robital.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitee under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 18-9-1982.

FORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

> > Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PNP/143/81-82.-Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 506 sq. yds situated at Panipat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ør
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Santosh Tulli S/o Sh. Harbans Lol S/o Shri Darbai Lal R o 175 R, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Kathuria W.o. Shii Suiesh Kathuria, H. No. 489 Ward No. 3, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 506 sq. yards in Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6539 dated 29-1-1982 with the Sub Registrar, Paniput

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Dated: 18-9-1982.

Scal:

31 - 306GI/82

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 17th September 1982

Ref. No. RTK/67/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 299 Ward No. 29,

situated at Shivaji Colony, Rohtak.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rohtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Govind Lal Juneja S/o Shri Trilok Chand Juneja Sector 9, H. No. 33, R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashvani Kumar Bhatia S/o
 Shri Des Raj Bhatia,
 H. No. S-341, Gareta, Delhi now
 H. No. 299 Ward No. 29, Shivaji Colony,
 Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being House No. 299 Ward No. 29, Shivaji Colony, Rohtak, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5347 dated 18-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Dated : 17-9-1982.

#### FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/64/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 766 Ward No. 18,

situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Rohtak in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla Devi Jain Wd/o Santosh Kumari Jain, Pushap Lata Jain, Rajinder Kumar Jain, Janinder Kumar Jain ss/o Sultan Singh S/o Sh. Durga Parshad r/o Sultan pur Bhawan, Rohtak.

(2) Shri Krishan Gopal Vashist S/o Shri Jagan Gopal Vashist, Pirji Mohala, Rohtak.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being house No. 766 Ward No. 18, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5285 dated 12-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Dated: 18-9-1982,

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohlak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK, 59/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop at Shori Market, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Robtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Sh. Chandu Ram S/o Sh. Ladha Ram R/o Shori Market, Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Gopal Krishan S/o Sh. Hari Chand, Shop No. 58, Shori Market, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Shop No. 58 situated at Shori Market and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5187 dated 7-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtal

Dated : 18-9-1982.

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Tara Chand S/o Sh. Aya Ram R/o H. No. B-II/1347, Salara Mohalla, Rohtak. (Transferor)

(2) Smt Ram Devi W/o Sh. Vishnu Ram Kathuria R/o Bhagwan Colony, Rohtak.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/62/81-82.—Whereas, J, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Half portion of shop No. BVI/877

situated at Qilla Road, Rohtak.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. BVI/887 Qulla Road. Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5437 dated 22-1-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak.

Dated: 18-9-1982.

#### FROM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. RTK/99/81-82.—Wheeras, I, R. K. BHAYANA,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Qilla Road, Rohtak.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in March 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the respect of any income arising from the transfer; 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Tara Chand S/o Sh. Aya Ram R/o H. No. B-II/1347, Salara Mohalla, Rohtak.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi W/o Sh. Vishnu Ram Kathuria r/o Bhagwan Colony, Rohtak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being half portion of shop No. BVI/887 Quilla Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6239 dated 17-3-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Dated · 18 9-1982

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 16th September 1982

Ref. No. JDR/85/81-82.—Whereas, I,

R, K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jagadhari in Jan., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Chand S/o Chuni Lai, r/o Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Smt. Veera Rani W/o Sj. Chuni Lal,
1/0 Ludhlana now
1/2 shop at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being shop situated at Vishkarma Mohalla, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5921 dated 6-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date: 16-9-1982

#### FORM ITNS -----

(1) Shri Sri Chend S'o Layak Ram, Villace Sikanderpui Chost (Gurgaon).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Delhi Land & Finance Limited, 21,22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D L F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLI/178/81-82—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 10 bissues situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 10 Bishwas situated at Village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 52 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

#### FORM ITNS---

(1) Shri Siri Chand S/o Sh. Layak Ram, Village Sikanderpur Ghosi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) M/s. DLF Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/179/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in Ian 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 53 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sate Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

32-306G1/82

Date: 18-9-1982

Scal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLI/180/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the, 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No, Land measuring 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Ian. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the carpenses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Siri Chand son
  Smt. Vidya Wat daughter of Sh. Layak Ram
  r/o Village Sikanderpur Ghosi.
- (2) M/s. DLF Limited, 21,22, Narindra Palace, Parliament Street, New Delhi

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at Sikandarpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 54 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Delbi

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbak

Date: 18-9-1982

15301

# FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

# 1AA ACI, 1961 (45 01 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY. ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/181/81-82 --Whereas I, R K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I and measuring 6 Bishwas,

situated at Sikanderpur Ghost

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act. in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balvir Singh s/o Sh. Ude Singh s/o Sh. Layak Ram r/o Villuge & P.O. Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).
- (2) M/s. Delhi Land & Finance Limited. 21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at village Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 55 dated 8-1-1982.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

# FORM I.T.N.S -

 Shri Narain Singh s/o Kundan Lal, Vill. Sikanderpur Ghosi (Gurgaon).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, N.P. Parliament Street, New Delhi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLI/182/81-82.—Whereas I, R. S. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land area 1/12th share of 5 B. 17 B.

situated at Skanderpur Ghosi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being land measuring 1/12th share of 5 bighas 17 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No 69 dated 15-1-1982 with S. R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/183/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share of 9 B. 13 B.

situated at Gorakhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Indu Menta W/o Sh. Brij Mehta 52 Anand Lok, New Delhi. (Transferor)

(2) M's DIF Housing & Construction Ltd. 21-22, N.P. Parliament Street, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 1/36 share of 9 Bigha 43 B. situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 100 dated 20-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHFAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No DLI/184/81-82 ---Whereas I, R K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Land area 1/36th share of 9B, 13B situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Biij Mchta s/o Sh. K. K. Mehta 52 Anand Lok, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. DLf Housing & Construction Ltd. 21-22, Narindra Place, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in thapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land 1 36th shate of 9 Bigha 13 Bishwas situated at Chakarpui and as more mentioned in the sale deed registered at No. 101 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar, Delhi,

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSI'ECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/185/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. area 1/36th share of 9B 13B.

Situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule amnexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mahesh Chand Gupta s/o Ram Saran Dass Gupta, E-464, Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1/36th share of 9 Bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 102 dated 20-1-1982 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

#### FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/186/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 1/36th share in 9B. 13B. situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), but been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Sh. Sunil Kumar S/o Mahesh Chand r/o E/464, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 1/36th share in 9b. 13b. situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 103 dated 20-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

15307

LORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, D. L. F COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No DLL 187, 81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 B. 13.B.

s.tuated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issus of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—33--306GI/82

(1) Shri Ashok Kumar Goenka s/o Sh. Kedør Nath r/o Lakshmi Bhawan Monghyr, Bihar, (Transferor

(2) M/s. DLF Housing & Construction Ltd., 21-22, Natindra Place, Pathament Street, New Delhi, (Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share of 9 bigha 13 bishwas situated at Chakerpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 104 dated 20-1-82 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N S .--

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE ROHTAK

Hyderabad, the 10th September 1982

Ref. No. DII/188 81-82.— Whereas, 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

bearing No. Land area 5/144 share in 9B 13B situated at Chakorpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ashok Kumar Goenka S/o Sh. Kedar Nath Goenka R/o Lak hmi Bhawan, Monghyr, Bihar. (Transferot)

(2) M s DLF Housing & Construction Limited 21-22, Narindra Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13B situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 105 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-9-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHFAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DL1/189/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

bearing No. Land area 5/144 in 9 bigha 13 bishwas

situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed beleto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) for the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar Goenka S o Sh. Kedar Nath Goenka R/o Lakshmi Bhawan, Monghyer, Bihar. (Transferor)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Limited 21-22 Natindra Place, Pathament Street, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being area of land 5/144 share in 9 bigha 13 Bishwas situated at Chakarpui and as more mentioned in the sale deed registered at No. 106 dated 20-1-1982 with SR Delhi.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-82

 Sh. O. N. Goenka S/o Kedar Nath Goenka R/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27. (Transferot)

(2) M s DIF Housing & Construction Ltd. 21-22 Natingto Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHATK

Rohtak, the 10th September 1982

Ref. No. DLI/190 '81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 b. 13 b.

situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi in Jan. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-vection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share of 9 bigha 13 biswas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 108 dated 20-1-1982 with the Sub-Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/191/81-82.--Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Lund area 5, 144 share in 9 h. 13 b. situated at Chakaipui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. O. N. Goenka S/o Kedar Nath Goenka R/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s Dl F Housing & Construction Co., 21-22, NarinJra Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and explessions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being and area 5/144 share in 8 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 109 dated 20-1-1982 with SR Delhi.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

^CQUISITION RANGE, ROH∫AK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DI I/192/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYA  $\sqrt{A}$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing No. Land area 5/144 share in 9 bigha 13 b. situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi and Lang 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. O. N. Goenka S/o Sh. Kedar Nath Goenka R/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27, (Transferor)
- (2) M s DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 Biswas situated at Village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 109 dated 20-1-1982 with SR Delhi.

R. K. BHAYANA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-82

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. D1.1/193/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land area 5/144 share in 9 b. 13 b. situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Ashok Kumar Goenka S'o Sh. Kedar Nath Goenka Ryo Lakshmi Bhawan, Monghyi, Bihar, (Transferor)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Ltd. 21-22, Natingua Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 B situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 111 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi,

R. K. BHAYANA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI '194/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land area 5/144 share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakarour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedui Nath Goenku r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor

(2) M/s. DIF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 112 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. 1. T. COLONY

Robtok the 18th September 1982

Ref. No D11, 195 81-82,—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable promotely, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Ian 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the run market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in a

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the serid A t, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following per ons, namely:—

34- 306GT/82

(1) Sh. Amer Nath Goenka 8,0 Sh. Kedar Nath Goenka 1'o ti Poorvi Marg, Valant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M s. DLP Housing & Construction Limited 21-22, Narendra Place, Parliament Street, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 113 dated 20 1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range.
Rohink

Date: 18-9-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/196/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,0000/- and bearing

Land area 5/144 share in 9 b. 13 b situated at Chakarour

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amer Nath Goenka 5 o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delbi

(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Co. Limited, 21-22. Narindra Place, Pailiament Street, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Property being land area 5 144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 114 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohad

Dufc: 18-9-1982

Seal .

#### 15317

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY,

ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ret. No. DLI/197/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 4 155 share in 9 b. 13 b. situated at Chakarpu

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Jap. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of th Indian neome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Amer Nath Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 30 Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. DLP Housing & Construction Limited, 21-22, Narindia Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5,144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 115 dated 20-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref No DLI/198, 81-82—Whereas, I, R. K. BIIAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land area 1/36th share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakaipur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liabil'ty
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:--

- (1) Sh. S. Jaspal Singh Marwah s/o Sh. S. Inder Singh r o H-39, Green Park, Extension, New Delhi.
  (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Naturdia Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I APPANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being fund 1/36th share in land in 9 bigha 13 bishwas at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 131 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Auhority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### ME-1111 NC1, 1301 (43 O1 1301)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohfak, the 18th September 1982

Ref. No. DI 1/199/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA bein; the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 1/36th share in 9 b 13 b, situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhupinder Kaur w o S. Jaspal Singh r/o H-39, Green Park Extension, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. Dl F Housing & Construction Limited, 21-22, National Place, Parliament Street New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/36th share in 9 bighas 13 biswas situated at Chakurpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 132 dated 25-1-82 with the Sub Registrar, Dolbi

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date : 18/9/1982

Scal

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. D1.1/200/81-82.—Wherens, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1'961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land area 5,144 share in 9 b 13 b, situated at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1900) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under tub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 27. Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 b. 13 b. situated at village Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 133 dated 25-1-82 with S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-1982

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACC, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka J/o 27, Pain Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s DIF Housing & Construction Limited, 21-22, Naundra Place Parliament Street, New

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, D. [ F. COLONY, **ROHTAK**

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/201/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (thereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chekernus. at Chakarpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 b. 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 133 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sh. N. K. Goenka 5 'o Sh. Kedar Naih Golnka 170 27, Raja Santosh Road Calcutta 27,

(Transferor)

(2) M/s DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Naturdia Place, Parliament Sirect, New Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, D. I. F. COLONY ROHTAK

Robtal, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/202 81-82.--Whereas, I, R, K, BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 shore in 9 b 13 b, situated at Chakarpur .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 higha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 135 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi,

> **R. K. ΒΗΛΥΑΝΑ** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date : 18-9-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sh. N. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/203/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan 82

for an apparent consideration

vich is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 B situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 136 dated 25-1-82 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-1982

Seal:

35-306GI/82

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/204 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land over 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenke r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.
- (2) M/s. DIF Housing & Construction Limited, 21-22, Natingta Place, Parliament Street, New Delhi.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 138 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Robtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri K K Goenka s/o Sh Kedar Nath Goenka r/o 27 Raja Santosh Road, Calcutta-27 (Transferor)

(2) M/s DL1 Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street New Delhi

(Fransferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, D L F COLONY, ROHTAK

Rohtak the 18th September 1982

Ref No DLI/205/81-82 Whereas, I, R K BHAYANA being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Land area 5/144 share in 9 bigh is 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Ian 82.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer,
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes raths seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Charler NX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No 138 dated 25-1 1982 with the SR Delhi

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date 18-9 1982 Seal .

#### FORM TINS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohink, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/206/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registered Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

  (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 140 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-82

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/207/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. A. K. Goenka 8/0 Sh. Kedar Nath Goenka, r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.
  (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 141 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Rohtak

Date: 18-9-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, D. L. F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/208/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 5/144 share in 9 bighas 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Sh. A. K. Goenka 1/o Sh. Kedar Nath r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(2) M/9. DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 141 dated 25-1-1982 with the S.R. Delhi.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLI/209, 81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No

Land area 5/144 share in 9 bigho 13 bishwas situated at Chakorpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Ian. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. A. K. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka, r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

  (Transferor)
- (2) M/s DLF Housing & Construction Limited, 21-22, Naundra Place, Parliament Street, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

'Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered 142 dated 25-1-82 with the S. R. Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-82

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. DLJ/210/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. A. N. Goenka s/o Sh. Kedar Nath Goenka, r/o 27, Raja Santosh Road, Calcutta-27.

  (Transferor)
- (2) M/s. DLF Housing & Construction 1 imited. 21-22, Narindia Place, Parliament, Street, New Defhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Property being land area 5/144 share in 9 bigha 13 bishwas situated at Chakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 144 dated 25-1-1982 with S. R. Delbi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/94/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land area 1 bigha 3 biswas,

situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kainal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in nursuance of Section 769C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
36-306GI/82

(1) Sh. Pyara Singh, Autar Singh Ss/o Sh. Anokh Singh

Sh. Darshan Singh S/o Jangir Singh, R/o New Prem Nagar, Karnal,

(Transferor)

(2) Sh. Rohit Madhok S/o Sh. Bhuoinder Chand Madhok, R o 212-R, Model Town, Karnal.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 bigha 3 bishwas at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5194 dated 27-1-1982 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Rohit Madbok S/o.

Karnol.

(Transferor)

Sh Bahadui Chand R o 212-R, Model Town, Karnal.

(1) Sh. Payra Singh S/o Sh. Anokh Singh Sh. Lakha Singh, New Prem Nagar,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/98/81-82.-Whereas, 1, R. K. BIIAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land area 200 sq. yards,

situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land area 200 sq. yds and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5116 dated 22-1-82 with the S.R.  $\lambda$  p.nal.

R. K. BHAYANA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ROHTAK

Robiak the 18th September 1982

Ref No KNL 99/81/82—Whereas I R K BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sud Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No

Rs 25,000/ and bearing No

Land measuring 5 bigh is 122 bishwas

situated at Kainal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer it Karnal in Jan 82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consider that therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of –

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Sh Jagir Singh S/o Sh Lakha Singh, New Piem Nagai, Kainal

(Transferoi)

(2) Sh Rohit Madhok S o Sh Bahadur Chand, R/o H No 212 R Model Town Karnal (T)unsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bigha 12½ bishwas situated at Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No 5115 dated 22 1-1982 with the Sub-Registral Karnal

R K BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Date 18 9-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/97/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 6 bigha 124 bishwas situated at Karnal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sh. Jagir Singh S/o Sh. Lakha Singh R/o New Prem Nagar, Karnal.

(Transferor)

(2) Smt. Piem Madhok W/o Sh. Bahadur Chand, R/o H. No. 212-R, Model Town, Kainal, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bigha 12½ bishwas at karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5117 dated 22-1-1982 with the Sub-Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtal.

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rolitak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/98/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing House No. 141, situated at Model Colony, Yamunanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Iqbal Obero S/o Diwan Chand, R/o B-4, 1451/17 Obero Colony, Yamunangan.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Rani Wyo Sh. Darshan Lal Ryo 123-K.O. Jullundui (Punjab) now H. No. 141 situated at Model Colony, Yamunanagai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 141 situated at Model Colony, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6400 dated 29-1-1982 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR  $^{\prime}446$  81-82 —Whereas I R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No Land measuring 50 Bigha Pukhta situated at Vill Mingar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan 1982

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Sh Imiat S/o Sh Bubal R/o Vill & PO Mangar

(Transferor)

(2) M/s Nagra Land Development & Construction Company Private Lumited, 506 Chiranjiy Tower, 43 Nehtu Place, New Delhi

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 50 bigha pukhta situated at Mangar and as more mentioned in the sale deed registered at No 13239 dated 8 1 1982 with the Sub-Registrar, Ballabgarh

R K BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Rohtak

Date 18-9-1982 Seal

#### 15337

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. Ladwa/1/81-82.--Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Land situated at near Ladwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ladwa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shii Chander Singh s/o Sunder Singh, r/o Sazra Tch. Thanesar.

(Transferor)

(2) Sh Roshan Lal s/o Sh. Abhe Ram,

Sh Sheo Ram s/o Sondhi, Sh. Sarwan s/o Babu Ram,

Sh Kala Ram s/o Kansha,

Sh. Dhandi Ram s/o Norota,

Sh. Sharwan Kumar s/o Sh. Bansi, Sh. Jit Ram s/o Sh. Nand Lal, Sh. Dalal Singh s/o Jot Ram, all r/o Hamidpur, Teh. Thaneshar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI INITION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land and as more mentioned in the sale deed registered at No. 535 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtuk

Date: 18-9-1982

FORM 1. Γ.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Saidar Singh s/o Sh. Ram Singh, 1/0 Vill Lakhnauti Jeh. Jagadhari,

(Transferor)

(2) Shri Surta Ram s/o Sh. Lachman Dass r/o Vill. Tejli Teh. Jagadhari.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/96/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 32 kanals 17 Marla situated at Vill. Bhambhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhari in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 32 kanals 17 marla at village Bhambhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6384 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

### FORM I.T N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohiak, the 18th September 1982

Ref. No. KNL/100/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

I and measuring 6 bigha 8 bishwas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under 'sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—37—306GI/82

(1) Shri Hari Ram, Gurmat, Rajbir ss/o Shii Telu i/o Chai Chaman Teh Karnal

(Tinusferoi)

(2) M/s. J. K. (Jemkay) Enterprises Delhi c/o Shri Ingdish Chander Gupta s/o Sh. Kali Ram s/o Sh. Gokal Chand

r/o Delhi now at Karnal

(Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dute of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 5 Bigha 8 Bishawas situated at Kainal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5101 dated 21-1-1982 with the Sub Registrar, Kainal

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-9-1982

(1) Smt. Hardit Kaur w/o Sh. Dhain Singh r/o Kalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Chinta Mani, Karam Chand Bansal ss/o Sh. Baru Mal r/o H. No 781 Gandhi Chowk, Kalka. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rcf. No. KLK/30/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 781 situated at Kalka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalka in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property being shop situated at Kalka and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1972 dated 5-1-1982 with the Sub Registrar, Kalka.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. JDR/92/81-82.—Whereas I. R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Land measuring 14 kanals 8 mails situated at Gandholi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jagadhari in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Rani w/o Sh. Subhash Chand, Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Ramesh Chander, Smt. Varsa Rani w/o Sh. Narain Dass, Smt. Prem Rani w/o Sh. Sakander Lal, all rs/o H. No. 152 Model Colony, Jagadhari (Transferor)
- (2) Smt. Krishna Sonki w/o Sh. Sat Parkash Shri Suresh Kumar Sonki s/o Sat Parkash, Sh. Narender Kumar s/o Sh. Amer Nath all rs/o Dhiman Lines Jagadhari Road, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 14 kanals 8 marlas situated at Gandholi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6291 dated 22-1-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

Seul

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITIÓN RANGE, D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. HSR/151/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop on plot No. 157, situated at Krishna Mandi, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Ian. 82

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ram Bilas s/o Sh. Parma Nand r/o 22, Nand Niwas Near Ashok Nagar Society Athwalines, Surat (Gujarat).

(2) Smt. Lllawati Devi w/o Khushi Ram Smt. Bimla Devi w/o Mahadev Parshad r/o Shivaji Gali Dayanand College Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being shop on plot No. 157, Krishna Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4866 dated 8-1-1982 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th September 1982

Rcf. No. AMB/86/81-82.—Whereas 1, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land 240 kanals 3 marlas situated at Village Temnola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sh. Vishwa Nath etc. Ss/o Sh. Dina Nath r/o Tamnoli Teh. Ambala.
  - 2. Busheshar Nath,
  - Smt. Sheela Rani, Shanti Rani ds/o Sh. Deena Nath r/o Tamnoli

(Transferor)

(2) Shri Santokh Lal S/o Waryam Lal Shri Sadhu S/o Sh. Lajja Ram, Shri Gubal Sinth S/o Sh. Sadhu Karnaito Devi d/o Sadhu r/o Kagal, Teh. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 240 kanals 3 marla situated in village Tamnola and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5426 dated 28-1-82 with the Sub Registrar, Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 19-8-1982

### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. SRS/38/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot at Hissar Road situated at Sirsa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Sh. Shiv Kumar, Chand Lal, Vijay Kumar Se/o Sh. Nem Kumar alias Nem Chand S/o Sh. Gur Dayal Mal r/o Sirsa,
- (2) 1. S.Sh. Jagdish Kumai, Jai Narayan Ss/o Shri Ramji Lal S/o Harideva Ram i o Daubalalya Teh. Sirsa.

(Transferor)

 Smt. Renu D/o Sh. Ram Saroop s/o Sh. Ujala Ram r/o Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being plot at Hissar Road, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6569 dated 15-1-1982 with the Sub Registrar Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

### FORM ITNS----

(1) Shri Rikhan, Mahipal sons Smt. Bhuro W/o Sh. Har Chand 1 to Vill. Lakarpur Teh. B. Garh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(?) Sh. Sanjay Chawla s/o Sh. Labha Mal c/o M/s. Super Tyres Pvt. Ltd., Karnal. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtok, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/455/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 kanal situated at Village Lakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in Jan. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ludien Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being land measuring 16 kanal situated at village Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13376 dated 11-1-1982 with the S.R. Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK, D.L.F. COLONY Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/453/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. Land measuring 16 kanals situated at Lakarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nathi s/o Sh. Harti r/o Vill, Lakarpur.
  (Transferor)
- (2) Sh. Sanjay Chawla S/o B. L Chawla c/o M/s. Super Tyres Pvt. Itd. Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals at Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13314 dated 11-1-1982 with the Sub Registrar, Ballabhgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robiak

Date: 18-9-1982

(1) Shii Gulshan Kumar S/o Buda Ram i/o Sandholl. (Transfeior)

(2) M/s Puja R ce Mills Village Sandholi,

ray be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtek, the 18th September 1982

Ref. No. PHW/16/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land 40 Kanals 3 marla situated at Sondholi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pehwa in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 kanal 3 marla situated at  $S_{\rm all}$  about and as more mentioned in the sale deed registered at No.~1314 dated 18-1-82 with the Sub Registrar, Pchwa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commi sioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 18-9-1982

Seat

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Ram Chand S/o Sh. Wazir r/o Vill. & P.O., Lakarpur Teh. Ballabgarh (Transferor)

# (2) Shri Sanjay Chawla s/o Sh. B. L. Chawla c/o M/s. Super Tyres Pvt. Ltd. Karnal. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF TAX, ACQUISITION RANGE,

ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/454/81-82.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land measuring 13 kanals situated at Lakarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Ballabgarh in Jan. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanal situated at Village Lakarpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13315 dated 11-1-1982 with the sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# r/o Vill. Sandholi. (2) M/b. Shakti Rice Mills,

(Transferor)

(2) M/s. Shakti Rice Mills, Vill. & P.O. Sandholi Teh. Pehwa.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. PHW/17/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 44 kanals 4 marla situated at Village Sandholi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pehwa in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) Shri Gulshan Kumar S. o Sh. Buda Ram,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and energyions used begin as are defined in Chapter CA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals 4 marlas situated at Sandholi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1337 dated 20-1-1982 with the Sub Registrar Pehwa.

R. K. BHAYANA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. BGR/457/81-82.—Whereas, I. R. K. BHAYANA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Land measuring 1008 sq. yards situated at Teh.

Ballabgarh.

fund more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Jan. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Anagpal S/o Sh. Rajinder Kumar, 1/o Rajinder Farm. Faridabad.

(2) 1. Sh. Kailash Chand S/o Sh. Gopal Chand r/o 60/29 Ramjas Road, New Delhi

Sh. Sohan Lal S/o Sh. Manohar Lal, Lakarpur,
 Sh. Sunil Kumar S/o Sh. Bodh Raj,
 r/o 16/2591 Arya Samaj Road, Faridabad.
 Sh. Ramesh Gulati S/o Sh. Ram Gulati,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 1008 sq. yds and as more mentioned in the sale deed registered at No. 13420 dated 14-1-1982 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (43 01 1701)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/314/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 8 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1911 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) M/s. Delhi Land & Finance Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 8 biswas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3653 dated 1-1-82 with S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-9-1982

### FORM ITNS-

(1) Shri Dalip Singh S/o Ganpat Singh, r/o Sikanderpur.

(2) M/s. Delhi Land & Finance Limited, 21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi—

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rel. No. GRG/315/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Land area 7 bishwas situated at Sikanderpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and! have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as one defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land area 7 bishwas at Sikauderpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No 3654 dated 1-1-1982 with the S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1982

## 1CI (INDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Rel. No. GRG/316/81-82,--Whereas, I R K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the aid Act), have reason to believe that the immover provery, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 6 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a consideration the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising form the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer fathe purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wen'tl Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269°C of the said act. I foreto in no encoceedings for the aquitation of the proposaid momenty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Heera Singh S/o Sh. Ganpat Singh, Vill. Elkanderpul Ghosi.

(Transferor)

(2) M/s, Delhi Land & Finance Limited, 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 bishwas situated at Sikan-derpur Ghosi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3655 dated 1-1-82 with the S. R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Veristant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-9-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 18th September 1982

Ref. No. GRG/317/81-82.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land area 3 bigha 7 bishwas situated at Sikanderpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Jan. 1982.

for an ipparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhag Singh S/o Sh. Jai Kishan, Shri Krishan Lal, Indraj Singh, all r/o Sikanderpur.

(Transferor)

 M/s. Delhi Land & Imance Limited, 21-22, Narendra Paluce, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 3 bigha 7 bishwas situated at Sikanderpur Ghosi and as more mentioned in the sale de.d registered at No. 3656 dated 1-1-82 with S. R. Gurgaon

Inspecting Assistant Commissioned of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak.

Date : 18-9-1982